THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 50 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.5 2083 गुरुवार, 21 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

असम के विधानसभा सत्र में यूसीसी बिल लाने की तैयारी

गुवाहाटी, 20 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार आने वाले विधानसभा सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पेश करने की तैयारी कर रही है। साथ ही, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि राज्य कैबिनेट का विस्तार जून के पहले सप्ताह में होने की संभावना है। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि राज्य सरकार असम में यूसीसी कानून लाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है और विश्वास जताया कि यह बिल विधानसभा में पारित हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट में संभावित फेरबदल और नए मंत्रियों को शामिल करने से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कैबिनेट विस्तार जून के पहले सप्ताह में होने की संभावना है। यह धीरे-धीरे होगा।

मेलोनी-मोदी की डील

दोनों देशों के बीच मजबूत हुई रणनीतिक साझेदारी

दुनिया में दिलाएंगे पहचान : पीएम

रोम, 20 मई (एजेंसियां)। भारत और इटली ने अपने द्विपक्षीय संबंधों में एक नए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली की पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने रिश्तों को सर्वोच्च स्तर पर ले जाते हुए 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' में अपग्रेड कर दिया है। रोम में आयोजित इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के दौरान इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। मेलोनी ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद, यानी पूरे 26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है, जो दोनों देशों के बीच की दूरी को मिटाकर रिश्तों को एक नई ऊर्जा देगी। पीएम मोदी ने कहा मेलोनी ने मेरे प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया है। उन्होंने जॉर्जिया मेलोनी को भारत आने का न्यौता भी दिया।

20 बिलियन यूरो व्यापार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मेलोनी ने आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य वर्तमान 14 बिलियन यूरो (करीब 1,569.3 अरब रुपये) के द्विपक्षीय व्यापार को साल 2029 तक बढ़ाकर 20 बिलियन यूरो यानी करीब 2,241.85 अरब रुपये तक पहुंचाना है। यह एक बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, जिसे भारत और यूरोपीय संघ के बीच हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते की मदद से हासिल किया जाएगा। मेलोनी ने आगे कहा कि दोनों देशों के आर्थिक और उत्पादक तंत्र एक-दूसरे के पूरक हैं। वर्तमान में भारत के विकास में 400 से अधिक इतालवी कंपनियां सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। इसके साथ ही, नई दिल्ली में 'इनोवेट इंडिया इनिशिएटिव' के तहत एक विशेष केंद्र स्थापित किया जा रहा है, जो दोनों देशों के स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालयों, उद्यमों और अनुसंधान संस्थानों के बीच आपसी सहयोग और प्रतिभाओं को बढ़ावा देगा।

डिजाइन, डेवलप और वैश्विक डिलीवरी का नया मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साझेदारी को वैश्विक कल्याण से जोड़ते हुए एक नया और प्रभावशाली विजन पेश किया। पीएम मोदी ने कहा, 'इटली दुनिया भर में अपने बेजोड़ डिजाइन और सटीकता के लिए प्रसिद्ध है। दूसरी तरफ, भारत की पहचान बड़े पैमाने, असीमित प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस के रूप में है। इसलिए, अब हम डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली, एंड डिलीवर फॉर द वर्ल्ड' के साझा सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।' पीएम मोदी ने घोषणा की कि 'भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029' इस साझेदारी को एक व्यावहारिक, समयबद्ध और भविष्योन्मुखी ढांचा प्रदान करेगी। दोनों वैश्विक नेताओं ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में हुई अपनी सात मुलाकातों के बारे में भी बताया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने पीएम मोदी के विजन, व्यावहारिक दृष्टिकोण और उनके नागरिकों के बीच उनकी मजबूत लोकप्रियता की खुलकर सराहना की।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

'ट्रंप को करेंगे डंप'

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की; राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार बाकी

तेल अवीव/वॉशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है। अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है।

कोर्ट में सीबीआई ने छह आरोपियों को किया पेश, दो जून तक न्यायिक हिरासत में भेजे

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने आज बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने इस प्रकरण से जुड़े छह आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश किया। यह पेशी उनकी पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद की गई। सीबीआई ने मंगिलाल बीवाल, विकास बीवाल, दिनेश बीवाल, यश यादव, शुभम खैरनार और धनंजय लोखंडे को राउज एवेन्यू कोर्ट में प्रस्तुत किया। इन सभी व्यक्तियों पर नीट-यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने में संलिप्तता का आरोप है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुनाया। अदालत ने छह में से पांच आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इन पांचों आरोपियों को दो जून तक न्यायिक हिरासत में रखा जाएगा।

नीट-यूजी पुन: परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा, फर्जी सूचनाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज नीट-यूजी पुन: परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मंत्री ने फर्जी टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया, जो मेडिकल प्रवेश परीक्षा से संबंधित गलत सूचनाएं फैला रहे थे।

बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक उपस्थित थे। तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई ताकि कमजोरियों की पहचान हो सके और उसे ठीक किया जा सके। मेटा, गूगल और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक भी हुई। अधिकारियों ने बताया कि कई चैनल परीक्षाओं से पहले सक्रिय होकर फर्जी पेपर लीक के दावे और गलत जानकारी प्रसारित करते हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों में घबराहट फैलती है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, कई संदिग्ध चैनल सीमित फोन नंबरों से संचालित हो रहे हैं, जो संगठित गतिविधि का संकेत है। प्रधान ने इस मुद्दे पर कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने ऐसे नेटवर्कों पर कार्रवाई का निर्देश दिया। इसमें फर्जी जानकारी फैलाने वाले चैनलों की पहचान और हटाना शामिल है। मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों को गलत सूचनाओं पर तुरंत अंकुश लगाने के लिए शिक्षा मंत्रालय, एनटीए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। यह परीक्षा प्रणाली की अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी है। बैठक में यह भी बताया गया कि कई लिंक उपयोगकर्ताओं को स्वचालित बॉट और फर्जी समूहों पर फिर से निर्देश करते हैं।

ओबीसी आरक्षण 17% से घटकर 7% हुआ

अब 66 जातियां ही कोटे में रहेंगी; ममता ने जिसे चीफ व्हिप से हटाया, केंद्र ने उन्हें वाई सिक्योरिटी सुरक्षा दी

कोलकाता, 20 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने ओबीसी आरक्षण व्यवस्था में बदलाव किया है। राज्य में ओबीसी आरक्षण 17% से घटाकर 7% कर दिया गया है। नई लिस्ट के मुताबिक अब सिर्फ 66 जातियां ओबीसी आरक्षण के दायरे में रहेंगी। धर्म आधारित वर्गीकरण की व्यवस्था भी खत्म कर दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला कलकत्ता हाईकोर्ट के 2024 के आदेश के आधार पर लिया गया है। कोर्ट ने 2010 से 2012 के बीच ओबीसी सूची में 77 अतिरिक्त जातियों को जोड़ने की प्रक्रिया को अवैध और असंवैधानिक बताया था। हालांकि 2010 से पहले ओबीसी कैटेगरी में शामिल जातियों का दर्जा बना रहेगा। इस कोटे के जरिए पहले नौकरी पा चुके लोगों की नियुक्तियों पर भी असर नहीं पड़ेगा। उधर केंद्र ने टीएमसी नेता काकोली घोष दस्तीदार को सीआईएसएफ की 'वाई' कैटेगरी सुरक्षा दी है।

उज्जैन के कालभैरव मंदिर में अब विआईपी दर्शन व्यवस्था

> 500 रुपए देकर सीधे गर्भगृह तक पहुंच सकेंगे श्रद्धालु

उज्जैन, 20 मई (एजेंसियां)। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाद अब श्री काल भैरव मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बुधवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपए का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे। टिकट मंदिर परिसर के बाहर बने काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

विश्व प्रसिद्ध श्री कालभैरव मंदिर, जहां भगवान काल भैरव को मदिरा का भोग लगाया जाता है, वहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती श्रद्धालु संख्या और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को देखते हुए मंदिर में 125.17 करोड़ रुपए की लागत से कॉरिडोर और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, फिलहाल यह व्यवस्था ऑफलाइन शुरू की गई है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन भी किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को विशेष मार्ग से सीधे गर्भगृह तक पहुंचकर दर्शन की सुविधा मिलेगी। काल भैरव मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वीआईपी प्रोटोकॉल की सशुल्क दर्शन व्यवस्था के साथ सामान्य श्रद्धालु अगर शीघ्र दर्शन करना चाहता हैं तो उन्हें मंदिर के बाहर लगे टिकट काउंटर से 500 रुपए का टिकट लेना होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं को मंदिर के निर्गम द्वार से लगे हुए मार्ग से प्रवेश मिलेगा, यहां से श्रद्धालु सीधे मंदिर के गर्भगृह द्वार के गेट से एंट्री लेकर सीधे गर्भगृह में दर्शन कर सकेंगे। काल भैरव मंदिर में प्रशासक एलएन गर्ग ने बताया कि अभी शुरुआत में ऑफलाइन टिकट वयवस्था की है। इसे जल्द ही ऑनलाइन कर दिया जाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालु शीघ्र दर्शन के नाम पर कई बार ठगी का शिकार होते थे।

दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की सुरक्षा सीएपीएफ के हवाले

20 हजार जवान और 500 कमांडो तैनात

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में आगामी दो सप्ताह के दौरान दो बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होंगे। दोनों ही सम्मेलनों में बड़े स्तर पर विदेशी मेहमानों की मौजूदगी रहेगी। भारत, अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस-IV) की मेजबानी करेगा।

एक-दो जून को नई दिल्ली में ही अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का शिखर सम्मेलन होगा। इसकी मेजबानी भी भारत करेगा। राष्ट्रीय राजधानी में इन दोनों अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सीएपीएफ को सौंपी गई है। सीएपीएफ की दो सौ कंपनियां यानी 20 हजार जवान और 500 कमांडो, दिल्ली में पहुंच चुके हैं। अब ये जवान, दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कानून-व्यवस्था संभालेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस मुख्यालय में 'विशेष पुलिस आयुक्त' (परिचालन) को सूचित किया गया है कि आगामी दो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की जाएगी। इससे पहले दिल्ली पुलिस की तरफ से केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर केंद्रीय बलों की तैनाती का अनुरोध किया गया था।

दिल्ली पुलिस ने सीएपीएफ की दो सौ कंपनियां, जिसमें पांच सौ कमांडो भी शामिल हैं, मुहैया कराने की मांग की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय में सुरक्षा से संबंधित एक अहम बैठक में उक्त मामले पर गंभीरता से विचार किया गया।

भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री के इटली में टॉफी बांटने वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए पूछा-आपको भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है? दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुधवार को इटली दौरे पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनी टॉफी 'मेलोडी' देने पर राहुल गांधी ने कहा था कि आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं! इस पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गोयल ने कहा, राहुल गांधी को भारत और भारत में बनी हर वस्तु से इतनी नफरत क्यों है?

भारत आज मेड इन इंडिया और लोकल गोज्स ग्लोबल के माध्यम से दुनिया का ट्रस्टेड डेस्टिनेशनल बना है, लेकिन कांग्रेस को हर भारतीय उपलब्धि में समस्या ही दिखाई देती है। जिस वैश्विक सम्मान, निवेश और भरोसे के लिए देश दशकों तक इंतजार करता रहा, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत अर्जित कर रहा है तो वह राहुल गांधी से सहन नहीं हो रहा है। इटली दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट भेंट किया। इस गिफ्ट के लिए मेलोनी ने उन्हें धन्यवाद भी दिया।

इतालवी पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 12 सेकंड की वीडियो क्लिप साझा की। जिसमें वो भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिख रही हैं। इस क्लिप में वो कह रही हैं, प्रधानमंत्री मोदी हमारे लिए बहुत अच्छा गिफ्ट लेकर आए हैं। ये टॉफियां हैं जो बहुत स्वादिष्ट हैं। इसके बाद उनकी दाईं तरफ खड़े पीएम मोदी टॉफी का पैकेट उठाते हैं जिस पर लिखा है'मेलोडी'। पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी चरण में इटली पहुंचे हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार) रोम पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

'देश में अब तक कोई महिला एसजी या एजी नहीं'

> सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विधि अधिकारी पदों में 30 फीसदी कोटा की मांग

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर विधि अधिकारी पदों में महिला वकीलों के लिए 30% कोटा की मांग की गई है। याचिका के अनुसार, भारत के अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल के पद पर आज तक किसी भी महिला वकील को नियुक्त नहीं किया गया है, और वर्तमान में विभिन्न उच्च न्यायालयों में नियुक्त अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरलों में से कोई भी महिला नहीं है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका में यह भी बताया गया कि कानूनी पदों पर महिलाओं की अनुपस्थिति का न्यायपालिका में उनके प्रतिनिधित्व पर सीधा असर पड़ता है। इस मामले की सुनवाई आज सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ द्वारा संक्षेप में की गई। सुनवाई के दौरान, सीजेआई सूर्यकांत ने बताया कि कैसे एक महिला वकील ने हाल ही में महिला वकीलों के लिए बार एसोसिएशन की सीटों के आरक्षण का निर्देश देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कल तेलंगाना बार एसोसिएशन में सचिव पद पर एक महिला की नियुक्ति हुई। वह मुझे धन्यवाद दे रही थीं। मैंने बार की कुल संख्या के बारे में पूछा यह 19,000 है। लगभग 8,000 सदस्य नियमित रूप से आते हैं, जिनमें से 2,000 महिलाएं हैं। अब केवल एक महिला सदस्य नियुक्त हुई है। वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष विकास सिंह याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए। उन्होंने महिला वकीलों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों पर एससीबीए के हालिया सर्वेक्षण का हवाला दिया और न्यायालय से सरकारी विधि अधिकारी पदों में महिलाओं की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का आग्रह किया।

क्या टेट्रा पैक में शराब बिक्री होगी बंद?

> सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा मामला > केंद्र समेत कई पक्षों को नोटिस

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भारत में शराब की बिक्री और पैकेजिंग को लेकर एक अहम जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार समेत कई पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका में मांग की गई है कि टेट्रा पैक, सैशे और छोटे पाउच जैसी पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए सहमति भी दे दी है।

शराब की पैकेजिंग को लेकर क्या सावल उठाए गए?

यह याचिका संगठन कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग की ओर से दायर की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील विपिन नायर ने शराब की पैकेजिंग को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा एक्साइज नियमों में बोतल की परिभाषा स्पष्ट नहीं है, जिसके कारण कंपनियां ऐसे पैकेजिंग डिजाइन का इस्तेमाल कर रही हैं जिससे उपभोक्ताओं में भ्रम पैदा हो रहा है।

जूस और शराब में भ्रम पैदा करने का आरोप

नायर ने अदालत से कहा कि वे फलों के जूस और शराब में भ्रम पैदा कर रहे हैं। बोतलों और पैकिंग पर सेब जैसे फलों की तस्वीरें लगाई जाती हैं, जबकि अंदर वोदका जैसी शराब होती है। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की पैकेजिंग खासकर युवाओं और बच्चों को भ्रमित कर सकती है और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना राज्य का संवैधानिक कर्तव्य है।

याचिका में क्या मांग की गई?

याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक समान नीति तैयार करे। इसमें टेट्रा पैक, सैशे और जूस जैसे दिखने वाले पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि राज्यों के एक्साइज कानूनों, नियमों और नीतियों में संशोधन कर बॉटलिंग की एक समान परिभाषा तय की जाए।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के आईजीआईएमएस के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी।

कांग्रेस ने सरकार की चीन नीति पर साधा निशाना

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को बताया विनाशकारी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को चीन के प्रति मोदी सरकार के रवैये पर तीखा हमला किया। पार्टी ने सरकार पर '4C' नीति का पालन करने का आरोप लगाया। जयराम रमेश के अनुसार, इसका अर्थ है चीन के सामने लगातार और योजनाबद्ध तरीके से समर्पण करना। उन्होंने ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर भी सरकार की आलोचना की। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि सरकार एक दुष्प्रचार अभियान चला रही है। जो लोग ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें चीन का समर्थक बताया जा रहा है। रमेश ने इसे सरकार का पाखंड करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 19 जून 2020 को चीन को क्लीन चिट दी थी। यह लद्दाख में शहीद हुए हमारे 20 जवानों का अपमान था। कांग्रेस नेता ने कहा कि चीन के साथ बातचीत में भारत ने लद्दाख के कई इलाकों में गश्त करने और पशु चराने के पारंपरिक अधिकार खो दिए हैं। प्रधानमंत्री की निगरानी में ही 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड 115 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे भारतीय उद्योगों और छोटे व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। रमेश ने आरोप लगाया कि मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान की कार्रवाई में चीन की मुख्य भूमिका थी। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस साजिश का खुलासा किया था, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया।

तार से गला घोंटकर एक युवक की बेरहमी से हत्या

गुंटूर, 20 मई (एजेंसियां)। ज़िला एक युवक की बेरहमी से की गई हत्या से गहरे सदमे में है। यह दुखद घटना तेनाली ग्रामीण क्षेत्र के कंचरपालेम स्थित शिवारू गाँव में हुई। स्थानीय लोगों ने गाँव के वॉलीबॉल कोर्ट में एक युवक को बेजान हालत में पड़ा देखा। घबराकर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही, तेनाली ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुँची और जाँच-पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान कोपल्ले कार्तिक (18) के रूप में हुई है। घटनास्थल के हालात को देखते हुए, पुलिस का अनुमान है कि हमलावरों ने वॉलीबॉल नेट के तार का इस्तेमाल करके कार्तिक का गला घोंटकर उसकी हत्या की है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और 'क्लूज़ टीम' (सुराग टीम) की मदद से सबूत जुटा रही है। जाँच इस बात का पता लगाने के लिए की जा रही है कि क्या इस हत्या के पीछे कोई पुरानी रंजिश थी, या फिर हत्या का कोई और कारण था।

तंगुतूरी प्रकासम पंतुलु की जयंती अवसर पर

सीएम चंद्रबाबू और लोकेश ने श्रद्धांजलि दी

अमरावती, 20 मई (एजेंसियां)। लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र अमरावती प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री, तंगुतूरी प्रकासम पंतुलु की जयंती के अवसर पर, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और मंत्री लोकेश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चंद्रबाबू और लोकेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि तंगुतूरी एक ऐसे महान व्यक्ति थे जिन्होंने अपना जीवन लोगों के लिए समर्पित कर दिया। वे साहस, जनसेवा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। सीएम ने पोस्ट में कहा, 'तेलुगु लोगों के लिए वे एक चमकते हुए पंख थे, जो उनके साहस और स्वाभिमान का प्रतीक हैं।

उन्होंने अपनी देशभक्ति, ईमानदारी और समर्पण के साथ लोगों के लिए एक महान जीवन जिया। प्रकासम पंतुलु की जयंती के अवसर पर, आइए हम उस महान नेता की सेवाओं को याद करें।'तंगुतूरी की सेवाओं को भुलाया नहीं जा सकताः लोकेश'प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र राज्य के पहले मुख्यमंत्री, तंगुतूरी प्रकासम पंतुलu की पुण्यतिथि के अवसर पर, मैं उनकी महान स्मृति को नमन करता हूँ और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

प्रकासम पंतुलु एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। वे साहस, जनसेवा और देशभक्ति के प्रतीक बनकर उभरे।

स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राज्य की स्थापना तक, उनकी सेवाएं अमर हैं। लोकेश ने कहा, 'उनके आदर्शों को साकार करने के लिए, हम अपने राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पीएम की टिप्पणियों पर सुनारों ने बंद रखा काम

कडप्पा, 20 मई (एजेंसियां)। सुनारों ने राज्यव्यापी बंद रखा। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस कथित अपील का विरोध कर रहे थे, जिसमें उन्होंने जनता से एक साल तक सोना न खरीदने को कहा था। राज्य सुनार संघ के अध्यक्ष वेणुमाधव की अपील पर, सुनारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं और पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किए। कई जिलों में, व्यापारियों ने काले बैज पहने और प्रदर्शन आयोजित करके अपने समुदाय को हो रही मुश्किलों को उजागर किया। प्रोड्डाटूर में, प्रोड्डाटूर तालुक सुनार संघ के सदस्यों ने संघ के अध्यक्ष उप्पलुरु इलियाज़ बाशा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं और संघ के कार्यालय से एक रैली निकाली। इसके बाद उन्होंने प्रोड्डाटूर के तहसीलदार उदय भास्कर राजू और टीडीपी के राज्य महासचिव वीएस मुख्तियार को एक ज्ञापन सौंपा। सुनारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय विधायक से मिलने की कोशिश की, लेकिन उनके उपलब्ध न होने की जानकारी मिलने पर वे वापस लौट आए। संघ के नेताओं ने कहा कि वे बुधवार को विधायक से मिलेंगे।

नेता उप्पलुरु इलियाज़ ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है, जिसमें उन्होंने लोगों को एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी थी; इससे सोने की बिक्री में भी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण सुनार पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इलियाज़ ने दावा किया कि कई कारीगरों ने अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए दूसरे व्यवसायों को अपना लिया है।

कारीगरों को साल के 365 दिन रोज़गार देने का लक्ष्यः मंत्री सविता

अमरावती, 20 मई (एजेंसियां)। मंत्री ने आज (बुधवार) लेपाक्षी और हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री की समीक्षा की। मंत्री ने लेपाक्षी को एक नया रूप देने का सुझाव दिया। नवीनीकरण का काम पहले ही पूरा हो चुका है; दिल्ली और काकीनाडा में जल्द ही लेपाक्षी शोरूम शुरू किए जाएंगे। यह घोषणा की गई कि राजामहेंद्रवरम हवाई अड्डे पर जल्द ही एक नया लेपाक्षी शोरूम स्थापित किया जाएगा। मंत्री ने हस्तशिल्प की बिक्री बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करने का सुझाव दिया।

उन्होंने उपभोक्ताओं के घरों तक सीधे 'डोर डिलीवरी' की सुविधा उपलब्ध कराने की इच्छा व्यक्त की। सरकार ने यह स्पष्ट किया कि उसका लक्ष्य कारीगरों को साल के 365 दिन रोज़गार उपलब्ध कराना है। इस बैठक में लेपाक्षी के अधिकारी, विश्व और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

सरस्वती अंत्य पुष्कर के लिए व्यवस्थाएं पूरीः कोंडा सुरेखा

वारंगल, 20 मई (एजेंसियां)। सरस्वती अंत्य पुष्कर से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, तेलंगाना के देवदाया विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि इन पुष्करों के लिए आने वाले भक्तों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बुधवार को वारंगल के भद्रकाली अम्मावारी मंदिर में कांची पीठाधिपति विजयेन्द्रस्वामी की उपस्थिति में, कोंडा सुरेखा ने विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया। इसके बाद, मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंदिर के बाहर ग्रामीणों से बातचीत की।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस आयोजन के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक का बजट आवंटित किया है। स्वामीजी ने कहा कि इन पुष्करों की शुरुआत प्रतिदिन स्नान के साथ होगी। ये पुष्कर उत्सव इन दस दिनों तक चलेगा, जिसमें 10 पीठाधिपति (धर्माचार्य) आएंगे और अपना मार्गदर्शन देंगे। कालेश्वर में आयोजित इस सरस्वती पुष्कर के दौरान, प्रतिदिन शाम को गोदावरी नदी की भव्य आरती की जाएगी।इसके अलावा, पुष्कर के अवसर पर बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जैसा कि कोंडा सुरेखा ने बताया। पुष्कर के इस पावन अवसर पर, सरकार भक्तों को उच्च स्तरीय सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह तत्पर है।

उन्होंने कहा कि हम संयुक्त आदिलाबाद जिले के बासर से लेकर संयुक्त खम्मम जिले के भद्राचलम तक स्थित मंदिरों का विकास करेंगे।गुरुवार से, जयशंकर भूपालपल्ली जिले के महादेवपुर मंडल स्थित त्रिवेणी संगम (कालेश्वर) में सरस्वती नदी के तट पर अंतिम पुष्कर उत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। ये धार्मिक अनुष्ठान कुल 12 दिनों तक चलेंगे, जिनकी अवधि 21 मई से 1 जून तक निर्धारित है।

बायरेड्डी सिद्धार्थ रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज

कुरनूल, 20 मई (एजेंसियां)। वाईएसपी नेता बायरेड्डी सिद्धार्थ रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कुरनूल 3रेड टाउन के सीआई शेषैया ने इस बात की जानकारी दी। सिद्धार्थ रेड्डी के खिलाफ यह मामला उद्योग विभाग के मंत्री टीजी भरत गुप्ता की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आखिर हुआ क्या था। 14 मई को वाईसपी ने कुरनूल कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन आयोजित किया था।

इस मौके पर कुरनूल के विधायक, मंत्री टीजी भरत गुप्ता और बायरेड्डी सिद्धार्थ रेड्डी के बीच तीखी बहस हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। इसी पृष्ठभूमि में, मंत्री टीजी भरत गुप्ता ने सिद्धार्थ रेड्डी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मंत्री भरत गुप्ता ने अपनी शिकायत में स्पष्ट रूप से बताया कि बायरेड्डी सिद्धार्थ रेड्डी ने उनका नाम और प्रतिष्ठा खराब करने तथा लोगों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से ये टिप्पणियां की थीं।

परिवार के बड़ों ने प्रेमी जोड़े पर जुर्माना लगायाः पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की

अमरावती, 20 मई (एजेंसियां)। एक प्रेमी जोड़े ने शादी कर ली, जिसके बाद परिवार के बड़े उन्हें अपने साथ ले गए। इसके अलावा।।। गांव के कबीले के बड़ों ने गांव वालों पर भी कड़ी सज़ा थोप दी। जोड़े ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इस पृष्ठभूमि में, ज़िला कलेक्टर और एसपी ने जोड़े की न्याय दिलाने की अपील पर संज्ञान लिया और कार्रवाई शुरू कर दी है। यह भयानक घटना ज़िले के रेड्डीगुडेम मंडल के श्रीरामपुर गांव में हुई।

इस गांव की नाग लक्ष्मी और तेज नाम के एक व्यक्ति ने प्रेम विवाह कर लिया। उनके अलग-अलग कबीले (गोत्र) होने के कारण, गांव के कबीले के बड़े नाराज़ हो गए। इसके बाद, नाग लक्ष्मी के परिवार के साथ-साथ इस जोड़े ने भी शादी कर ली।

गर्भवती पत्नी ने कि आत्महत्या

विशाखापत्तनम, 20 मई (एजेंसियां)। विशाखा सिम्हाचलम में एक दुखद घटना घटी। बंटुपल्ली इंदुमती (40), जो गर्भवती थीं, पारिवारिक कलह के कारण आत्महत्या करने के गंभीर विचार मन में पाल रही थीं। कल रात पति बंटुपल्ली महेश से झगड़ा होने के बाद इंदुमती कमरे में चली गईं।

ऐसा प्रतीत होता है कि इसी वजह से उनकी मृत्यु हुई। पति जब कमरे में गए, तो उन्होंने देखा कि पत्नी की हालत ठीक नहीं है। इसके चलते उन्हें तुरंत डिम्पी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, इंदुमती की तब तक मृत्यु हो चुकी थी। डॉक्टरों ने इसकी पुष्टि की। अस्पताल के डॉक्टरों ने इस घटना के बारे में गोपालपट्टनम पुलिस को सूचना दी। परिवार वालों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुसाइड करने का मैसेज छोड़कर व्यक्ति लापता

अमरावती, 20 मई (एजेंसियां)। एनटीआर चंद्रशेखर नाम के एक व्यक्ति ने अपने सेल फ़ोन से अमरावती सुसाइड करने के इरादे से एक मैसेज भेजा और फिर अपना फ़ोन बंद कर दिया। इस घटना ने, जिस पर पहले किसी का ध्यान नहीं गया था, अब सनसनी मचा दी है। शेर मोहम्मद पेट गाँव के रहने वाले चंद्रशेखर ने उस मैसेज के ज़रिए पुलिस को अलर्ट किया। चंद्रशेखर विजयवाड़ा ग्रामीण मंडल में एपीएम (असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर) के तौर पर काम करते हैं।

वे गोलपुड़ी क्लस्टर में एमसीएस का काम देख रहे थे। एसबीआई की गोलपुड़ी ब्रांच के साथ-साथ दूसरे बैंकों में भी उन्होंने फ़र्ज़ी ग्रुप बनाए, लोन दिए और हर जगह से पैसे इकट्ठा किए।

चंद्रशेखर ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर को एक चिट्ठी लिखी थी।भले ही उन्हें अपना काम पसंद नहीं था, फिर भी उन्हें सस्पेंड कर दिया गया और आठ महीने तक कोई नई पोस्टिंग नहीं दी गई। उन्होंने इस पर अपनी चिंता ज़ाहिर की। इस समस्या को सुलझाने के लिए कई अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से मुलाक़ात की गई, लेकिन किसी ने भी उन्हें इंसाफ़ नहीं दिलाया। चंद्रशेखर ने यह आरोप लगाया।

सीएम दंपति ने 'ताटी मुंजालु' ताड़ के फल का आनंद लिया

चित्तूर, 20 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू चंद्रबाबू नायडू) और उनकी पत्नी भुवनेश्वरी ने ग्रामीण जीवनशैली और आम लोगों के साथ घुलने-मिलने का एक दुर्लभ पल साझा किया, ताकि यह साबित किया जा सके कि वे लोगों के कितने करीब हैं। आज (बुधवार) सीएम दंपति कुप्पम के लिए रवाना हुए। इसी क्रम में, सीएम दंपति का वाहन सड़क किनारे 'ताटी मुंजालु' बेच रहे एक गरीब मज़दूर के पास रुका। सीएम खुद वाहन से नीचे उतरे और न केवल उस मज़दूर से फल खरीदे, बल्कि उससे उसके बारे में बातचीत भी की। उन्होंने बड़े स्नेह से मुस्कुराते हुए उससे बात की।

सीएम ने इस घटना को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। सीएम चंद्रबाबू ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'इसमें कोई मिलावट नहीं है... कोई कार्बाइड नहीं... कोई कीटनाशक नहीं... हमारे तालाब उतने ही साफ हैं, जितने कि लोगों के मन। सड़क किनारे आग पर सेंकी हुई ठंडी 'ताटी मुंजालु' खाना बहुत ही आनंददायक होता है।' जिस व्यक्ति ने 'ताटी मुंजालू' खरीदा, उसने सीएम से उनके पारिवारिक हालात, व्यवसाय और कुशल-क्षेम के बारे में पूछा। सीएम ने भी उनके बारे में जानकारी ली। जब राज्य के मुख्यमंत्री खुद चलकर उनके पास आए और उनसे इतनी सादगी से बात की, तो वह कार्यकर्ता बहुत खुश हुआ। वह भाव-विभोर हो गया।

इस अवसर पर, चंद्रबाबू ने ग्रामीण लोगों की कठिनाइयों, उनकी जीवन-शैली और प्राकृतिक भोजन के प्रति उनकी पसंद के बारे में कुछ दिलचस्प टिप्पणियाँ कीं। सीएम और उनकी पत्नी द्वारा दिखाए गए साहस की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की। इससे जुड़ी तस्वीरें और वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के सामने कपास

झींगा और तंबाकू से जुड़े मुद्दे उठाएः राम मोहन नायडू

अमरावती, 20 मई (एजेंसियां)। नरसारावपेट के सांसद और लोकसभा में टीडीपी के फ्लोर लीडर लावू श्री कृष्ण देवरायालू ने नागरिक उड्डयन मंत्री के। राम मोहन नायडू के साथ मिलकर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश के कृषि, निर्यात और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान, टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी इस प्रतिनिधिमंडल के साथ मौजूद थे। उन्होंने कपड़ा और कताई उद्योग को इस समय जिन गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें रेखांकित किया। ये चुनौतियां कपास की बढ़ती कीमतों और घरेलू बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाले कपास की कमी के कारण पैदा हुई हैं।

चर्चा किए गए मुख्य मुद्दों में कपास पर मौजूदा 11% आयात शुल्क को अस्थायी रूप से हटाना, घरेलू उपलब्धता और कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 31 अक्टूबर, 2026 तक कपास के निर्यात पर अस्थायी रोक लगाना, और कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) के स्टॉक की आपूर्ति व्यापारियों के बजाय निर्माताओं को प्राथमिकता के आधार पर करना शामिल था। बैठक में आंध्र प्रदेश के झींगा (श्रिम्प) क्षेत्र के सामने आ रही नई चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। ये चुनौतियां संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए टैरिफ उपायों के कारण पैदा हुई हैं। निर्यातकों, जलीय किसानों (एक्वा फार्मर्स), हैचरी, प्रसंस्करण इकाइयों और तटीय आंध्र प्रदेश में जलीय कृषि पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंताएं व्यक्त की गईं।

भारत के समुद्री खाद्य निर्यात को सुरक्षित रखने के लिए सहायता उपायों और बाजार तक बेहतर पहुंच की आवश्यकता पर चर्चा की गई। इसके अलावा, सिगरेट पर संशोधित कराधान संरचना और आंध्र प्रदेश में एफसीवी तंबाकू किसानों पर इसके प्रभाव से जुड़े मुद्दों को भी केंद्रीय मंत्री के संज्ञान में लाया गया।

चर्चा में किसानों की आय की रक्षा करने, खरीद कार्यों को स्थिर करने और तंबाकू अर्थव्यवस्था पर निर्भर लोगों की आजीविका को सुरक्षित रखने के लिए एक संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कृष्ण देवरायालू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के कपड़ा, समुद्री खाद्य और तंबाकू क्षेत्रों में एपी की एक प्रमुख भूमिका है, और निर्यात, एमएसएमई तथा किसानों की सुरक्षा के लिए समय पर नीतिगत सहायता मिलना अत्यंत आवश्यक है।

कुवैत में महिला के साथ बलात्कार

चंद्रगिरी, 20 मई (एजेंसियां)। तिरुपति ज़िले के बतुखुदेरुवु की रहने वाली भाग्यावती नाम की एक आदिवासी महिला को कुवैत में पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू और उपमुख्यमंत्री पवन ने मंत्री लोकेश को बधाई दी, जो कार्यस्थल पर उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। अपनी आपबीती सुनाते हुए, भाग्यावती ने सोशल मीडिया पर एक सेल्फ़ी वीडियो साझा किया, जिसे बनाते समय वह रो पड़ीं। उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार।

तिरुपति ज़िले की थोंडावाड़ा पंचायत के गोपालपुर स्थित एसटी कॉलोनी की निवासी भाग्यावती की किस्मत अच्छी थी कि एक अन्य महिला ने उन्हें पीलेरुकु के रहने वाले चिन्नब्बा नामक एक एजेंट से मिलवाया। छह महीने के भीतर, उस एजेंट ने भाग्यावती को कुवैत के एक घर में काम दिलवा दिया। लोगों की बातों पर भरोसा करके भाग्यावती कुवैत चली गईं। वहाँ, घरेलू काम के अलावा, उनसे अन्य कठिन काम भी करवाए जा रहे हैं। अपने वीडियो में पीड़िता ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मैं अपने देश वापस आना चाहती हूँ। यह कहते हुए उनकी आँखों में आँसू आ गए।

कलेक्टर के जाली हस्ताक्षर और 5 लाख की डील

चित्तूर, 20 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले से जालसाजी का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन के होश उड़ा दिए हैं। यहां एक शातिर गिरोह ने किसी छोटे-मोटे दस्तावेज पर नहीं, बल्कि सीधे जिला कलेक्टर के ही जाली हस्ताक्षर कर डाले। मामला धारा 22ए के तहत प्रतिबंधित सूची में शामिल एक कीमती जमीन को अवैध रूप से बेचने और उसका पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कराने से जुड़ा है। गंगावरम क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित सर्वे नंबर 244/1 की 1.11 सेंट जमीन मंजूनाथ रेड्डी नाम के व्यक्ति की थी। यह जमीन सरकारी नियमों के अनुसार धारा 22ए (प्रतिबंधित भूमि) के तहत लॉक थी, जिसके कारण मालिक इसे बेच नहीं पा रहा था। दलालों और जालसाजों के एक गिरोह ने मंजूनाथ की इस मजबूरी का फायदा उठाया। उन्होंने प्रतिबंधित सूची से जमीन का नाम हटवाने और उसका रजिस्ट्रेशन कराने के एवज में 5 लाख रुपये का सौदा तय किया। इस बड़ी धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए गिरोह ने राजस्व विभाग (रेवेन्यू) के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर बैठक की। उन्होंने एक पुरानी आधिकारिक कार्यवाही (प्रोसीडिंग) कॉपी को उठाया और उसमें हेरफेर करके सर्वे नंबर और तारीखें बदल दीं।

भक्तों के लिए तिरुमाला श्री को चढ़ाए गए वस्त्रों की आनलाइन लेने का सुनहरा मौका

तिरुपति, 20 मई (एजेंसियां)। तिरुमाला श्रीवारी को भक्तों द्वारा चढ़ाए गए कुछ 'कनुकालु' (भेंट) बिक्री के लिए पेश कर रहा है। यह प्रक्रिया प्रतिदिन चल रही है। तिरुमाला श्रीवारी मंदिर के साथ-साथ टीटीडी से जुड़े अन्य मंदिरों में भी भक्त शुभ भेंट के रूप में वस्त्र चढ़ाते हैं। इन वस्त्रों की बिक्री 2 जून तक ई-सेल (ऑनलाइन बिक्री) के माध्यम से की जाएगी। इस नीलामी में कुल 505 लॉट उपलब्ध हैं, जिनमें नए, इस्तेमाल किए हुए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त वस्त्र शामिल हैं। इनमें पॉलिएस्टर, नायलॉन, सूती साड़ियाँ, कपड़े के टुकड़े, ब्लाउज पीस, उत्तरीय (अंगवस्त्र), तुर्की तौलिए, लुंगी, शॉल, बेडशीट, तकिए के कवर, पंजाबी ड्रेस मटीरियल, जंकालू (दरी/कालीन), कंबल, पर्दे, सिर पर पहनने वाले वस्त्र और अन्य परिधान शामिल हैं।

तिरुमाला श्रीवारी मंदिर और टीटीडी से जुड़े अन्य मंदिरों में इस्तेमाल किए गए खाली बोरे (गनियां) भी हर साल 26 मई को ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जाएंगे। जो लोग इस नीलामी में भाग लेने के इच्छुक हैं, उन्हें 25 मई को दोपहर 12 बजे से पहले ऑनलाइन माध्यम से 75,000 रुपये की ईएमडी (बयाना राशि) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए आप कार्यालय समय के दौरान तिरुपति स्थित टीटीडी मार्केटिंग कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। श्री वेद नारायण स्वामी की 'गरुड़ सेवा' 30 मई को नागलापुरम मंदिर में बड़े ही भव्य तरीके से आयोजित की जाएगी।

यह सेवा, कांची स्थित श्री वरदराज स्वामी मंदिर में आयोजित होने वाली महान 'गरुड़ सेवा' की तर्ज पर आयोजित की जा रही है। यह नागलपुरम स्थित श्री वेद नारायण स्वामी मंदिर में इस 'गरुड़ सेवा' का आयोजन करने का एक निमंत्रण है। इसी क्रम में, इस अवसर पर सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक, अत्यंत पूजनीय श्री वेद नारायण स्वामी को 'अश्व वाहन' (घोड़े की सवारी) पर विराजमान करके, भक्तों को मंदिर की चारों 'मधु वीथियों' में एक दिव्य दर्शन यात्रा कराई जाएगी। स्वामीजी की इस दिव्य और शुभ शोभायात्रा के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित हुए। मंदिर प्रशासन ने इस अवसर पर आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना की। तिरुपति के श्रीवारी को एक बार फिर भक्तों का अपार आशीर्वाद प्राप्त हुआ। बेंगलुरु निवासी स्वाति एसवी। और सीए। श्रीनिवास शास्त्री ने सोमवार को टीटीडी के 'श्री वेंकटेश्वर वेद संरक्षण ट्रस्ट' को उदारतापूर्वक 50,00,101 रुपये की राशि दान की।

गर्मी 47 डिग्री सेल्सियस, लोगों के लिए चेतावनी

श्रीकाकुलम, 20 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश जनता को चेतावनी। सूरज की तीव्रता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इवाळ श्रीकाकुलम, विजयनगरम, पर्वतीपुरम मन्यन, अल्लूरी सीताराजू, पोलवारन, विशाखापट्नन, अनाकापल्ली, काकीनाडा, डॉ। बीआर अंबेडकर कोनासी, विष्टिगोदावरी, पश्चिमगोदावरी, लूरू, कृष्णा, एनटीआर, गुंटूर, बापट्ल, पालनाडु, मार्कापुर, प्रकाशा जिलों में 45 डिग्री से 47 डिग्री। एपी आपदा प्रबंधन संगठन के निदेशक प्रखर जैन ने कहा कि तापमान डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। नेल्लोर, चित्तूर, तिरूपति, कुरनूल, नंद्याल जिलों के कुछ इलाकों में तापमान 43 डिग्री। तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। अनंतपुर, श्री सत्यसाई, कडप्पा, अन्नामय्या जिलों के कुछ क्षेत्रों में 41 डिग्री से 43 डिग्री तक तापमान।

तापमान कई डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 71 संभागों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। अनकापल्ली जिला 20, श्रीकाकुलु जिला 18, काकीनाडा जिला 9, डॉ। बीआर अंबेडकर कोनासी जिला 7, विजयनगर जिला 6, पोलावरम जिला 4, विशाखापत्तनम जिला 4 मंडल हैं। साथ ही प्रदेश भर के 277 मंडलों में लू चलने की भी आशंका है।

अधिकारियों का अनुमान है कि धूप के साथ ही राज्य में लू की तीव्रता और बढ़ेगी। डालना। अगले रविवार तक जारी रहेगा। लोगों को अधिक सतर्क रहना चाहिए। लोगों को सुबह 10 बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए जब तक कि कोई आपातकालीन स्थिति न हो। रावद्धानी ने सुझाव दिया। इंडेल संगीत और भी भेटर। रियलसीम, दक्षिणी तट पर सतह के उलटाव तक गर्त फैला हुआ है। इसके प्रभाव से राजस्थान में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना है।

डालना। मोंटनाटी तक बारिश से लोगों को थोड़ी राहत तो मिली लेकिन सूरज की तपिश फिर से शुरू हो गई। नहीं तो, लोग हॉट डॉग्स को लेकर आपस में लड़ने लगेंगे। अधिकारी लोगों को ज़रूरी सावधानियाँ बरतने की सलाह दे रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र — वैर-विरोध, द्वेष-प्रतिशोध की आग, क्षमा-जल से ही होती है शान्त।

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क की किशन रेड्डी से मुलाकात

सिंगरेणी के विस्तार और गैसीफिकेशन पर चर्चा

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री, वित्त, योजना एवं ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की। इस दौरान सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के भविष्य की योजनाओं, कोयला गैसीफिकेशन, नए कोयला

ब्लॉकों के आवंटन और खनन लीज से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयले का उपयोग केवल पारंपरिक बिजली उत्पादन तक सीमित न रखकर इसे मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक उपयोगों की दिशा में बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देशभर में कोयला गैसीफिकेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है और इसी दिशा में सिंगरेनी भी सक्रिय रूप से कदम बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया की तर्ज पर सिंगरेनी भी अपने संसाधनों के आधुनिक उपयोग की संभावनाओं पर काम कर रही है। कोयला गैसीफिकेशन से ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक उपयोग और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से तकनीकी मार्गदर्शन और नीतिगत सहयोग की मांग की गई। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिंगरेनी दक्षिण भारत में बिजली और कोयला आपूर्ति की एक महत्वपूर्ण इकाई है, इसलिए भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नए कोयला संसाधनों का आवंटन आवश्यक है।

उन्होंने गोदावरी वैली कोलफील्ड्स के कोयागुडेम ब्लॉक-III को सिंगरेनी को देने की मांग रखी, जो राज्य की बिजली जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके साथ ही ताडिचेरला कोल ब्लॉक-II के खनन लीज को शीघ्र मंजूरी देने का मुद्दा भी उठाया गया। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस ब्लॉक में पहले ही प्रारंभिक खनन और अन्वेषण कार्य पूरे हो चुके हैं, इसलिए लीज प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने एमएमडीआर एक्ट 1957 की धारा-5 के तहत पूर्व अनुमति देकर प्रक्रिया तेज करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना तेलंगाना की ऊर्जा सुरक्षा और सिंगरेनी के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने इन सभी मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित केंद्रीय एवं राज्य अधिकारियों तथा सिंगरेनी प्रतिनिधियों के साथ जल्द ही संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में राज्य के वरिष्ठ अधिकारी और सिंगरेनी कोलियरीज के शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित रहे।

वर्दीधारी सेवाओं की भर्ती में आयु सीमा बढ़ाई गई

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वर्दीधारी सेवाओं में भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। यह छूट एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगी। सरकार के इस फैसले का लाभ पुलिस, अग्निशमन, कारागार, विशेष सुरक्षा बल, उत्पाद शुल्क, परिवहन और वन विभागों में होने वाली भर्तियों में मिलेगा। संशोधन के बाद पुलिस सहायक अधिकारी जैसे पदों के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष से बढ़ाकर 30 वर्ष कर दी गई है।

आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को इसके अलावा पांच वर्ष की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। हालांकि सरकार ने पहले की तुलना में आयु सीमा में छूट की अवधि को दो वर्ष से घटाकर एक वर्ष कर दिया है।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने सीएम से की मुलाकात

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 2025 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने बुधवार को एमसीआरएचआरडी संस्थान के बोधि पवेलियन में ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर एमसीआरएचआरडी की उपाध्यक्ष शांति कुमारी तथा कोर्स डायरेक्टर कंदकुरी उषा रानी भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों में एट्ठाबोयिना साई शिवानी, सचिन बसवराज गुट्टूर, पोथाराजू हरि प्रसाद, पारस कुमार, पी. सुरेश और नेलाटूरू श्रीकांत रेड्डी शामिल थे।

टीपीसीसी सचिव, प्रोटोकॉल एवं कोऑर्डिनेशन कमेटी सूरज तिवारी ने खैरताबाद के पूर्व डीसीसी अध्यक्ष सी. रोहिन रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान आगामी जीएचएमसी चुनावों के लेकर चर्चा की।

किसानों के विरोध प्रदर्शन से पहले भाजपा ने की गिरफ्तारियों की निंदा

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी ने किसानों के समर्थन में और अनाज की खरीद की मांग को लेकर प्रस्तावित राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन से पहले अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की निवारक गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की है। भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता एन वी सुभाष ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने राज्य महामंत्री डॉ. जी गौतम राव सहित कई नेताओं को विभिन्न जिलों में उस समय हिरासत में ले लिया, जब पार्टी की ओर से जिला कलेक्टरों और उप तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने का प्रयास कर रही है और जनता की बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने मांग की कि निवारक हिरासत के नाम पर की जा रही गिरफ्तारियों को तुरंत रोका जाए। इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचदर राव के निवास पर भारी पुलिस बल की तैनाती की सूचना मिली है, जबकि वे वर्तमान में दिल्ली में मौजूद हैं।

सूरजमुखी किसानों को संकट से बचाने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

मेदक सांसद ने खरीद बढाने की अपील की

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सूरजमुखी किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर उपज बेचने से बचाने के लिए मेदक के सांसद एम. रघुनंदन राव ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर यासंगी (रबी) 2025-26 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत सूरजमुखी की खरीद बढ़ाने की अपील की। उन्होंने अपने ज्ञापन में बताया कि तेलंगाना में सूरजमुखी की खेती का क्षेत्रफल 21,091 एकड़ से बढ़कर 27,675 एकड़ हो गया है, जिससे उत्पादन अनुमान 13,935 मीट्रिक टन से बढ़कर 19,373 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। रघुनंदन राव ने कहा कि राज्य सरकार ने 10,499 मीट्रिक टन की खरीद का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन केंद्र ने केवल 3,690 मीट्रिक टन की ही मंजूरी दी, जो किसानों की वास्तविक जरूरत के मुकाबले काफी कम है। उन्होंने बताया कि बाजार में सूरजमुखी की कीमत लगभग 5,376 रुपये प्रति क्विंटल चल रही है, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,721 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि मेदक, गजवेल और सिद्दीपेट क्षेत्रों के किसानों ने बेहतर कीमत की उम्मीद में सूरजमुखी की खेती की थी, लेकिन अब उन्हें बाजार में कम दाम मिलने से संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि खरीद लक्ष्य को 3,690 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10,839 मीट्रिक टन किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और उन्हें मजबूरी में फसल बेचने से रोका जा सके।

रासायनिक कारखाने में भीषण आग, इलाके में फैली दहशत

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर मेडचल स्थित ऑर्ग केम रासायनिक कारखाने में बुधवार तड़के अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही फैक्ट्री से ऊंची-ऊंची लपटें और घना धुआं निकलने लगा, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धुएं के कारण स्थानीय लोग दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे से अधिक समय तक कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं।

भीषण गर्मी का कहर, आदिलाबाद सबसे गर्म जिला

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को राज्य के कई जिलों में तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार आदिलाबाद राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक है। आईएमडी के मुताबिक निजामाबाद में 44 डिग्री सेल्सियस और रामागुंडम में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा नलगोंडा और खम्मम में 42 डिग्री, मेडक में 41.8 डिग्री, हनमकोंडा में 41.5 डिग्री तथा महबूबनगर में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राजधानी हैदराबाद में भी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। हकीमपेट में 41.5 डिग्री, हयातनगर में 41 डिग्री, बेगमपेट में 40.7 डिग्री और राजेंद्रनगर में 40.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

कम सोडियम वाला नमक बन सकता है हृदय रोगों से बचाव का बेहतर विकल्प

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीयों में जरूरत से अधिक नमक का सेवन एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है, जिससे उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए शोधकर्ता और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब सामान्य नमक के सुरक्षित विकल्पों की तलाश में जुटे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के अनुसार प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सुरक्षित माना जाता है, लेकिन अधिकांश लोग इससे कहीं अधिक नमक का उपयोग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक सोडियम शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है।

शोधकर्ताओं ने पोटेशियम युक्त कम सोडियम नमक विकल्प को बेहतर विकल्प बताया है। हाल ही में सिद्दिपेट जिले में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि कम सोडियम और अधिक पोटेशियम वाले नमक के उपयोग से उच्च रक्तचाप के मरीजों के रक्तचाप में उल्लेखनीय कमी आई। अध्ययन में शामिल लोगों ने स्वाद में भी कोई बड़ा अंतर महसूस नहीं किया। विशेषज्ञों का मानना है कि कम सोडियम वाले नमक के उपयोग से हृदय रोग, स्ट्रोक और दिल के दौरे के खतरे को कम किया जा सकता है। अब जागरूकता फैलाने और इसे आम लोगों तक पहुंचाने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

23 मई को होगी तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक, कई अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक 23 मई को हैदराबाद स्थित राज्य सचिवालय में आयोजित की जाएगी। बैठक में आवास, सड़क अवसंरचना, सिंचाई परियोजनाएं, कल्याणकारी योजनाएं और मितव्ययिता उपायों समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

यह बैठक पहले 21 मई को प्रस्तावित थी, लेकिन सरस्वती अंत्य पुष्करम के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बैठक यादगिरिगुट्टा के बजाय राज्य सचिवालय में ही आयोजित होगी।

बैठक में इंदिराम्मा इल्लु आवास योजना के दूसरे चरण की शुरुआत, लाभार्थियों के चयन और पात्रता मानदंडों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सड़क परियोजनाओं, भूमि पंजीकरण मूल्यों में संशोधन और पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना जैसे लंबित कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार नई नौकरियों की भर्ती, सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए स्वास्थ्य कार्ड, पत्रकारों को आवासीय भूखंड आवंटन, निजी स्कूल फीस नियमन विधेयक तथा हैदराबाद मेट्रो विस्तार जैसे विषय भी एजेंडा में शामिल हो सकते हैं।

इसके अलावा, केंद्र सरकार की व्यय नियंत्रण संबंधी अपील के बाद राज्य सरकार विभिन्न विभागों में मितव्ययिता उपायों पर भी विचार कर सकती है। इनमें सरकारी खर्च में कटौती, सीमित विदेश यात्राएं, ऑनलाइन समीक्षा बैठकें और कुछ विभागों में हाइब्रिड कार्य प्रणाली लागू करने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

अत्तापुर में युवती को कार में ले जाने से मची सनसनी

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के अत्तापुर इलाके में बुधवार को उस समय दहशत फैल गई जब चार अज्ञात युवक कथित तौर पर एक युवती को जबरन कार में बैठाकर ले गए। घटना सार्वजनिक स्थान पर होने के कारण आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवकों ने युवती को जबरदस्ती कार में बैठाया और वहां से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी सी.एच. श्रीनिवास मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती आरोपित युवकों को जानती हुई प्रतीत हो रही थी। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि मामला अपहरण का है या फिर किसी अन्य कारण से युवती उनके साथ गई थी। फिलहाल पुलिस महिला का पता लगाने और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करने में जुटी हुई है।

भद्राचलम कांग्रेस में फिर उभरी गुटबाजी,

पोडेम वीरैया ने जताई नाराजगी

कोत्तागुडेम, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम कांग्रेस में एक बार फिर आंतरिक गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पोडेम वीरैया ने अप्रत्यक्ष रूप से विधायक डॉ. तेल्लम वेंकट राव और उनके समर्थकों पर निशाना साधते हुए पार्टी में वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी किए जाने पर नाराजगी जताई है। वीरैया ने आरोप लगाया कि कुछ ठेकेदार कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में चेरला मंडल कांग्रेस समिति में हुई नियुक्तियों में वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार किए जाने से असंतोष और बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि इससे नाराज कई नेता बीआरएस में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

स्थिति को संभालने के लिए वीरैया ने चेरला में नाराज नेताओं से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह स्वयं कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में भद्राचलम सीट से चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने नेताओं से पार्टी न छोड़ने की अपील भी की। वीरैया ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की अनदेखी करना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने सरकारी कार्यों और योजनाओं पर कब्जा जमा लिया है, जबकि पुराने कार्यकर्ताओं को किनारे किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को वह जल्द ही उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सामने उठाएंगे, ताकि पार्टी के भीतर चल रहे विवाद का समाधान किया जा सके।

मूसी नदी तट विकास परियोजना का काम तेज, विरोध भी जारी

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी जन आंदोलन और सेव मूसी मूवमेंट समेत विभिन्न नागरिक संगठनों के विरोध के बीच मूसी नदी तट विकास परियोजना का काम तेज कर दिया गया है। मूसी नदी विकास प्राधिकरण ने नदी किनारे सीमांकन और सीमा स्तंभ लगाने का कार्य आगे बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार परियोजना की उपसमिति ने अधिकारियों को दिसंबर 2027 तक मूसी नदी परियोजना पूरी करने का निर्देश दिया है। इसके बाद हिमायत सागर से बापू घाट तक 9.20 किलोमीटर और गांडीपेट से नरसिंगी तक 11.8 किलोमीटर क्षेत्र में सीमा स्तंभ लगाने का काम तेजी से चल रहा है।

मूसी नदी विकास निगम लिमिटेड (एमआरडीसीएल) ने बताया कि नदी के दोनों किनारों पर कंक्रीट के सीमा स्तंभ और चबूतरे लगाए जाएंगे। यह कार्य राजस्व और सिंचाई विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए नक्शों के आधार पर किया जा रहा है। परियोजना में नदी के दोनों ओर 50 मीटर के बफर जोन का भी ध्यान रखा जा रहा है। इस बीच, भूमि अधिग्रहण को लेकर किस्मतपुर और दरगाह खलीज क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। गौरतलब है कि 55 किलोमीटर लंबे मूसी नदी क्षेत्र को विकसित कर वैश्विक पर्यटन स्थल बनाने की योजना तैयार की गई है। परियोजना के तहत गांधी सरोवर और बापू घाट क्षेत्र में महात्मा गांधी की 125 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की भी योजना है।

उच्च शिक्षा में सुधार और गुणवत्ता बढ़ाने पर राज्यपाल का जोर

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति शिव प्रताप शुक्ला ने राज्य को उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार और रोजगारपरक शिक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया है। राज्यपाल ने बुधवार को तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिस्टा रेड्डी के साथ उच्च शिक्षा सुधारों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान विश्वविद्यालयों में चल रहे शैक्षणिक सुधार, कौशल विकास कार्यक्रम, रोजगार क्षमता बढ़ाने की पहल, डिजिटल लर्निंग, पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण और उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

बैठक में अनुसंधान को बढ़ावा देने, संस्थागत जवाबदेही मजबूत करने और वैश्विक सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को आधुनिक बनाना होगा ताकि छात्रों को बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि जल्द ही राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और टीजीसीएचई के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें विश्वविद्यालयों से जुड़े शैक्षणिक, प्रशासनिक, अवसंरचना, वित्तीय और छात्र कल्याण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

ऑनलाइन फार्मेसियों के विरोध में तेलंगाना में मेडिकल दुकानें बंद

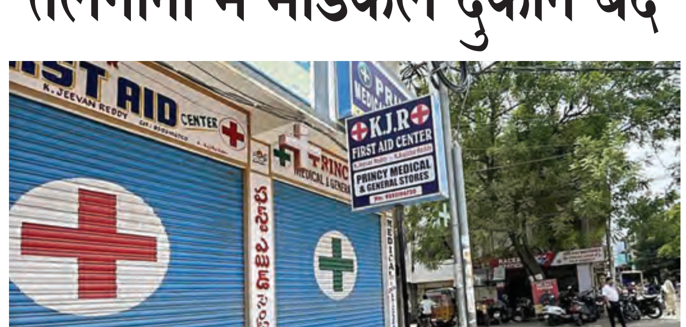

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन फार्मेसियों के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स द्वारा बुलाए गए एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद के तहत बुधवार को तेलंगाना में कई मेडिकल दुकानों ने अपने शटर बंद रखे। तेलंगाना केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (टीटीसीडीए) और हैदराबाद केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (एचसीडीए) से जुड़ी संस्थाओं ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। हालांकि अपोलो और मेडप्लस जैसी बड़ी फार्मेसी चेन तथा उनके ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सामान्य रूप से संचालित होते रहे। अस्पतालों से जुड़ी मेडिकल दुकानें और जन औषधि केंद्र भी खुले रहे।

संगठनों का आरोप है कि कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन फार्मेसियों को दी गई छूट अब तक जारी है। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री में उचित भौतिक सत्यापन नहीं हो रहा है और बड़ी कंपनियां भारी छूट देकर बाजार को प्रभावित कर रही हैं। इस बीच, तेलंगाना ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीडीसीए) ने हड़ताल के दौरान आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए एआईओसीडी की राज्य इकाई के साथ बैठक की।

अज्ञात वाहन में घुसी कार चालक समेत चार युवकों की मौत

अमरोहा, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। गजरौला में हाईवे पर दिल्ली की तरफ जाते समय अज्ञात वाहन में पीछे से वैगनआर कार घुस गई। हादसे में चालक मोहम्मद सलमान (27) समेत चार युवकों की मौत हुई है। जबकि दो युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सलमान रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी का रहने वाला था। तीन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी निवासी तनवीर ने पुलिस को बताया कि उनके भाई मोहम्मद सलमान टैक्सी में वैगनआर कार चलाते थे। दूसरे प्रदेश के पांच युवक रामपुर में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन रामपुर में उनकी ट्रेन छूट गई। करीब 4 बजे उनकी वैगनआर कार ख्यालीपुर ढाल से लगभग 200 मीटर आगे पहुंची थी।

नोएडा में 48 डिग्री पहुंचा तापमान

नोएडा, 20 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा और आसपास के इलाकों में बुधवार को भी भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। जेवर क्षेत्र में तापमान 48 डिग्री तक दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग के अनुसार जिले का अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। लगातार बढ़ती गर्मी और चल रही लू को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने जिले में हाई अलर्ट जारी किया है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया, जबकि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कें लगभग सूनी नजर आईं। प्रशासन ने लोगों से बिना जरूरी काम के घर से बाहर न निकलने की अपील की है।

जिला प्रशासन का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान इसी तरह गर्म बना रह सकता है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन की ओर से लोगों को सलाह दी गई है कि दोपहर के समय धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, खाली पेट बाहर न जाएं, हल्के और सूती कपड़े पहनें, सिर को गमछे या टोपी से ढककर रखें, ज्यादा देर तक धूप में काम न करें, बाहर निकलते समय ओआरएस या पानी साथ रखें और साथ ही नारियल पानी का भी सेवन करें। इसके अलावा दही और छाछ का भी सेवन करें।

वहीं, भीषण गर्मी को देखते हुए जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। सरकारी अस्पतालों में विशेष व्यवस्था की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में 15 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चल सकती हैं। दिन भर आसमान साफ रहने और तेज धूप के कारण तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लगातार पड़ रही लू से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

हीट वेव का असर सबसे ज्यादा उन लोगों पर पड़ रहा है, जो धूप के संपर्क में काम करते हैं। प्रशासन ने निर्माण स्थलों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले संस्थानों को भी निर्देश दिए हैं कि मजदूरों को समय-समय पर पानी और आराम की सुविधा दी जाए। जिला प्रशासन ने साफ कहा है कि लापरवाही भारी पड़ सकती है, गर्मी और लू से बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है।

सीमा पर लार पुलिस ने पकड़ी 5.14 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब

देवरिया, 20 मई (एजेंसियां)। वाहन चेकिंग के दौरान थाना लार पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 55 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब रायल स्टैग बरामद की है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 5,14,800 रुपये है। पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है और वाहन पर लगे फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की।

18 मई के अंक में दैनिक जागरण के अंक में पेज दो पर शराब तस्करों का गिरोह फिर सक्रिय, पहुंचने लगी हरियाणा से शराब शीर्षक से खबर को छह कालम में प्रकाशित किया था। जिसे एसपी अभिजीत आर शंकर ने गंभीरता से लिया और थानाध्यक्षों को निर्देश दिए। लार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मेहरौना चेक पोस्ट से बिहार ले जाई जा रही पिकअप को रोका गया।

फसलों को हुए नुकसान का दिलाएं मुआवजा', मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मौसम के बदलाव के कारण औद्यानिक फसलों एवं बागों को हुए नुकसान का मुआवजा प्रभावित किसानों को दिलाने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि सभी जिला उद्यान अधिकारी नुकसान का आकलन कर डीएम के माध्यम से क्षतिपूर्ति दिलाने के लिए प्रस्ताव तत्काल प्रेषित कराएं। मंगलवार को उद्यान निदेशालय में आयोजित बैठक में मंत्री ने कहा कि जिन मामलों में क्षतिपूर्ति के नियम स्पष्ट नहीं हैं या निर्धारित धनराशि पर्याप्त नहीं है,

ऐसे प्रकरणों में राहत आयुक्त को प्रस्ताव भेजकर कार्यवाही कराई जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को उपलब्ध कराया जाए। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराएं। उन्होंने आगरा में स्थापित हो रहे इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर से संबंधित लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा, निदेशक उद्यान बीपी राम, संयुक्त निदेशक सर्वेश कुमार व राजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

मायावती ने कांग्रेस नेताओं को गेट से बैरंग लौटाया
राहुल गांधी का संदेश लेकर पहुंचे थे मिलने

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी का संदेश लेकर मायावती के दरवाजे पर पहुंचे कांग्रेस नेताओं को गेट से ही बैरंग लौटना पड़ा। मायावती ने कांग्रेस नेताओं को बिना मिले ही वापस लौटाया। कांग्रेस की राष्ट्रीय अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेंद्र गौतम और बाराबंकी कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया समेत कई अन्य नेता मायावती से मुलाकात करने गए थे। मायावती के गेट से वापस लौटते सांसद तनुज पुनिया समेत अन्य का फोटो वायरल। दरअसल, बसपा सुप्रीमो इन दिनों लखनऊ में हैं। चर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के लिए राहुल गांधी का संदेश लेकर कांग्रेस के नेता उनसे मिलने पहुंचे थे।

सभी ने गेट पर अंदर जाने के लिए अपना नाम भी लिखवाया। लेकिन मायावती ने मिलने से इनकार कर दिया। जिसके बाद सभी बैरंग वापस लौट गए। हालांकि, कांग्रेस का कहना है कि सिर्फ औपचारिक मुलाक़ात के लिए गए थे। बिना बुलाए मायावती से मिलने पहुंचने पर राजधानी के सियासी गलियारों में अलग-अलग चर्चाएं हो रही हैं।

उधर अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र गौतम ने कहा कि वह दलित समाज की पूर्व मुख्यमंत्री रही हैं। ऐसे में उनका हालचाल लेना हमारा दायित्व है। हमने अपना नाम गेट पर लिखवा दिया है। जब बुलाएंगी तो दोबारा मिलने जाएंगे। गौरतलब है कि मायावती पहले ही ऐलान कर चुकी हैं कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव में किसी दल या गठबंधन का हिस्सा नहीं रहेंगी और अकेले चुनाव लड़ेंगी। मायावती लगातार कहते आई हैं कि जब भी उन्होंने गठबंधन किया पार्टी को नुकसान ही हुआ है। उनका दावा है कि बसपा का वोट अन्य दलों को तो ट्रांसफर होता है, लेकिन उनका नहीं। लिहाजा, मायावती एक बार फिर संगठन को मजबूत करने में जुटी हैं। कहा जा रहा है कि मायावती आगामी 23-24 जून को संगठन की बड़ी बैठक बुला सकती हैं।

बेटी के अफेयर से नाराज हुआ पिता हत्या कर खेत में दफनाई लाश

अलीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। थाना खैर क्षेत्र के जरारा गांव में ऑनर किलिंग का एक खौफनाक मामला प्रकाश में आया है, जहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 19 वर्षीय बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, जुर्म और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से आरोपी पिता ने बेटी के शव को अपने ही खेत में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया। यह पूरी घटना किसी फिल्मी पटकथा की तरह सामने आई है। पुलिस के अनुसार, जरारा गांव का निवासी पूरन सिंह जाटव अपनी 19 वर्षीय बेटी शिवानी के प्रेम प्रसंग से बेहद नाराज था।

इसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ और गुस्से में आकर पिता ने अपनी ही बेटी को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद सबूतों को पूरी तरह छुपाने के इरादे से उसने शव को गांव में स्थित अपने खेत में ले जाकर एक गहरा गड्ढा खोदा और उसमें दबा दिया। आरोपी पिता अपने इस खौफनाक राज को छुपाने में कामयाब हो जाता, लेकिन मृतका की मां की सजगता ने उसकी साजिश को नाकाम कर दिया। शिवानी के अचानक गायब होने के बाद जब उसकी मां खेत की तरफ गई, तो वहां संदिग्ध रूप से खुदी हुई मिट्टी देखकर उसे गहरा शक हुआ।

32 जिलों में बारिश-वजप्रात का अलर्ट

पटना, 20 मई (एजेंसियां)। पटना, कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगबाद समेत कई जिलों में लोग गर्मी से परेशान हैं। कैमूर और रोहतास में अधिकतम तापमान 41 डिग्री के पार फिर से पहुंच गया। लोगों का हाल बेहाल है। इसी बीच आज मौसम विभाग ने कैमूर, बक्सर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल और भोजपुर को छोड़कर पूरे बिहार में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। पटना, सारण, मुंगेर और भागलपुर प्रमंडल के जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं तिरहुत, दरभंगा, कोसी, और पूर्णिया प्रमंडल के जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बारिश और वज्रपात के साथ 50 से 60 किमी की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने लोगों से सावधान बरतने की अपील की है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र ने 21 मई को गया, जहानाबाद, पटना, नालंद, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, बांका, मुंगेर, भागलपुर, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 22 मई को पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपलगंज, सारण, सीवान, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतमाढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 23 मई को दक्षिण पश्चिम और दक्षिण मध्य बिहार के जिलों को छोड़कर बाकी जिलों मे बारिश और वज्रपात का यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

24 मई को उत्तर ओर उत्तर पूर्व बिहार में बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 25 और 26 मई को उत्तर, उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व बिहार बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

सायनी घोष का सिर कलम करने के लिए
बीजेपी नेता ने रखा 1 करोड़ का ईनाम! क्यों तूल पकड़ रहा विवाद

बुलंदशहर, 20 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सक्रिय तृणमूल कांग्रेस नेता सायनी घोष इन दिनों चर्चा में हैं। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले की सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष और बीजेपी नेता प्रदीप दीक्षित का एक वीडियो सोशल मडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बीजेपी नेता प्रदीप दीक्षित कथित तौर पर सायनी घोष का सिर कलम करने की धमकी दे रहे हैं।

बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ। प्रदीप दीक्षित का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कथित तौर पर बीजेपी नेता सायनी घोष का सिर कलम करने वाले को 1 करोड़ रुपए का इनाम देने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो हिंदू संगठनों द्वार आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान का है। दरअसल, बीते रविवार को सिकंदराबाद में हिंदू संगठनों ने सायनी घोष के पुराने सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया था। वायरल वीडियो इसी प्रदर्शन का है।

सायनी घोष का सिर कलम करने के बदले 1 करोड़ रुपए का इनाम देने वाली घोषणा का वीडियो वायरल होने ही बवाल मच गया। हालांकि, बीजेपी नेता डॉ। प्रदीप दीक्षित ने यह वीडियो फर्जी बताया है। प्रदीप दीक्षित ने कहा- वायरल वीडियो क्लिप में शरारती तत्वों ने एआई तकनीक का इस्तेमाल करके छेड़छाड़ की है। प्रदीप ने दावा किया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया और यह उनकी छवि खराब करने की साजिश है। फिलहाल वीडियो की प्रामाणिकता की जांच जारी है। सायनी घोष के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' से 2015 में भगवान शिव के बारे में एक अपमानजनक ट्वीट और फोटो शेयर की गई थी। इसी पोस्ट लेकर विवाद विवाद चल रहा है।

इस पोस्ट को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला मानते हुए कई लोगों और संगठनों ने उनकी तीखी आलोचना की। सायनी घोष ने 2015 की इस पोस्ट के 6 साल बाद 2021 में टीएमसी में कदम रखा। उस दौरान बीजेपी ने फिर इस मुद्दे को तूल दिया। सायनी घोष की पुरानी पोस्ट को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने कोलकाता के रवींद्र सरोवर पुलिस स्टेशन में सायनी घोष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

यूपी में 900 नई अदालतों के गठन मामले में एचसी सख्त अगली सुनवाई तक निर्णय नहीं होने पर मुख्य सचिव तलब

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में 900 नई अदालतों के गठन के मामले में राज्य सरकार की धीमी कार्यप्रणाली पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि यदि अगली सुनवाई तक इस संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया तो मुख्य सचिव और विधि परामर्शी (एलआर) को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना पड़ेगा। मामले की अगली सुनवाई आठ जुलाई को होगी।यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में प्रदेश में कुल 9149 अदालतों के गठन का मुद्दा उठाया गया है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की उच्च स्तरीय समिति अक्टूबर 2024 में ही पहले चरण में 900 नई अदालतों के गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दे चुकी है। इनमें 225 एचजेएस स्तर की अदालतें, 375 सिविल जज सीनियर डिवीजन और 300 सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालतें शामिल हैं।

कोर्ट ने पाया कि सरकार ठोस निर्णय लेने के बजाय नए-नए और आधारहीन सवाल उठाकर मामले को लगातार टाल रही है। अदालत ने टिप्पणी की कि अदालतों के गठन को लटकाने के ऐसे प्रयास स्वीकार नहीं किए जा सकते।

मार दो गोली हमें
सहारनपुर में देर रात सपा सांसद इकरा हसन पुलिस अधिकारियों पर जमकर बरसीं, खूब काटा बवाल

सहारनपुर, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का सहारनपुर जिला उस समय भारी सियासी संग्राम का केंद्र बन गया, जब रात के अंधेरे में कैराना से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन अपने समर्थकों के साथ सदर बाजार थाने के भीतर धरने पर बैठ गईं। डीआईजी ऑफिस में पुलिस अधिकारियों के साथ इकरा हसन की तीखी नोकझोंक हुई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया और सियासी गलियारों में जमकर वायरल हो रहे हैं।

इस दौरान थाने की बिजली गुल होने पर माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया। इस पूरे विवाद की शुरुआत शामली के कांधला थाना क्षेत्र के जसाला गांव के रहने वाले युवक मोनू कश्यप की हत्या से जुड़ी है। पुलिस के मुताबिक, मोनू कश्यप हत्याकांड में दो लोगों (दोस्तों सचिन और शुभम) को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिन्होंने प्रेमिका से बात न कराने की नाराजगी में वारदात से पहले साथ बैठकर शराब पी और फिर मोनू की पिटाई कर उसकी हत्या कर दी। इसी मामले में न्याय और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर सपा सांसद इकरा हसन पीड़ित बुजुर्ग महिला (मृतक मोनू कश्यप की मां) के साथ डीआईजी ऑफिस पहुंची थीं। अधिकारियों से मुलाकात के दौरान डीआईजी ऑफिस परिसर में पार्किंग और विरोध प्रदर्शन को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। आरोप है कि पुलिस ने न्याय की गुहार लगाने आए पीड़ित पक्ष के लोगों पर ही धारा 151 के तहत शांति भंग का चालान कर उन्हें जेल भेज दिया। वहीं, इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने सांसद इकरा हसन को महिला थाने पहुंचाया, जहां उन्हें करीब 10 मिनट तक बैठाए रखा गया।

पुलिस का आरोप था कि वहां पर सरकारी काम में बाधा डालने और हंगामे जैसी स्थिति पैदा की गई, जिस पर भड़ककर इकरा हसन ने सदर बाजार थाने में अपना धरना शुरू कर दिया। बातचीत के दौरान सपा सांसद इकरा हसन एसपी सिटी वियोम बिंदल पर बुरी तरह भड़क गईं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा, ₹आप अपनी तानाशाही के हिसाब से कार्रवाई कर रहे हैं और हर आदमी को कमजोर समझ रखा है आपने।

क्या करोगे? गोली चला दोगे? दे दो, हद कर दी है। अब या तो हमें जेल भेजें या उन्हें रिहा करें, हम तैयार हैं जाने को। आप अपनी तानाशाही की हद पार करो। इस जनता की ही तनख्वाह मिलती है आपको, इनकी नौकरी पर हो आप, हम आपकी नौकरी पर नहीं हैं।

काशी में पंचक्रोशी यात्रा के चतुर्थ पड़ाव में पहुंचे महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानंद, व्यवस्था से नाखुश

वाराणसी, 20 मई (एजेंसियां)। पुरुषोत्तम मास में अपने करीब डेढ़ सौ भक्तों के साथ काशी की पंचक्रोशी यात्रा पर निकले कैलाश मठ के महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानंद गिरि महाराज मंगलवार की सुबह चतुर्थ पड़ाव शिवपुर पहुंचे और यहां प्रशासन द्वारा पंचकोशी यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर नाखुश दिखे। प्राचीन हनुमान धर्मशाला में पहुंचे महामंडलेश्वर ने बताया कि यात्रा के तीसरे पड़ाव भीमचंडी में भी धर्मशाला में बहुत गंदगी थी तथा अव्यवस्था फैली हुई थी। इसके बारे में उन्होंने जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को वीडियो भेज कर सूचना दी परंतु फिर भी प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

उन्होंने बताया कि शिवपुर स्थित राजा गोकुल चंद्र धर्मशाला, रामलीला मैदान स्थित धर्मशाला में प्रशासन द्वारा ताले लगा दिए गए हैं और हनुमान धर्मशाला में पानी की सप्लाई करने वाली मोटर खराब होने से शौचालय आदि में पानी की किल्लत है तथा सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं। यदि हमारे शिष्य कूलर, गद्दा समेत अपनी खुद की व्यवस्था लेकर न चले तो बहुत परेशानी होगी।

सार्वजनिक बाधा हटाने के लिए भरोसेमंद साक्ष्य आवश्यक: इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज, 20 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 133 के तहत लोक उपद्रव (न्यूसेंस) हटाने की कार्यवाही संक्षिप्त प्रकृति की होती है और कथित परेशानी से जुड़े आवेदन पर फैसला करने के लिए कोई भी भरोसेमंद साक्ष्य चाहिए न कि निर्णायक। न्यायमूर्ति डा। अजय कुमार (द्वितीय) ने कुशीनगर के कप्तानगंज निवासी शंभू सिंह की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि इस धारा का इस्तेमाल किसी संपत्ति के मालिक के कीमती अधिकार को खत्म करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। मामले से जुड़े तथ्य यह हैं कि प्रतिवादी ओमप्रकाश ने धारा 133 के तहत आवेदन दायर कर मांग की कि याची द्वारा सार्वजनिक रास्ते से कथित अतिक्रमण हटाया जाए। याची ने एसडीएम के सामने आपत्तियां पेश कीं।

एसडीएम ने राजस्व निरीक्षक से रिपोर्ट मांगी और इसके आधार पर आदेश पारित कर याची को अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। एसडीएम के आदेश के खिलाफ याची ने अपर सत्र/विशेष न्यायाधीश, पडरौना-कुशीनगर के समक्ष पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की, जिसे खारिज कर दिया गया। इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। याची ने कहा कि उसके तथा ओमप्रकाश की संपत्ति के बीच से गुजरे रास्ते का जनता द्वारा इस्तेमाल नहीं किया जाता था और मानसून में बारिश का पानी बहता था। उसने अतिक्रमण नहीं किया है। म्युनिसिपल काउंसिल रतलाम

बनाम वर्धिचंद और अन्य में सुप्रीम कोर्ट तथा वलीउद्दीन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा, जहां एक ओर सीपीआरपी की धारा 133 कार्यपालक मजिस्ट्रेट को सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण या बाधा हटाने का आदेश देने का अधिकार देती है, वहीं उसे यह भी देखना चाहिए कि जिस व्यक्ति पर कानून का उल्लंघन करने का आरोप है क्या उसने अपने पक्ष को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय साक्ष्य पेश किया है।

राजस्व अधिकारियों की यह बात ध्यान में रखते हुए कि दो घरों के बीच रास्ते में सीढ़ी बनाई गई है, कोर्ट ने पाया कि याची ने सार्वजनिक रास्ते पर बाधा उत्पन्न की। कहा, याची ने स्वयं ही रास्ते का अस्तित्व स्वीकार किया है। एक बार जब रास्ते के अस्तित्व और उससे होकर बारिश के पानी के बहने की बात स्वीकार कर ली जाती है तो फिर उस पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो सकता।

दीपिका हत्याकांड: तिल्ली फटी, दिमाग में खून का थक्का, शरीर पर चोट के निशान

ग्रेटर नोएडा, 20 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव की विवाहिता दीपिका नागर की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में शरीर पर कई बाहरी और अंदरूनी चोटों का खुलासा हुआ है, जो किसी हिंसक घटना या बेरहमी से की गई मारपीट का इशारा कर रहे हैं। मामले की जांच अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, दीपिका के शरीर पर कई जगह चोटें, सूजन और गहरे घाव मिले हैं। सबसे बड़ी चोट चेहरे के दाहिने हिस्से पर पाई गई, जहां करीब 12 सेंटीमीटर लंबा और 9 सेंटीमीटर चौड़ाई में गहरा कंट्यूजन (भीतरी चोट) मिला है। बाएं हाथ की कोहनी और फोरआर्म पर भी चोट के निशान पाए गए। रिपोर्ट में सबसे गंभीर बाहरी चोट दाहिने पैर की जांघ पर दर्ज की गई है। यहां लगभग 38 सेंटीमीटर लंबा और 14 सेंटीमीटर चौड़ा गहरा दबाव और नीला निशान पाया गया है। इसके अलावा बाएं घुटने पर भी हड्डी तक गहरा घाव मिला है।

'देश की जनता त्रस्त, मोदी जी विदेश यात्रा में मस्त'
तेजस्वी का शिक्षा मंत्री पर पलटवार, बोले-तुम्हारे खानदान का कितना लोग सरकारी स्कूल से पढ़ा है?

पटना, 20 मई (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में शिक्षा को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के बयान पर तीखा पलटवार किया है। शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ाने की बात कहे जाने के बाद तेजस्वी यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए बीजेपी और एनडीए नेताओं पर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'सरकारी स्कूलों से पढ़कर ही कई लोग आईएएस और आईपीएस बने हैं। तेजस्वी ने कहा कि, आज आईएएस और आईपीएस की संख्या घट गई है, जिस तादात में लोग पहले जाते थे। सरकारी स्कूलों का मजाक उड़ाना गलत है।' तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'लालू-राबड़ी सरकार के समय शिक्षा मंत्री के परिवार का भी कोई न कोई सदस्य सरकारी स्कूल में जरूर पढ़ा होगा। पिछले दिनों शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा था कि उन्होंने "एजिटेशन" शब्द कहा था, लेकिन तेजस्वी उसे "एजुकेशन" समझ बैठे। मिथिलेश तिवारी ने कहा, "मैं शिक्षा मंत्री हूं, इसलिए तेजस्वी यादव की मैट्रिक तक की पढ़ाई सुनिश्चित कराना भी मेरी जिम्मेदारी है।' इधर, राष्ट्रीय जनता दल ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पोस्टर में पीएम मोदी के विदेश दौरे को लेकर तंज कसते हुए लिखा, 'देश की जनता त्रस्त, मोदी जी विदेश यात्रा में मस्त।' पेट्रोल-डीजल की कीमत, सोना और विदेश यात्राओं के खर्च को लेकर भी राजद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही बीजेपी-जेडीयू पर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया है।

अंतरराज्यीय ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। साइबर पुलिस स्टेशन, दक्षिण-पश्चिम जिला ने अंतरराज्यीय ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आठ आरोपियों को दबोचा है। आरोपियों ने बी.टेक, एमबीए और साइबर सिक्योरिटी डिप्लोमा जैसी बड़ी डिग्रियां ले रखी हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह ऑनलाइन स्टॉक निवेश के नाम पर लोगों को ठग रहा था।

धोखेबाजों ने एक नकली निवेश प्लेटफॉर्म के जरिए शिकायतकर्ता से 24 लाख रुपये की ठगी की। सिर्फ 14 दिनों में ठगी के इस गैंग से जुड़े हुए बैंक खातों में 4.5 करोड़ रुपये के लेन-देन वाली 60 से अधिक शिकायतें उन्हें मिली है। जांच में यह भी सामने आया है कि इस गैंग के तार कंबोडिया से जुड़े हुए थे पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में छापेमारी की। इन छापों के दौरान 8 मोबाइल फोन और महत्वपूर्ण बैंकिंग रिकॉर्ड बरामद किए गए।

शरद पवार ने जमकर की पीएम मोदी की तारीफ

बोले- वे भारत का मान बढ़ाने में जुटे

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। मंगलवार शाम मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में पवार ने कहा कि राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने भी हमेशा देश के भविष्य और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

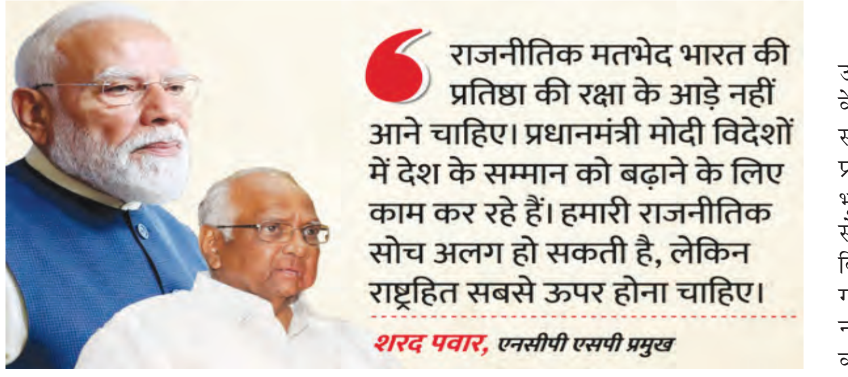

एनसीपी एसपी प्रमुख ने कहा, 'राजनीतिक मतभेद भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा के आड़े नहीं आने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक सोच अलग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।' राज्यसभा सदस्य शरद पवार ने पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व पदाधिकारियों के सम्मान समारोह के दौरान अपने संबोधन में ये बातें कही।

अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए शरद पवार ने बताया कि वर्ष 1958 में 18 साल की उम्र में वे बारामती से पुणे आए थे, क्योंकि उस समय उनके गृह नगर में कॉलेज नहीं था। बाद में वे पुणे शहर यूथ कांग्रेस और फिर महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस के प्रमुख बने। पवार ने एक घटना को साझा करते हुए कहा कि दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात उनके जीवन के यादगार पलों में शामिल है।

शरद पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों से जुड़े प्रसंग किए साझा

उन्होंने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछने के लिए किसानों और युवाओं से जुड़े कई सवाल तैयार किए थे, लेकिन नेहरू के प्रभावशाली व्यक्तित्व के सामने वे सब कुछ भूल गए। पवार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ की यात्रा के दौरान इंदिरा गांधी ने भारतीय प्रधानमंत्री को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सोवियत अधिकारियों से कहा था, 'मैं 40 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करती हूं। यदि उनके सम्मान का आदर नहीं होगा तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगी।'

कार्यक्रम के अंत में पवार ने विभिन्न दलों के पुराने सहयोगियों के एक मंच पर आने का स्वागत किया और राष्ट्रीय हित में मिलकर काम करने का आह्वान किया।

वक्फ बोर्ड चेयरपर्सन के बयान ने बढ़ाया विवाद

कहा- नमाज मस्जिद में ही होनी चाहिए ममता बनर्जी पर भी की टिप्पणी

श्रीनगर, 20 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ। सैयद दरख्शां अंद्राबी ने नमाज को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नमाज पवित्र स्थानों पर अदा की जानी चाहिए और मस्जिदें व ईदगाह इसके लिए निर्धारित हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को समझना चाहिए कि मस्जिदें उनके लिए ही बनाई गई हैं, इसलिए नमाज वहीं अदा करना बेहतर है। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। अंद्राबी ने कहा कि ममता बनर्जी अपने ही निर्वाचन क्षेत्र से जीत नहीं पाईं और दिल्ली सरकार को गिराने की बात करना निरर्थक है। उन्होंने कहा कि यह बयान उनकी हताशा को दर्शाता है।

संविधान की प्रति लेकर राहुल बोले

आरएसएस और प्रधानमंत्री इसे फाड़ने की कोशिश कर रहे

रायबरेली, 20 मई (एजेंसियां)। रायबरेली के लोधवारी में सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है।

संविधान के प्रति राहुल गांधी का भावुक आह्वान

राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

आर्थिक तूफान और देश के साथ धोखे का आरोप

राहुल गांधी ने देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। हालांकि,

उनके द्वारा ट्रंप की बात मानकर देश के साथ द अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे इस विशिष्ट आरोप के संदर्भ में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती है। यह संभवतः किसी आर्थिक नीति या अंतरराष्ट्रीय समझौते से जुड़ा संकेत था, जिसके बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

देश की आर्थिक भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं

राहुल गांधी का यह संबोधन राजनीतिक रूप से काफी तीखा रहा, जिसमें उन्होंने संविधान की अस्मिता और देश की आर्थिक भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने अपनी पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक को एकजुट करने और भाजपा के प्रति विरोध को धार देने का प्रयास किया। वीरा पासी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को याद करके उन्होंने सामाजिक न्याय और पिछड़ों के अधिकारों के एजेंडे को भी रेखांकित किया।

पार्टी हर परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ी रहेगी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को कांग्रेस के दिवंगत पूर्व जिला अध्यक्ष योगेंद्र मिश्र के आवास पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। राहुल गांधी ने कहा कि योगेंद्र मिश्र कांग्रेस परिवार के समर्पित और कर्मठ सदस्य थे। उनके निधन से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने परिजनों से कहा कि यह दुख केवल परिवार का नहीं, बल्कि पूरे कांग्रेस परिवार का है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी हर परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता भी भावुक नजर आए। राहुल गांधी ने कुछ देर परिजनों से बातचीत की और दिवंगत नेता के योगदान को याद किया।

राहुल गांधी बोले- संविधान हिंदुस्तान की आवाज

गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। राहुल गांधी ने कहा, "उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया?" उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते।

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, "टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ।" उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है।

उन्होंने कहा, "संविधान हिंदुस्तान की आवाज है।" अपने भाषण में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तीखा हमला बोला। तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी के संबोधन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। उन्होंने अमेठी से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा, "अमेठी मेरी कर्मभूमि है। मेरे पिता, माता और बहन सभी को अमेठी ने प्यार दिया है। दिल से मैं आपका धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि अगली बार वह अमेठी आएंगे तो अपनी बहन प्रियंका गांधी को भी साथ लेकर आएंगे।

कटक में जादू-टोना के शक में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या, शव जलाया

कटक, 20 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक जिले में भीड़ ने एक व्यक्ति की पीट पीटकर हत्या कर दी है। दरअसल भीड़ ने व्यक्ति को उसके घर से घसीटकर बाहर निकाला। उस पर काला जादू करने का संदेह जताते हुए पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए उसके शरीर को जला दिया। इस मामले में अबतक पुलिस ने 25 लोगों की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने यह जानकारी बुधवार को दी। हालांकि यह घटना 10 मई को हुई थी, लेकिन गिरफ्तारियां की गईं। पीड़ित के पिता द्वारा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के एक दिन बाद हुई है। शिकायत में श्वेता बेहरा ने दावा किया कि उनके बेटे, टिकिमा बेहरा को 10 मई को तलमुंडुली गांव में घर से घसीटकर भीड़ ने पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

पिता ने आरोप लगाया कि सबूत मिटाने के लिए उसके शव को जला दिया गया। उन्होंने बताया कि सात साल पहले पत्नी ने छोड़ दिए। इसके बाद टिकिमा बेहेरा गांव में अपने भाई और भाभी के साथ रह रहा था। कटक (ग्रामीण) एसपी विनीत अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया, 'अब तक हमने गांव के 25 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर काला जादू करने के संदेह में उस व्यक्ति की हत्या करने का आरोप है। घटना की जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से एक ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है।'

पेनेसीया अस्पताल में एसी में शॉर्ट सर्किट होने से लगी आग, मची अफरा तफरी

देहरादून, 20 मई (एजेंसियां)। देहरादून हरिद्वार रोड स्थित पैनेसिया हॉस्पिटल में बुधवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक अस्पताल में आग एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी, जिसके बाद पूरे परिसर में धुआं फैल गया और मरीजों व स्टाफ के बीच हड़कंप मच गया। घटना के समय अस्पताल के आईसीयू में छह मरीज भर्ती थे। धुआं फैलते ही अस्पताल स्टाफ, राहत टीमों और स्थानीय प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालकर अन्य अस्पतालों में शिफ्ट कराया। आग और धुएं की चपेट में आने से अस्पताल के कुछ कर्मचारी भी घायल हुए, जिन्हें भी उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

राज्यपाल की अनूठी मिसाल

'नो कार डे' पर सीटीयू बस से दफ्तर पहुंचे गवर्नर गुलाब चंद कटारिया

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। 'नो कार डे' के तहत बुधवार को पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया स्वयं सीटीयू बस में सफर कर दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों से निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के अनुरूप ईंधन बचाना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी और कर्मचारी स्वयं इसका पालन करेंगे, तभी आम लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के लोगों को सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल, बस या अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। कटारिया ने विद्यार्थियों से भी साइकिल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ट्रैफिक दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन की ओर से 'नो कार डे' को सफल बनाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था भी की गई।

शोपियां और श्रीनगर में दो अचानक मौतें, कार्डियक अरेस्ट की आशंका से बढ़ी चिंता

श्रीनगर, 20 मई (एजेंसियां)। शोपियां और श्रीनगर में दो अलग-अलग घटनाओं में अचानक हुई मौतों ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। दोनों मामलों में शुरुआती तौर पर कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई जा रही है। शोपियां में एक दारुल उलूम के बाहर एक युवक अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक पूरी तरह सामान्य स्थिति में था और अचानक गिरने के बाद उसे बचाया नहीं जा सका। वहीं श्रीनगर के नूरबाग इलाके में एक किशोरी घर में अचानक बेहोश मिली। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क पर वार

दो तस्कर गिरफ्तार; दस किलो आईस और चार किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 20 मई (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 किलो आईस (मेथामफेटामाइन) और 4 किलो हेरोइन बरामद की है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी दुबई और आबू धाबी में सक्रिय एक ड्रग स्मगलर के संपर्क में थे। आरोपी उसके निर्देशों पर पंजाब और दिल्ली में नशे की खेप पहुंचाने का काम कर रहे थे।

जांच के दौरान यह भी पता चला कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक हाल ही में दुबई से वापस लौटा था, जहां उसे हेरोइन और आईस की तस्करी से संबंधित गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया गया था। बरामद की गई आईस और हेरोइन की खेप आगे विभिन्न जिलों में पहुंचाई जानी थी। इस संबंधी थाना छेहरटा में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। अब नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाले जा रहे है ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान की जा सके।

इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि अब तक कितनी खेप सप्लाई की जा चुकी है और इस नेटवर्क के तार किन-किन राज्यों व देशों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

हरभजन सिंह की सुरक्षा मामले में पंजाब सरकार को कड़ी फटकार

हाई कोर्ट ने जवाब में देरी पर जताई नाराजगी

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की सुरक्षा से जुड़े मामले में पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार मामले को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही, जबकि पिछली सुनवाई में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि अगली तारीख तक हर हाल में जवाब दाखिल किया जाए। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा गया। इस पर हाई कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब अदालत पहले ही स्पष्ट आदेश दे चुकी थी, तब आज फिर समय मांगने का क्या औचित्य है। अदालत ने टिप्पणी की कि यह रवैया मामले के प्रति गंभीरता की कमी दर्शाता है। सुनवाई के दौरान पंजाब के एडवोकेट जनरल ने अदालत से कुछ और समय देने की मांग की। हालांकि अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए सरकार को अंतिम अवसर प्रदान किया। हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले में विस्तृत जवाब अगले बुधवार तक हर हाल में दाखिल किया जाए। अदालत ने चेतावनी भी दी कि यदि अगली सुनवाई तक भी जवाब दाखिल नहीं किया गया तो एडीजीपी सिक्योरिटी को स्वयं हाई कोर्ट में उपस्थित होकर इसका जवाब देना होगा।

हरभजन सिंह ने अपनी याचिका में दावा किया कि उनकी सुरक्षा बिना किसी नए खतरा आकलन, नोटिस या सुनवाई के अचानक वापस ली गई। उन्होंने कहा कि वह 10 अप्रैल 2022 को आम आदमी पार्टी के टिकट पर राज्यसभा पहुंचे थे और जालंधर में परिवार सहित रह रहे हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि पार्टी छोड़ने की सार्वजनिक घोषणा के तुरंत बाद उनकी सुरक्षा हटाई गई। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने सुरक्षा व्यवस्था में असमानता की तस्वीर भी उभरी। एक ओर हरभजन सिंह के पास 23 पुलिसकर्मियों का सुरक्षा घेरा था, वहीं फायरिंग झेल चुके एक जिला परिषद उपाध्यक्ष और ठेकेदार को कथित गैंग खतरे के बावजूद दिन में केवल एक एएसआई की सुरक्षा दी गई।

इस पर कोर्ट ने कहा था कि क्या सुरक्षा संसाधनों का वितरण वास्तविक खतरे के आधार पर हो रहा है या प्रभावशाली व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

नॉर्वे में पत्रकार के सवाल पूछे जाने को लेकर संजय राउत का पीएम मोदी पर तंज, 'एक बार पद छोड़ने से पहले...'

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। नॉर्वे की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक पत्रकार के सवाल का जवाब नहीं दिए जाने को लेकर शिवसेना यूबीटी के दिग्गज नेता और सांसद संजय राउत ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद छोड़ने या छूटने के पहले एक बार प्रेस कॉन्फ्रेंस तो करना चाहिए। इसके अलावा संजय राउत ने पश्चिम बंगाल चुनाव और वहां बीजेपी की सरकार बनने पर कहा कि बंगाल में जिस तरह से सरकार बनी है उस पर भी एक फिल्म बननी चाहिए। इससे पहले हाल ही में संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार हुई है।

इसलिए जो लोग खुशी मना रहे हैं, वे गलत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई जगहों पर बूथों पर गड़बड़ी हुई, मतदाता सूची से नाम हटाए गए और कुछ विधानसभा क्षेत्रों में अनियमितताएं हुईं। राउत ने कहा कि ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने का फैसला उनके आंदोलन का हिस्सा है। संजय राउत ने कहा कि ममता बनर्जी हमेशा गलत के खिलाफ पूरी ताकत से खड़ी होती हैं।

ममता बनर्जी ने जिस सांसद को चीफ व्हिप के पद से हटाया

उसे केंद्र सरकार ने दी वाई कैटेगरी की सुरक्षा

कोलकाता, 20 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने काकोली घोष दस्तीदार को 19 मई से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 'वाई' श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा दी है। अधिकारियों के मुताबिक, यह सुरक्षा कवर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस फैसले को ऐसे समय में अहम माना जा रहा है, जब तृणमूल कांग्रेस के भीतर संसदीय स्तर पर बड़े संगठनात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। इसी बीच ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस सांसदों की बैठक में वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया।

उन्होंने इस पद पर काकोली घोष दस्तीदार की जगह ली है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब पार्टी संसद में अपनी रणनीति और समन्वय को और मजबूत करने की कोशिश कर रही है। कल्याण बनर्जी की वापसी को पार्टी नेतृत्व के भरोसे के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले भी वह इस पद पर रह चुके हैं, लेकिन बाद में उन्हें हटा दिया गया था।

66 वर्षीय काकोली घोष दस्तीदार तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ महिला नेताओं में गिनी जाती हैं। वह फिलहाल ऑल इंडिया तृणमूल महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं।काकोली घोष दस्तीदार तीन बार लोकसभा सांसद चुनी जा चुकी हैं। वह 15वीं लोकसभा में पहली बार निर्वाचित हुईं और इसके बाद 2014 तथा 2019 के आम चुनावों में भी अपनी सीट बरकरार रखी। संसद में वह कई सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाती हैं। राजनीति में आने से पहले काकोली घोष दस्तीदार का संबंध चिकित्सा क्षेत्र से रहा है।

पार्टी संगठन और संसदीय राजनीति दोनों में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने अभी तक इस फेरबदल की आधिकारिक वजह नहीं बताई है, लेकिन इसे आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए पार्टी की अंदरूनी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर मॉब लिंचिंग और नफरत की राजनीति बंद करो - अरशद मदनी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी ने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि देश की बहुसंख्यक आबादी गाय को केवल पवित्र ही नहीं मानती, बल्कि उसे मां का दर्जा भी देती है। ऐसे में यह समझ से परे है कि सरकार आखिर किस राजनीतिक मजबूरी के कारण गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से बच रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में अरशद मदनी ने लिखा, गाय को 'राष्ट्रीय पशु' का दर्जा दिया जाना चाहिए। देश की बहुसंख्यक आबादी गाय को केवल पवित्र ही नहीं मानती, बल्कि उसे मां का दर्जा भी देती है। ऐसे में यह समझ से परे है कि आखिर कौन-सी राजनीतिक मजबूरी है,

जिसके कारण सरकार गाय को 'राष्ट्रीय पशु' का दर्जा देने से बच रही है? गाय के नाम पर होने वाली मॉब लिंचिंग (भीड़ हिंसा), बेगुनाह इंसानों की हत्या, नफरत की राजनीति और मुसलमानों को बदनाम करने का यह खेल अब बंद होना चाहिए। हमें खुशी होगी यदि गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित कर इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि न किसी इंसान की जान जाए और न धर्म के नाम पर राजनीति हो। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि कुछ राज्यों में खुलेआम गोमांस बेचा जाता है, लेकिन वहां इसके खिलाफ न कोई विरोध होता है

जिनपिंग बोले- दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही

बीजिंग में पुतिन के साथ बैठक की, कहा- ईरान जंग को रोकना जरूरी

बीजिंग, 20 मई (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है।

जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। उन्होंने कहा कि लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है।

जिनपिंग ने यह बयान बुधवार को बीजिंग में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद दिया। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर दोनों नेता रेड कार्पेट पर साथ चले और सैन्य बैंड ने रूस और चीन के राष्ट्रगान बजाए।

पुतिन और जिनपिंग ने बीजिंग में मुलाकात के दौरान दुनिया में दबदबे की राजनीति खत्म करने की बात कही। दोनों नेताओं ने कहा कि रूस और चीन मिलकर ज्यादा न्यायपूर्ण और संतुलित वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करेंगे।

बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक राजनीति, मिडिल ईस्ट युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा और ब्रिक्स जैसे मुद्दों पर चर्चा की। पुतिन ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में रूस-चीन रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं और दोनों देश लगातार साझा परियोजनाओं पर साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी का मकसद दोनों देशों के लोगों की समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करना है। वहीं शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और रूस को मिलकर ज्यादा संतुलित और न्यायपूर्ण वैश्विक शासन व्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन इस दौरे में बड़े कारोबारी और सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे हैं। क्रेमलिन ने कहा है कि दोनों देश करीब 40 समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें अर्थव्यवस्था, पर्यटन, शिक्षा और ऊर्जा से जुड़े समझौते शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में रूस की गैस बिक्री लगभग बंद हो गई है। ऐसे में रूस के लिए चीन के साथ ऊर्जा सहयोग बेहद अहम हो गया है।

बैठक से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे "मुख्य हितों" की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चीन पहुंचने से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसा, आपसी समझ और बराबरी के सहयोग का रिश्ता है। पुतिन ने कहा कि दोनों देश संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

उनके मुताबिक, रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद

रायपुर, 20 मई (एजेंसियां)। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में आज देशभर में केमिस्ट संगठन हड़ताल पर हैं। छत्तीसगढ़ में करीब 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद हैं, जिनमें थोक और रिटेल दोनों दुकानें शामिल हैं। रायपुर, बिलासपुर में सुबह से मेडिकल स्टोर नहीं खुले हैं। हालांकि, रायपुर में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर की ब्रांच में लोग दवाई लेने पहुंच रहे हैं।

सरगुजा में भी ऑनलाइन फॉर्मेसी के खिलाफ केमिस्ट संघ ने बाइक रैली निकाली, अपोलो फार्मेसी के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी कर दुकान बंद कराई। बस्तर जिले में 300 और जगदलपुर शहर में करीब 120 मेडिकल दुकानें बंद हैं। हालांकि, मरीजों की सुविधा के लिए संचालकों ने ऑनलाइन नंबर जारी किए हैं।

रायगढ़ में भी करीब 760 मेडिकल दुकानें बंद रहीं, दवा विक्रेताओं ने रामनिवास टॉकीज चौक पर प्रदर्शन किया और मरीजों की सुविधा के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए।

अमेरिकी एफ-35 को हमने मार गिराया

ईरान के विदेश मंत्री ने किया बड़ा दावा अमेरिका को दोबारा जंग शुरू होने पर दी धमकी

तेहरान, 20 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरानी सेनाओं ने युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान की सेनाएं ऐसा करने वाले दुनिया के पहले सशस्त्र बल हैं। अराघची ने अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि ईरान युद्ध में अमेरिका के दर्जनों विमान नष्ट हुए या उन्हें नुकसान पहुंचा है। ईरानी विदेश मंत्री ने इसे उन दावों को पुष्टि करार दिया जिसे तेहरान लगातार कहता आ रहा है।

13 मई को प्रकाशित अमेरिकी संसद की कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका के करीब 42 सैन्य विमान या तो नष्ट हो गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 42 विमानों के नुकसान का आंकड़ा बढ़ भी सकता है क्योंकि कई मामलों की जानकारी अभी गोपनीय है और नुकसान की पुष्टि अलग-अलग सोर्स से की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, इनमें

स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट और स्पेशल ऑपरेशन प्लेन भी शामिल हैं।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ईरान संघर्ष शुरू होने के कई महीने बाद, अमेरिकी कांग्रेस ने अरबों डॉलर की कीमत वाले दर्जनों विमान खोने की बात स्वीकार की है। अराघची ने कहा कि इसने साबित कर दिया है कि ईरान की शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं पहले ऐसे बल हैं जिसने बहुचर्चित एफ-35 को मार गिराया है। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देने वाले अंदाज में आगे लिखा कि इस संघर्ष से जो सबक मिला है वो बताता है कि जंग में वापसी कई और चौंकाने वाली चीजें लेकर आएगी।

सीआरएस अमेरिकी संसद और उसकी समितियों को कानूनी और नीतिगत विश्लेषण देने वाली संस्था है। उसने यह आंकड़े अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयानों के अलावा मीडिया रिपोर्टों के आधार पर तैयार किए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान ये नुकसान झेला।

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा

कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विक्टोरी' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी।

अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, "हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।"

सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी।

पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था।

इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं।

रूस ने शुरू किया परमाणु हमले का महाअभ्यास

140 फाइटर जेट और 65000 सैनिक शामिल, यूक्रेन आगबबूला

मास्को, 20 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस ने अपने पड़ोसी बेलारूस के साथ मिलकर 3 दिन तक चलने वाला परमाणु सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इस अभ्यास में 200 रॉकेट लांचर, 140 एयरक्राफ्ट, 73 युद्धपोत, 65 हजार सैनिक सैनिक और 13 सबमरीन हिस्सा ले रही हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इस परमाणु अभ्यास में कुल 7800 टाइप के हथियार और सैन्य उपकरण शामिल किए जा रहे हैं। 19 मई से शुरू हुआ अभ्यास 21 मई तक चलेगा। इस अभ्यास से यूरोप के नाटो देश जहां दहशत में हैं, वहीं यूक्रेन ने बहुत तीखी प्रतिक्रिया जताई है। यह अभ्यास ऐसे समय पर हो रहा है जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन चीन के दौरे पर हैं जहां उन्होंने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया है।

रूस ने परमाणु हमले का अभ्यास ऐसे समय पर किया है जब यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। यूक्रेन जंग के

शुरू हुए 4 साल हो गए हैं और इस दौरान कई बार रूस ने अपने परमाणु हथियारों का प्रदर्शन किया है और उसके इस्तेमाल की धमकी दी है। यह परमाणु हमले का अभ्यास रूस और अमेरिका के बीच न्यूक्लियर आर्म्स पैक्ट के खत्म होने के कई महीने बाद हो रहा है। बुधवार को रूस ने एक वीडियो जारी करके दिखाया कि उसके सैनिक परमाणु बम को मोबाइल इस्कंदर एम लांच सिस्टम को दे रहे हैं।

रूसी सैनिक इसके बाद इस्कंदर मिसाइल को बिना पकड़ में आए लांच साइट पर ले जाते हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सैनिकों ने परमाणु हथियार के इस्तेमाल के लिए खुद को सर्वोच्च स्तर पर तैयार किया। यह अभ्यास पूरे रूस और बेलारूस में अंजाम दिया जा रहा है। रूस का कहना है कि वह नाटो देशों से यूक्रेन के मुद्दे पर अस्तित्व के खतरे का सामना कर रहा है। नाटो के साथ चल रहे तनाव की वजह से रूस और यूरोपीय देशों के बीच जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है।

रूस ने 200 मिसाइल लांचर भी तैनात किए हैं। रूसी सेना बेलारूस में तैनात टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन को लांच करने का अभ्यास कर रही है। रूस की इस्कंदर एम मिसाइल की रेंज 500 किमी है। यह मिसाइल परमाणु के साथ परंपरागत दोनों ही तरह के हमले कर सकती है। रूस ने हाल ही में परमाणु हमला करने में सक्षम ओरेशनिक मिसाइल को बेलारूस में तैनात किया है जिसकी सीमा नाटो से मिलती है। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने रूस के इस अभ्यास पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूस और बेलारूस ने संयुक्त अभ्यास करके और बेलारूस के अंदर परमाणु हथियारों को तैनात करके सभी रेड लाइन को पार कर लिया है।

आम लदा पिकअप पलटा, वाहन चालक बचा

राहगीर मदद करने के बजाय उठाने लगे आम, ओडिशा से बिहार जा रहा था पिकअप

चतरा, 20 मई (एजेंसियां)। चतरा जिले की संघरी घाटी में बुधवार को आम से लदा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में वाहन चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायल चालक की मदद करने के बजाय आम लूटना शुरू कर दिया। यह घटना डोभी-चतरा मुख्य मार्ग पर हुई।

यह पिकअप वैन ओडिशा से भारी मात्रा में आम लेकर बिहार के गया जिले के बोधगया दुमोहान जा रही थी। वाहन के पलटने के बाद सड़क पर आम बिखर गए।

दुर्घटना के तुरंत बाद, जब चालक मदद के लिए गुहार लगा रहा था, तब भी लोग उसकी सहायता करने के बजाय गिरे हुए आमों को इकट्ठा करने में व्यस्त रहे। इस घटना ने मानवीय संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जैसे ही यह वाहन चतरा के खतरनाक और तीखे मोड़ों वाली संघरी घाटी के पास पहुंचा, सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने अचानक गलत तरीके से कट मार दिया। घाटी की तेज ढलान और तीखे मोड़ के कारण पिकअप का चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी बीच सड़क पर ही पलट गई।

इस हादसे में पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें लदे सारे आम सड़क पर बिखर गए। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं और वह किसी तरह गाड़ी से बाहर निकला। हादसे के बाद वहां से गुजरने वाले बाइक सवार और राहगीर तमाशबीन बन गए और मौका देखते ही आम लूटने पर उतारू हो गए।

भारत के साथ मनाएंगे अमेरिका का 250वां बर्थडे

मार्को रुबियो ने दिल्ली दौरे से पहले दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है और इसे दुनिया का सबसे सबसे बड़ा लोकतंत्र बताया है। रुबियो ने कहा कि वह अमेरिका का 250वां जन्मदिन भारत में साझेदारों के साथ मनाने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान उनकी नई दिल्ली यात्रा के ठीक पहले आया है, जो इसी सप्ताह के आखिर में शुरू होने वाली है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस यात्रा की पुष्टि की है।

रुबियो ने कहा कि जैसे-जैसे अमेरिका अपना 250वां जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रहा है, हम इसे भारत में अपने साझेदारों के साथ मनाने के लिए उत्सुक है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हम दुनिया का

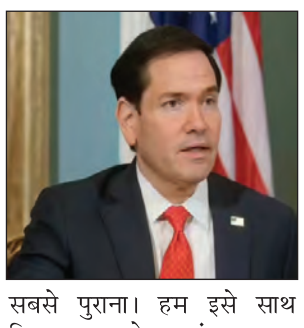

सबसे पुराना। हम इसे साथ मिलकर मनाने का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, विदेश मंत्री मार्को रुबियो 23 मई से चार दिनों के भारत दौरे पर रहेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 23 से 26 मई की अपनी चार दिनों की यात्रा में रुबियो कोलकाता, आगरा, जयपुर और नई दिल्ली जाएंगे। इस दौरान रुबियो भारत के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी।

रुबियो 26 मई को ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों के साथ क्वाड की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने X पर एक पोस्ट में कहा कि वह रूबियो का भारत की उनकी पहली यात्रा, मंत्री स्तरीय क्वाड बैठकों, उच्च स्तरीय मुलाकातों और अमेरिका के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए स्वागत करने को लेकर उत्सुक है।

युवक ने हाईटेंशन टावर पर चढ़ लगाई फांसी

गुमला, 20 मई (एजेंसियां)। रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र के कादोजोरा गांव में एक हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़कर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के चेटो परसा गांव निवासी जट्टू उरांव के 18 वर्षीय पुत्र बिरसा उरांव के रूप में हुई है। घटना का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। सुबह ग्रामीणों ने टावर पर शव लटका देखा, जिसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बेड़ो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल बिजली विभाग को सूचित कर बिजली कटवाई। इसके बाद टेक्नीशियन की मदद से शव को टावर से नीचे उतारा गया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो जाएगी

ट्रंप के बाद जेडी वेंस की ईरान को चेतावनी, डील नहीं की तो फिर होंगे हमले

वॉशिंगटन, 20 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी नेतृत्व की ओर से एक बार फिर इस पर जोर दिया गया है कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं हासिल करने दिया जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम संवेदनशील है क्योंकि यह खाड़ी और दुनियाभर में परमाणु हथियारों की होड़ शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर डील नहीं होती है तो अमेरिकी सेना फिर से हमले कर सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने ताजा बयान में कहा है कि ईरान के पास कोई परमाणु हथियार नहीं हो सकता है।

जेडी वेंस ने मंगलवार को वाइट हाउस में कहा, 'हमें लगता है कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमसे कहा कि सद्भावना से बातचीत कीजिए और हमने वैसा ही किया। हम यह भी कहना चाहते हैं कि ईरान शांति समझौते पर पहुंचने में विफल होता है तो अमेरिकी सेना फिर से ऑपरेशन के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के पास परमाणु हथियार होने से विश्व स्तर पर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है।'

ईरान शांति समझौते से पीछे हटता है तो फिर सैन्य हमले का रास्ता भी खुला हुआ है। हमारी सेना तैयार है लेकिन हम उस रास्ते पर जाने से बचने की कोशिश करेंगे। हालांकि अगर जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उस रास्ते पर जाने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका के पास एक सरल प्रस्ताव है और आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं।

पहला विकल्प बातचीत और दूसरा समझौते का है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता है। ईरान के परमाणु बम बनाने का मतलब पश्चिम एशिया समेत कई इलाकों में अस्थिरता बढ़ना होगा।

वेंस ने कहा ईरान ने ऐसे संकेत तो दिए हैं, जिससे लगता है कि ईरान डील करना चाहता है। हालांकि अभी कुछ साफ-साफ कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि इसका पता तभी चलेगा, जब समझौते पर वास्तव में हस्ताक्षर हो जाएंगे। अमेरिका ने ईमानदारी से बातचीत की है और अब फैसला ईरान को करना होगा।

जेडी वेंस ने ईरान को एक जटिल देश बताते हुए कहा कि तेहरान में नेतृत्व बंटा हुआ है। उन्होंने कहा कि तेहरान में कई ताकतवर समूह हैं। इसलिए यह समझना मुश्किल होता है कि बातचीत में ईरान वास्तव में क्या चाहता है।

वेंस ने ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को रूस भेजने से जुड़ी रिपोर्ट्स को भी खारिज किया है।

बलूचिस्तान के 1 ट्रिलियन डॉलर के सोने और रेअर अर्थ के खजाने पर होगा सेना का कब्जा

लूटने का 'प्लान' तैयार

इस्लामाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का फैसला लिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को निर्देश दिया कि बलूचिस्तान में अर्धसैनिक बल तैनात करें, ताकि खनिज संपत्ति की सुरक्षा हो सके। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब बढ़ते विरोध के बीच पाकिस्तान आर्थिक लाभ के लिए बलूचिस्तान के अरबों-खरबों के डॉलर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। बलूचिस्तान के खनिज संपदा के दोहन के खिलाफ प्रांत में बढ़ते गुस्से ने पाकिस्तानी सरकार की चिंता बढ़ाई है।

बीएलए समेत कई गुट लगातार असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में स्थित

रखशान डिवीजन सैंदक और रेको डिक की अरबों डॉलर की तांबा-सोना खदानों का घर है। पाकिस्तान वर्षों से इन क्षेत्रों में खनन और अन्वेषण परियोजनाओं को शुरू करने के लिए विदेशी खनन कंपनियों को लुभाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि उसका लक्ष्य अपने खनिज क्षेत्र का दोहन करना है। शहबाज शरीफ मंगलवार को बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा पहुंचे। यहां उन्होंने सुरक्षा मामलों की समीक्षा के लिए प्रांतीय शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता की। शरीफ के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने बलूचिस्तान के रखशान डिवीजन में फ्रंटियर कोर की तैनाती का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री ने बलूचिस्तान में खनिजों की सुरक्षा के लिए एक गलियारा स्थापित करने का फैसला लिया है। इस सुरक्षा गलियारे में अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात होंगी। राजमार्गों पर सुरक्षा चौकियां और एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा।खनिज-समृद्ध बलूचिस्तान दशकों से चल रहे विद्रोह का केंद्र रहा है। बलूच अलगाववादी समूहों ने यहां लगातार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और विदेशी कंपनियों पर हमले किए हैं। पिछले महीने ही चगाई में पाकिस्तानी कंपनी नेशनल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड की एक खनन परियोजना स्थल पर हमला करते हुए 10 लोगों को मार डाला था। बलूचिस्तान के सशस्त्र गुटों का कहना है कि उनके प्रांत में भारी तादाद में खनिद हैं।

थाईलैंड ने 93 देशों के टूरिस्ट पर चलाया चाबुक

वीजा फ्री एंट्री के नियमों में बदलाव, भारतीयों की बढ़ेगी मुश्किल

बैंकॉक, 20 मई (एजेंसियां)। थाईलैंड सरकार ने एक नई टियर वीजा प्रणाली शुरू करने का फैसला लिया है। थाईलैंड की कैबिनेट ने 93 देशों के पर्यटकों के लिए अपनी वीजा फ्री एंट्री योजना में कटौती को मंजूरी दी है। इसके तहत थाईलैंड 60-दिन की वीजा छूट से पीछे हट गया है, जिसे जुलाई 2024 में महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए शुरू किया गया था। यह छूट उन क्षेत्रों के लिए थी, जिनमें अमेरिका, इजरायल, दक्षिण अमेरिका और यूरोप का 29-देशों वाला शेंगेन जोन शामिल है। थाईलैंड के नए फैसले का भारतीय टूरिस्ट पर भी सीधा असर होने जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत सरकार एक स्तरीय प्रणाली पर वापस लौटेगी, जिसमें वीजा-मुक्त प्रवास सीमा

30 दिन की जाएगी। कुछ देशों के नागरिकों के लिए अनुमति की अवधि घटाकर 15 दिन की जाएगी। थाईलैंड सरकार के प्रवक्ता रचादा धनादिरेक ने कहा, 'मौजूदा योजना का कई लोगों को गलत फायदा उठाया है। पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था का अहम स्तंभ है लेकिन सुरक्षा चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।' थाई अधिकारियों ने स्वीकार किया कि 60-दिन की छूट ने अनजाने में कुछ कमियां पैदा कर दी थीं, जिससे अवैध 'ग्रे-मार्केट' कारोबार, बिना अनुमति के काम करने वाले विदेशी मजदूरों और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई। ऐसे में सरकार ने अब 30-दिन की सीमा को वास्तविक और उच्च-मूल्य वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त समय-सीमा माना है।

नीति में यह बदलाव कई हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों के बाद आया है, जिनमें विदेशी नागरिक नशीले पदार्थ, मानव तस्करी और होटल जैसे बिना अनुमति के स्थानीय कारोबार चलाने में शामिल पाए गए। विदेश मंत्री सिहासाक फुंगकेटकेओ ने कहा कि यह कदम किसी विशेष राष्ट्रीयता के खिलाफ नहीं है।

यह उन व्यक्तियों को निशाना बनाता है, जो कानून से बचने के लिए वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं। थाई विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जमीनी सीमाओं के जरिए प्रति कैलेंडर वर्ष वीजा-मुक्त प्रवेश की संख्या पर सख्त सीमा लागू किया जाएगा।

खुदाई में जमीन से निकली थी हनुमान जी की मूर्ति

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में भगवान हनुमान के कई प्रसिद्ध मंदिर मौजूद हैं, लेकिन रीवा-अमरकंटक मार्ग पर स्थित प्राचीन कपूरी कोठार हनुमान मंदिर अपनी चमत्कारी मान्यताओं के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष पहचान रखता है। यहां विराजमान बजरंगबली की प्रतिमा खुदाई के दौरान स्वयं प्रकट हुई थी। यही वजह है कि दूर-दूर से भक्त इस मंदिर में दर्शन करने पहुंचते हैं और अपनी मनोकामनाएं लेकर हनुमान जी के चरणों में माथा टेकते हैं।

श्रद्धालु कृपा शंकर के अनुसार, जो भी श्रद्धालु सच्चे मन और श्रद्धा के साथ इस मंदिर में आता है। उसकी हर इच्छा बजरंगबली पूरी करते हैं। मंदिर परिसर में पूरे सप्ताह भक्तों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन मंगलवार और शनिवार को यहां विशेष भीड़ उमड़ती है। इन दिनों मंदिर में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और विशेष पूजा-पाठ का आयोजन किया जाता है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है। खुदाई में जमीन से निकली थी हनुमान जी की मूर्ति यह मंदिर कई सौ साल पुराना है और वह इस मंदिर के चौथी पीढ़ी के पुजारी हैं। उनसे पहले उनके पूर्वज रामपाल मिश्र, रामदत्त और जग्गू राम यहां पूजा-अर्चना करते थे। उन्होंने बताया कि पहले यहां केवल एक छोटा सा स्थान था और आसपास पोखरी हुआ करती थी। इसके बाद में पोखरी को तालाब का रूप देने के लिए खुदाई कराई जा रही थी। इसी दौरान जमीन से हनुमान जी की प्रतिमा और एक लाठ निकली थी, जिसे पास में सुरक्षित रख दिया गया।

संत को सपने में मिला था यह निर्देश

पुजारी के अनुसार, वर्ष 1950 में तत्कालीन पुजारी जग्गू राम को सपने में हनुमान जी ने मंदिर निर्माण का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने यहां विधिवत प्राण प्रतिष्ठा करवाई और मंदिर निर्माण शुरू कराया।धीरे-धीरे हनुमान जी की महिमा आसपास के गांवों और जिलों तक फैलने लगी। आज यह मंदिर भव्य स्वरूप में श्रद्धालुओं का स्वागत करता है।रामप्रसाद मिश्र ने बताया कि जग्गू राम के पूर्वज आज भी भैंसरहा गांव में निवास करते हैं। दीपावली पर मंदिर में सबसे पहला ध्वज चढ़ाने की परंपरा आज भी उसी परिवार द्वारा निभाई जाती है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां आने से जीवन के दुख, कष्ट और बाधाएं दूर होती हैं। यही कारण है कि कपूरी कोठार का यह प्राचीन हनुमान मंदिर आज सीधी जिले में आस्था और विश्वास का बड़ा केंद्र बन चुका है।

राजस्थान का रहस्यमयी काल भैरव मंदिर!

जहां काशी न जा पाने वाले भक्त करते हैं दर्शन

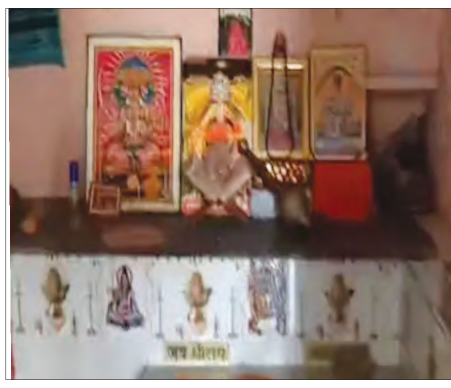

सीकर जिले के खाचरियावास गांव में स्थित काल भैरव का प्राचीन मंदिर अपनी अनोखी मान्यताओं और धार्मिक आस्था के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। सैकड़ों साल पुराने इस मंदिर को क्षेत्र का प्रमुख आध्यात्मिक स्थल माना जाता है। मान्यता है कि यहां संत बागा राम गुर्जर ने भैरव बाबा की कठोर तपस्या की थी। आज भी मंदिर परिसर में उनकी समाधि बनी हुई है, जहां श्रद्धालु श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर के सेवक हरि किशन गुर्जर बताते हैं कि जो भक्त काशी विश्वनाथ के दर्शन नहीं कर पाते, वे यहां आकर पूजा करते हैं और अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

इस तपोस्थली की सबसे खास बात यहां वर्षों से जल रही अखंड ज्योत है। मंदिर की स्थापना के समय से यह ज्योत लगातार प्रज्वलित हो रही है। खास बात यह है कि इसे तेल से नहीं, बल्कि शुद्ध देसी घी से जलाया जाता है। मंदिर सेवक के अनुसार सर्दियों में दीपक में डाला गया घी तक जम जाता है, लेकिन ज्योत लगातार जलती रहती है। यहां डिब्बाबंद घी का उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि श्रद्धालु अपने घरों में गाय और भैंस के दूध से तैयार ताजा घी लेकर आते हैं। लोगों की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं पूरी होती हैं, इसलिए दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर परिसर में कई देवी-देवताओं के मंदिर

काल भैरव मंदिर परिसर में चामुंडा माता, भगवान हनुमान, लोकदेवता तेजाजी और भगवान देवनारायण के मंदिर भी बने हुए हैं। इसके अलावा लोकदेवता देवनारायण के उपासक संत बागा राम की समाधि भी यहीं स्थित है। हरि किशन गुर्जर बताते हैं कि संत बागा राम ने अपना पूरा जीवन भक्ति, सेवा और परोपकार को समर्पित कर दिया था। उनका जन्म कुचामन क्षेत्र के आसपुरा गांव में हुआ था, लेकिन बाद में वे खाचरियावास आ गए और यहीं रहकर साधना की। वे भैरव बाबा और भगवान देवनारायण के अनन्य भक्त माने जाते थे।

रविवार को उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

मंदिर में हर रविवार विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आसपास के गांवों के अलावा जयपुर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, बीकानेर, जोधपुर, चूरू और झुंझुनूं समेत कई जिलों से भक्त दर्शन करने आते हैं। श्रद्धालु काल भैरव को तेल और पुआ-पापड़ी का भोग अर्पित करते हैं। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल बना रहता है।

कल पर काम टालने की आदत ठीक नहीं रवींद्रनाथ टैगोर का भी यही विचार था

कई बार लोग असफल होने के डर से कदम आगे नहीं बढ़ाते। वह सोचते हैं कि अगर मैं हार गया तो क्या होगा? रबिंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि डरकर किनारे पर बैठे रहने से अच्छा है कि आप कोशिश करें।

यह साधारण सी दिखने वाली पंक्ति जीवन का एक बहुत बड़ा और गहरा दर्शन समेटे हुए है। भारत के महान कवि और साहित्यकार रबिंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि सिर्फ सोचने, योजनाएं बनाने या इच्छा रखने मात्र से कामयाबी नहीं मिलती। अगर आपको किसी बड़े लक्ष्य (समुद्र) को हासिल करना है, तो आपको किनारे पर बैठकर सिर्फ उसे निहारना छोड़ना होगा और लहरों से लड़ने के लिए पानी में उतरना ही पड़ेगा।

कर्म की प्रधानता

हम अक्सर अपने सपनों के बारे में सोचते रहते हैं। मुझे यह करना है, मुझे वहां पहुंचना है- यह सोचना अच्छी बात है, लेकिन यह केवल पहला कदम है। जब तक आप उस सोच को कर्म में नहीं बदलते, तब तक वह केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। समुद्र पार करने के लिए नाव चलानी पड़ती है या तैरना पड़ता है, सिर्फ किनारे पर खड़े रहकर लहरें गिनने से दूरी कम नहीं होती।

डर और झिझक को छोड़ना

कई बार लोग असफल होने के डर से कदम आगे नहीं बढ़ाते। वे सोचते हैं कि अगर मैं हार गया तो क्या होगा? टैगोर का यह कथन सिखाता है कि डरकर किनारे पर बैठे रहने से अच्छा है कि आप कोशिश करें। जब आप पहला कदम उठाते हैं, तभी आगे का रास्ता साफ होता है।

वास्तु शास्त्र : घर में नकली पौधे लगाने से पहले जरूर जान लें ये जरूरी बातें

क्या घर में नकली फूल और पौधे लगाना सही है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में नकली फूल और पौधों का ज्यादा इस्तेमाल शुभ नहीं माना जाता। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनमें जीवन नहीं होता। असली पौधे जहां प्राकृतिक ऊर्जा देते हैं, वहीं नकली पौधे सिर्फ दिखावे तक सीमित रहते हैं। माना जाता है कि ऐसी चीजें घर में डेड एनर्जी को बढ़ावा देती हैं।

आजकल कई लोग ड्रॉइंग रूम, बेडरूम और ऑफिस में बड़े-बड़े आर्टिफिशियल प्लांट्स लगाते हैं ताकि जगह सुंदर दिखे। शुरुआत में यह अच्छा लगता है, लेकिन समय के साथ इन पर धूल जमने लगती है। यही धूल धीरे-धीरे घर के वातावरण को भारी और सुस्त बना सकती है।

रिश्तों पर भी पड़ सकता है असर

वास्तु मान्यताओं के मुताबिक, घर का माहौल केवल सजावट से नहीं बल्कि वहां मौजूद ऊर्जा से भी बनता है। कहा जाता है कि नकली पौधों की वजह से घर में रहने वाले लोगों के बीच तनाव और छोटी-छोटी बातों पर बहस बढ़ सकती है। कई बार लोग बिना वजह चिड़चिड़ापन महसूस करने लगते हैं।

खासकर अगर घर में लंबे समय से टूटे, फीके या धूल भरे नकली फूल रखे हों तो यह मानसिक थकान और आलस्य को बढ़ा सकते हैं। इसलिए वास्तु में ऐसी चीजों को समय-समय पर हटाने की सलाह दी जाती है।

असली पौधे क्यों माने जाते हैं शुभ?

असली पौधों को जीवन और ताजगी का प्रतीक माना जाता है। ये सिर्फ घर की खूबसूरती नहीं बढ़ाते, बल्कि वातावरण को भी बेहतर बनाते हैं। सुबह-सुबह हरे पौधों को देखना मन को सुकून देता है और दिनभर पॉजिटिव महसूस कराने में मदद करता है।

आजकल लोग बालकनी में तुलसी, मनी प्लांट, एलोवेरा और छोटे फूलों वाले पौधे लगाना पसंद करते हैं। वास्तु शास्त्र में भी इन्हें शुभ माना गया है। माना जाता है कि घर में हरे-भरे पौधे होने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और परिवार के सदस्यों के बीच प्यार बढ़ता है।

कौन से पौधे घर के लिए अच्छे माने जाते हैं?

अगर आप घर में पॉजिटिव माहौल चाहते हैं, तो कुछ पौधे खास तौर पर अच्छे माने जाते हैं। जैसेः

-तुलसी का पौधा
-मनी प्लांट
-बांस का पौधा
-एलोवेरा
-चमेली और गुलाब जैसे ताजे फूल

इन पौधों को सही दिशा में लगाने से घर का वातावरण शांत और खुशहाल बना रहता है। खासकर तुलसी को घर के आंगन या बालकनी में रखना बेहद शुभ माना जाता है।

अगर नकली पौधे लगाने ही हों तो क्या करें?

हर किसी के पास असली पौधों की देखभाल का समय नहीं होता। ऐसे में अगर आप नकली पौधे इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। कोशिश करें कि वे हमेशा साफ-

सुथरे रहें और उन पर धूल जमा न हो। टूटे या पुराने नकली फूलों को तुरंत हटा देना चाहिए।

साथ ही, पूरे घर को सिर्फ आर्टिफिशियल सजावट से भरने के बजाय कुछ असली पौधे भी जरूर रखें। इससे घर में प्राकृतिक संतुलन बना रहता है और वातावरण ज्यादा फ्रेश महसूस होता है।

घर की सजावट सिर्फ दिखावे के लिए नहीं होती, उसका असर हमारे मूड और माहौल पर भी पड़ता है। वास्तु शास्त्र मानता है कि असली पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं, जबकि नकली पौधों का ज्यादा इस्तेमाल नेगेटिविटी बढ़ा सकता है। इसलिए अगर संभव हो तो घर में ताजे फूल और हरे पौधों को जगह दें। इससे घर सुंदर भी लगेगा और माहौल भी खुशहाल बना रहेगा।

विजय के बाद भी क्यों झुका छत्रपति शिवाजी का सिर

एक बार शिवाजी के सेनापति ने कल्याण का किला जीता। हथियारों के जखीरे के साथ-साथ उनके हाथ अकूत संपत्ति भी लगी। एक सैनिक ने मुगल सूबेदार की खूबसूरत बहू को सेनापति के सामने पेश किया। वह सेनापति उसके सौंदर्य पर मुग्ध हो गया। सेनापति ने शिवाजी महाराज को वह महिला बतौर नजराना भेंट करने की ठानी।

सेनापति उस महिला को एक पालकी में बिठाकर शिवाजी महाराज के दरबार में पहुंचा। शिवाजी महाराज उस समय अपने अधिकारियों के साथ शासन-व्यवस्था के संबंध में विचार-विमर्श कर रहे थे।

युद्ध में जीतकर आए सेनापति ने शिवाजी महाराज को प्रणाम किया और कहा, "महाराज, कल्याण से जीतकर लाई गई एक चीज आपको भेंट करना चाहता हूं।" यह कहकर उसने एक पालकी की ओर इंगित किया। शिवाजी महाराज ने ज्यों ही पालकी का पर्दा उठाया तो देखा कि उसमें एक सुंदर मुगल नवयौवना बैठी हुई है। शिवाजी महाराज का शीश लज्जा से झुक गया। इसके बाद अपने सेनापति को डांटते हुए उन्होंने कहा, "तुम मेरे साथ रहते हुए भी मेरे स्वभाव को समझ नहीं सके। शिवाजी दूसरे की माता-बेटियों को अपनी मां के समान मानते हैं। बिना विलंब किए इन्हें सम्मान के साथ इनकी माता के पास छोड़कर आओ।"

सेनापति शिवाजी महाराज के इस व्यवहार से काफी अचंभित हुआ। मुगल सूबेदार की बहू को उसके घर पहुंचाने के सिवाय उसके पास कोई चारा नहीं था। लेकिन इसके साथ वह शर्मिंदा भी हुआ। उसने शिवाजी महाराज के चरित्र को पहचाना। मुगल खेमे की महिला को पूरी इज्जत के साथ उसके खेमे तक पहुंचा दिया गया।

क्यों कुछ लोग अकेले रहकर भी रहते हैं सबसे ज्यादा खुश? चाणक्य नीति

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग भीड़ के बीच रहकर भी अंदर से अकेलापन महसूस करते हैं। सोशल मीडिया पर हजारों दोस्त होने के बावजूद मन बेचैन रहता है, जबकि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अकेले रहकर भी बेहद शांत, संतुष्ट और खुश दिखाई देते हैं। यही बात अक्सर लोगों को सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर बिना किसी सहारे या हर समय साथ रहने वाले लोगों के बिना कोई इंसान इतना खुश कैसे रह सकता है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में इस सवाल का बेहद गहरा जवाब दिया है। उनके मुताबिक अकेलापन हमेशा कमजोरी की निशानी नहीं होता, बल्कि कई बार यही समय इंसान को सबसे ज्यादा मजबूत बनाता है।

जो लोग खुद को समझ लेते हैं, अपनी भावनाओं को संभालना सीख जाते हैं और दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नहीं रहते, वे जीवन में ज्यादा शांत और संतुलित रहते हैं। चाणक्य मानते थे कि असली खुशी बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि इंसान के अंदर से निकलती है। यही वजह है कि कुछ लोग अकेले रहकर भी टूटते नहीं, बल्कि और ज्यादा मजबूत बन जाते हैं।

खुद से जुड़ना सीख जाते हैं ऐसे लोग आचार्य चाणक्य के अनुसार जो इंसान खुद को समझना सीख जाता है, उसे हर समय किसी के साथ की जरूरत महसूस नहीं होती। ऐसे लोग अपनी कमियों से भागते नहीं हैं और अपनी खूबियों पर घमंड भी नहीं करते। वे खुद के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। आज के समय में आपने भी ऐसे लोगों को देखा होगा जो खाली समय मिलते ही किताब पढ़ने लगते हैं, कुछ नया सीखते हैं या अपने काम पर ध्यान देते हैं। वे हर वक्त फोन या लोगों की मौजूदगी के बिना भी सहज रहते हैं। दरअसल, उनका ध्यान दूसरों को खुश करने से ज्यादा खुद को बेहतर बनाने पर होता है। यही आदत उन्हें अंदर से मजबूत बनाती है।

दूसरों की मंजूरी पर निर्भर नहीं रहते

कई लोग अपनी खुशी को दूसरों की तारीफ से जोड़ लेते हैं। अगर किसी ने सराहना कर दी तो खुश और अगर नजरअंदाज कर दिया तो दुखी। लेकिन चाणक्य कहते हैं कि समझदार व्यक्ति अपनी कीमत खुद जानता है। जो लोग अकेले रहकर भी खुश रहते हैं, वे हर समय लोगों से मान-सम्मान या अटेंशन की उम्मीद नहीं करते। उन्हें इस बात का

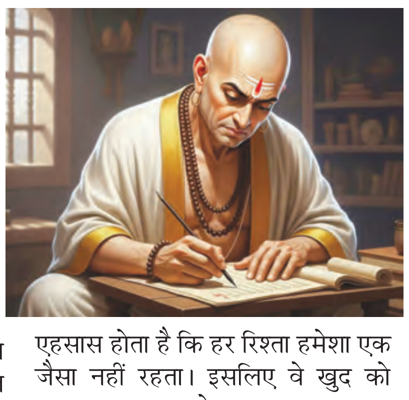

एहसास होता है कि हर रिश्ता हमेशा एक जैसा नहीं रहता। इसलिए वे खुद को भावनात्मक रूप से इतना मजबूत बना लेते हैं कि किसी के बदल जाने से उनकी जिंदगी नहीं टूटती।

रिश्तों की अहमियत समझते हैं, लेकिन खुद को नहीं खोते

अकेले खुश रहने वाले लोग रिश्तों से भागते नहीं हैं। वे परिवार और दोस्तों की अहमियत समझते हैं, लेकिन अपनी पूरी खुशी किसी एक इंसान पर नहीं टिकाते। यही सोच उन्हें मानसिक रूप से ज्यादा स्थिर बनाती है। असल जिंदगी में अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग रिश्ता टूटने या किसी करीबी के दूर हो जाने के बाद पूरी तरह टूट जाते हैं। वहीं कुछ लोग दुख महसूस करने के बावजूद धीरे-धीरे खुद को संभाल लेते हैं। चाणक्य के अनुसार इसका कारण उनकी मानसिक समझ और आत्मविश्वास होता है।

तुलना और दिखावे से दूर रहते हैं

आज सोशल मीडिया के दौर में लोग दूसरों की जिंदगी देखकर खुद को कम आंकने लगते हैं। किसी की महंगी कार, किसी की शानदार नौकरी या किसी की खुशहाल तस्वीरें देखकर कई लोग परेशान हो जाते हैं, लेकिन जो लोग अकेले रहकर भी खुश रहते हैं, वे अपनी जिंदगी की तुलना दूसरों से कम करते हैं। वे दिखावे से दूरी बनाकर रखते हैं और अपने लक्ष्य पर ध्यान देते हैं। यही वजह है कि उनका मन ज्यादा शांत रहता है।

मन को शांत रखना जानते हैं

चाणक्य नीति के मुताबिक शांत मन वाला इंसान हर परिस्थिति में खुद को संभाल सकता है। अकेले खुश रहने वाले लोग बेकार की बहस, ईर्ष्या और नकारात्मक माहौल से दूरी बनाए रखते हैं। ऐसे लोग छोटी-छोटी चीजों में खुशी ढूंढ लेते हैं। कभी सुबह की चाय, कभी पसंदीदा गाना, कभी अकेले टहलना या फिर अपने सपनों पर काम करना उन्हें संतुष्टि देता है। यही छोटी आदतें उनके जीवन को संतुलित बनाती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 21 मई - 2026

दया के साथ सुरक्षा भी जरूरी

सभ्यता विकसित होने के साथ ही समाज में पशुओं के प्रति प्रेम, दया और संवेदना हमेशा से हमारी संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। गाय, कुत्ते और अन्य जीवों के प्रति सह-अस्तित्व की भावना हमारी सामाजिक पहचान रही है। लेकिन जब यही संवेदना आम नागरिकों की सुरक्षा पर भारी पड़ने लगे, तब संतुलन बनाना जरूरी हो जाता है। आवारा कुत्तों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की हालिया सख्त टिप्पणी इसी संतुलन की जरूरत को सामने लाती है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि इंसानी जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली परिस्थितियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि गरिमा के साथ जीने का अधिकार केवल कागजों की बात नहीं है, बल्कि लोगों को भयमुक्त जीवन देने की जिम्मेदारी भी राज्य की है। यदि कोई व्यक्ति अपने ही मोहल्ले, सड़क या पार्क में कुत्तों के हमले के डर से असुरक्षित महसूस करे, तो यह सामान्य स्थिति नहीं मानी जा सकती। बीते कुछ वर्षों में देश के कई शहरों और कस्बों से आवारा कुत्तों के हमलों की खबरें लगातार सामने आई हैं। कई घटनाओं में लोगों को गंभीर चोटें आईं, तो कहीं मासूम बच्चों ने जान तक गंवाई। यह केवल एक स्थानीय समस्या नहीं रह गई, बल्कि शहरी अव्यवस्था और प्रशासनिक विफलता का बड़ा संकेत बन चुकी है। यह भी सच है कि समस्या का समाधान केवल गुस्से या कठोर कदमों से नहीं निकलेगा। पशु प्रेमी संस्थाओं की चिंता भी अपनी जगह उचित है। आवारा कुत्तों को मारना या उनके साथ क्रूर व्यवहार करना किसी सभ्य समाज की पहचान नहीं हो सकता। इसी सोच के तहत नसबंदी और टीकाकरण जैसे कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई थी। उद्देश्य यह था कि उनकी संख्या नियंत्रित हो और बीमारियों पर रोक लगे। लेकिन सवाल है कि क्या इन योजनाओं को जमीन पर सही ढंग से लागू किया गया? यहीं सबसे बड़ी कमी दिखाई देती है। अदालत को भी बार-बार दखल देना पड़ा क्योंकि राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाते नहीं दिखे। नसबंदी केंद्रों की कमी, अपर्याप्त संसाधन और योजनाओं की धीमी गति ने समस्या को और बढ़ा दिया। परिणाम यह हुआ कि संवेदनशील नीति कागजों तक सीमित रह गई और सड़कों पर संकट बढ़ता गया। इस मुद्दे का दूसरा पक्ष भी समझना जरूरी है। समाज में कुछ लोग अत्यधिक भावुकता के कारण सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों को भोजन कराते हैं, लेकिन उनके व्यवहार और संभावित जोखिमों पर ध्यान नहीं देते। पशु प्रेम का अर्थ केवल खाना खिलाना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना भी है जिससे इंसानों और जानवरों दोनों की सुरक्षा बनी रहे। किसी की दया यदि दूसरे की परेशानी या खतरे का कारण बन जाए, तो उस पर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दरअसल, यह लड़ाई पशु बनाम इंसान की नहीं है। यह जिम्मेदारी बनाम लापरवाही का प्रश्न है। राज्य सरकारों, नगर निकायों और संबंधित संस्थाओं को मिलकर दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। बेहतर शेल्टर होम, प्रभावी नसबंदी अभियान, नियमित टीकाकरण और स्थानीय निगरानी तंत्र विकसित करना समय की जरूरत है। संवेदनशील समाज वही होता है जो कमजोरों की रक्षा करे। लेकिन यह संवेदना तब अधूरी हो जाती है जब वह आम नागरिकों की सुरक्षा और भयमुक्त जीवन के अधिकार को नजरअंदाज कर दे। सर्वोच्च न्यायालय का संदेश स्पष्ट है, दया जरूरी है, लेकिन सुरक्षा उससे भी अधिक जरूरी है। अब समय भावनाओं से आगे बढ़कर व्यवहारिक समाधान तलाशने का है।

चीन अमेरिका की कैमरे पर दोस्ती और पर्दे के पीछे डिजिटल जंग

रामस्वरूप रावतसर

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौरे पर चीन की राजधानी बीजिंग पहुँचे थे। यह दौरा 2 दिन का था। इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में ट्रंप के साथ अमेरिका के सबसे बड़े बिजनेस लीडर्स और शीर्ष अधिकारी मौजूद थे लेकिन कैमरे के सामने दिखने वाली दोस्ती के पर्दे के पीछे एक डिजिटल जंग चल रही थी।

चीन दौरे पर जासूसी और हैकिंग का बहुत बड़ा डर देखने को मिला। इसी डर की वजह से अमेरिकी टीम के लिए एक सख्त 'डिजिटल लॉकडाउन' लागू कर दिया था। चीन से वापस लौटते समय अमेरिकी अधिकारियों और पत्रकारों को मिले सभी तोहफे, बैज और पिन विमान पर चढ़ने से पहले ही एयरपोर्ट पर एक कचरे के डिब्बे में फेंकने पड़े।

बताया जा रहा है इसके अलावा अमेरिकी टीम का कोई भी सदस्य अपना पर्सनल मोबाइल या लैपटॉप चीन लेकर ही नहीं गया था। वहाँ बातचीत के लिए सिर्फ कुछ समय वाले अस्थाई 'बर्नर फोन' इस्तेमाल किए गए थे जिन्हें बाद में पूरी तरह नष्ट करने का आदेश दिया गया। साफ-साफ कहें तो अमेरिका को डर था कि चीन इन गिफ्ट्स और फोन के जरिए उनकी खुफिया बातें सुन सकता है या उनका डेटा चोरी कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विमान पर चढ़ने से पहले ही सभी अमेरिकी अधिकारियों और पत्रकारों को साफ कह दिया गया था कि वे चीन से मिला कोई भी सामान प्लेन के अंदर नहीं ले जा सकते। सुरक्षा नियमों के कारण पूरी टीम को चीन की तरफ से मिले तोहफे, पास और कोट पर लगाने वाले सरकारी पिन वहीं रखे एक डिब्बे में फेंकने पड़े। चीन में कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एप्पल के मालिक टिम कुक और एनवीडिया के प्रमुख जेन्सेन हुआंग जैसे बड़े दिग्गज ये पिन लगाए हुए, दिखे थे लेकिन जासूसी के डर से बाद में इन सभी चीजों को कूड़ेदान में डाल दिया गया।

साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार चीन में मोबाइल और लैपटॉप से डेटा चोरी करना या उनमें वायरस डालना बहुत आसान है। वहाँ फोन बंद होने पर भी हैक किया जा सकता है। इसी बड़े खतरे से बचने के लिए अमेरिकी टीम अपने असली फोन और लैपटॉप घर पर ही छोड़ गई थी। चीन में काम चलाने के लिए उन्होंने सिर्फ कुछ दिनों के लिए अस्थाई 'बर्नर फोन' का इस्तेमाल किया था। बाद में इन फोन्स को भी पूरी तरह नष्ट करने का आदेश दिया गया ताकि चीन भविष्य में भी उनकी बातें न सुन सके और जासूसी का कोई खतरा न रहे। अमेरिका के सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन एक 'मास सर्विलांस स्टेट' है यानी वहाँ हर एक गतिविधि पर सरकार की नजर रहती है। सुरक्षा अधिकारियों ने डेलिगेशन को साफ चेतावनी दी थी कि चीन में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक बातचीत सुरक्षित नहीं है। अधिकारियों को होटल के वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट करने या किसी भी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन का इस्तेमाल करने से मना किया गया था। ऐसा 'जूस जैकिंग' के खतरे को देखते हुए किया गया, जिसमें चार्जिंग पोर्ट के जरिए फोन का डेटा चोरी कर लिया जाता है। अमेरिकी दल केवल अमेरिका से साथ लाए गए सरकारी प्रमाणित चार्जर और पावर बैंक का ही इस्तेमाल कर रहा था।

इस डिजिटल लॉकडाउन के कारण अधिकारियों के रोजमर्रा के काम भी प्रभावित हुए, क्योंकि वे क्लाउड स्टोरेज या अपने निजी अकाउंट्स का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। कई बेहद संवेदनशील संदेशों को डिजिटल रूप से भेजने के बजाय अधिकारियों ने आपस में आमने-सामने (इन-पर्सन) बात करके साझा किया।

भोजशाला में लौट आई बहार

डॉ. अर्पण जैन

मध्यप्रदेश का धार जिला न केवल मांडवगढ़, राजा भोज, बाघ गुफ़ा के लिए ही नहीं जानता जाता, बल्कि भोजशाला स्थित वाग्देवी मंदिर के लिए भी देशभर में अलग पहचान रखता है।

भोजशाला सरस्वती मंदिर मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित है। भोजशाला ऐसा धर्मस्थल है, जिसे आक्रांताओं ने नष्ट कर अथवा उसी के हिस्सों का प्रयोग कर उसे मस्ज़िद में बदल दिया। भोजशाला भी उनमें से एक है, जहाँ वर्तमान समय में बसंत पंचमी का उत्सव भी मनाया जाता है और शुक्रवार की नमाज़ भी पढ़ी जाती है और यह सब हुआ इस्लामिक कट्टरपंथी अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा मंदिर को नष्ट किए जाने के बाद किन्तु शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने भोजशाला मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया कि यह मन्दिर था, मंदिर है और मंदिर रहेगा।

इतिहास में भोजशाला का उल्लेख गहरा है। भारत की शासन प्रणाली के प्रांजल अध्याय के रूप में पहचाने जाने वाले परमार राजवंश के शासक राजा भोज ने धार में एक महाविद्यालय की स्थापना की थी, जिसे बाद में भोजशाला के रूप में जाना जाने लगा। कहा जाता है कि राजा भोज माँ शारदे के महान उपासक थे और यही कारण भी था कि उनकी रुचि शिक्षा एवं साहित्य में बहुत ज़्यादा थी। राजा भोज ने ही सन् 1034 में भोजशाला के रूप में एक भव्य पाठशाला का निर्माण किया और यहाँ माता सरस्वती की एक प्रतिमा स्थापित की। इसे तब सरस्वती सदन कहा था। भोजशाला को माता सरस्वती का प्राकट्य स्थान भी माना जाता है।

इतिहास में दर्ज भोजशाला मंदिर से प्राप्त कई शिलालेख 11वीं से 13वीं शताब्दी के हैं। इन शिलालेखों में संस्कृत में व्याकरण के विषय में वर्णन किया गया है। इसके अलावा कुछ शिलालेखों में राजा भोज के बाद शासन संभालने वाले राजाओं की स्तुति की गई है। कुछ ऐसे भी शिलालेख हैं जिनमें शास्त्रीय संस्कृत में नाटकीय रचनाएँ उत्कीर्णित हैं। माता सरस्वती के इस मंदिर को कवि मदन ने अपनी रचनाओं में वर्णित किया था। यहाँ प्राप्त हुई माता सरस्वती की मूल प्रतिमा वर्तमान में लन्दन के संग्रहालय में है। एक समय में माँ सरस्वती का मंदिर होने के साथ भोजशाला भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक था। इसके आलावा यह स्थान विश्व का प्रथम संस्कृत अध्ययन केंद्र भी था। इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के हज़ारों विद्वान आध्यात्म, राजनीति, आयुर्वेद, व्याकरण, ज्योतिष, कला, नाट्य, संगीत, योग, दर्शन आदि विषयों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे। इसके अतिरिक्त इस शिक्षा केंद्र में वायुयान, जलयान तथा कई अन्य स्वचालित (ऑटोमैटिक) यंत्रों के विषय में भी अध्ययन किया जाता था।

ऐतिहासिक तथ्यों के मुताबिक सन् 1305 में मुस्लिम आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी ने भोजशाला पर आक्रमण किया था और उसे नष्ट कर दिया था। बाद में सन् 1401 में दिलावर खां ने भोजशाला के एक भाग में मस्ज़िद का निर्माण करा दिया। अंततः सन् 1514 में महमूद शाह खिलजी ने भोजशाला के शेष बचे हिस्से पर मस्ज़िद का निर्माण करा दिया। समय के साथ यहाँ विवाद बढ़ता गया और अंग्रेज़ी हुकूमत के दौरान भोजशाला को संरक्षित स्मारक घोषित कर दिया गया।

एक रिपोर्ट के अनुसार सन् 1305 में अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय भोजशाला के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी खिलजी की इस्लामिक सेना का विरोध किया था। खिलजी द्वारा लगभग 1,200 छात्र-शिक्षकों को बंदी बनाकर उनसे इस्लाम क़ुबूल करने के लिए कहा गया लेकिन इन सभी ने इस्लाम स्वीकार करने से मना कर दिया। इसके बाद इन विद्वानों की हत्या कर दी गई थी और उनके शव को भोजशाला के ही विशाल हवन कुंड में फेंक दिया गया था। 16वीं शताब्दी में दिलावर खां गौरी ने माँ सरस्वती के मंदिर में बने देवस्थलों को खंडित कर, कमाल मौलाना का अवैध मक़बरा बना दिया। कहा जाता है कि भोजशाला में कमाल मौलाना की मज़ार है जबकि इतिहास यह भी कहता है कि कमाल मौलाना की मृत्यु अहमदाबाद में हुई थी, जहाँ उनकी मज़ार स्थित है। फिर भी भोजशाला में मज़ार होने का दावा तथ्यहीन नज़र आता है। इस तरह एक और हिन्दू मंदिर कट्टरपंथ की भेंट चढ़ गया .

। भोजशाला को लेकर सन् 1952 में महाराजा भोज स्मृति बसंतोत्सव समिति ने मुक्ति के प्रयास प्रारंभ किए थे। सन् 1961 में पुरातत्ववेत्ता व इतिहासकार पद्म श्री डॉ.वाकणकर ने माँ वाग्देवी की प्रतिमा का लंदन संग्रहालय में होना प्रमाणित किया। सन् 1970 के बाद मंदिर परिसर में नमाज़ भी प्रारंभ हो गई।

सन् 1992 बसंत पंचमी को साध्वी ऋतुम्भरा जी द्वारा सरस्वती मंदिर भोजशाला में हनुमान चालीसा का आह्वान किया गया, तब अगले मंगलवार से सत्याग्रह प्रारंभ हुआ। सन् 2000 में 'घर-घर देवालय' स्थापना के द्वारा धर्म जागरण का कार्य भी शुरू हुआ। इसके साथ सन् 2003 में लाखों श्रद्धालुओं ने माँ वाग्देवी का पूजन भोजशाला में किया। 6 फ़रवरी 2003 बसंत पंचमी और शुक्रवार एक ही दिन था, उस दिन भोजशाला मुक्ति के लिए एक लाख से अधिक धर्मरक्षकों का संगम एवं संकल्प ही हुआ। 18-19 फ़रवरी 2003 को भोजशाला आंदोलन में तीन कार्यकर्ताओं का बलिदान हुआ और 1400 कार्यकर्ताओं पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही हुई। 08 अप्रैल 2003 को 650 वर्ष बाद हिन्दूओं को दर्शन एवं पूजन का अधिकार प्राप्त हुआ। सन् 2006 की बंसत पंचमी, शुक्रवार को पहली बार दिन भर गर्भगृह में हवन पूजन किया गया। संगठित हिन्दू समाज के पराक्रम के कारण सन् 2013 में भोजशाला परिसर के बाहर नमाज़ हुई। 2016 में सूर्योदय के साथ ही गर्भ गृह में सरस्वती माता के तेल चित्र की पूजा-स्थापना के साथ यज्ञ प्रारंभ हुआ। संघर्ष, संगठन और पराक्रम के बल पर वर्ष में 52 दिन पूजन का अधिकार प्राप्त हुआ है। 750 वर्ष से चले रहे संघर्ष की पूर्णाहुति लंदन में रखी वाग्देवी सरस्वती की प्रतिमा की सरस्वती मंदिर भोजशाला में पुनर्स्थापना के साथ होगी।

बसंत पंचमी के दिन समस्त हिन्दू समाजजन यहाँ माता सरस्वती की उपासना करने के लिए आते हैं लेकिन यह पूजा-पाठ भी कानून के दायरे में रहकर और भीषण सुरक्षा-व्यवस्था के बीच संपन्न होती है। सन् 2013 में बसंत पंचमी, शुक्रवार के दिन ही थी, जिसके कारण भोजशाला में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी और पुलिस को यहाँ कार्रवाई करनी पड़ी थी। उसी दौरान हिन्दूवादी संघर्षक, भोजशाला मुक्ति मोर्चा के संयोजक नवलकिशोर शर्मा पुलिसिया बर्बरता के शिकार हुए थे। इसके अतिरिक्त सैंकड़ो संघर्षों की गवाह रही भोजशाला में आज तक माँ वाग्देवी की मूल प्रतिमा स्थापित नहीं हो पाई है।शुक्रवार 15 मई 2026 को एएसआई सर्वे की रिपोर्ट इत्यादि के बाद उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद में में बड़ा फैसला सुनाते हुए परिसर को हिंदू मंदिर माना है। इस मामले पर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इंदौर उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 7 अप्रैल, 2003 के एएसआई के आदेश को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है।

इसके अलावा, न्यायालय ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार प्रदान किया है और भोजशाला परिसर को राजा भोज की संपत्ति के रूप में मान्यता दी है।

आतंक के विरुद्ध भारत की निर्णायक लड़ाई

राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (21 मई) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

भारत का इतिहास एक ओर जहां अध्यात्म, विविधता और समरसता की भूमि का रहा है, वहीं दूसरी ओर इसने अतीत और वर्तमान में अनेक आंतरिक और बाहरी संकटों का सामना भी किया है। इन संकटों में सबसे भयावह है आतंकवाद, जिसने न केवल देश की सुरक्षा व्यवस्था को लगातार चुनौती दी है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी झकझोरा है। आतंकवाद कोई सीमित भूभाग का संकट नहीं है बल्कि यह समूचे राष्ट्र की चेतना को आहत करने वाला संकट है। भारत ने सैन्य, कूटनीतिक, सामाजिक और वैचारिक मोर्चों सहित बहुस्तरीय स्तर पर दशकों तक इस समस्या का सामना किया है। आतंकवाद के विरूद्ध जागरूकता फैलाने और शांति एवं सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है। 21 मई को मनाया जाने वाला यह दिवस न केवल इस संघर्ष की स्मृति है बल्कि यह ऐसी प्रतिज्ञा का दिन भी है, जो यह दर्शाती है कि भारत आतंकवाद को किसी भी रूप में सहन नहीं करेगा। कश्मीर घाटी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के सबसे लंबे, संवेदनशील और निर्णायक संघर्ष की साक्षी रही है। कभी अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सूफी परंपराओं, सांस्कृतिक समृद्धि और 'धरती के स्वर्ग' की पहचान के लिए विख्यात यह घाटी पिछले तीन दशकों तक आतंक, रक्तपात और अस्थिरता के भयावह दौर से गुजरती रही। वर्ष 1990 के बाद जिस सुनियोजित तरीके से घाटी में कट्टरपंथ और आतंकवाद की जड़ें जमाई गई, वह केवल स्थानीय असंतोष नहीं बल्कि सीमापार रची गई एक गहरी साजिश का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को चोट पहुंचाना था। इस दौर ने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया, अनगिनत मासूमों की जिंदगी छीन ली और पूरी पीढ़ी को भय, असुरक्षा और हिंसा के साए में जीने के लिए विवश कर दिया। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि घाटी में अब तक हुई हजारों आतंकी घटनाओं में लगभग 42 हजार लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें निर्दोष नागरिक, सुरक्षाबलों के वीर जवान और आतंकवादी शामिल हैं। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2000 से 2024 के बीच घाटी में 22,143 छोटे-बड़े आतंकी हमले दर्ज किए गए, जिनमें 4,981 आम नागरिकों की मौत हुई जबकि मातृभूमि की रक्षा करते हुए 3,624 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इसी दौरान भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस और रणनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए 24,512 आतंकवादियों को मार गिराया। यह केवल आंकड़े नहीं बल्कि उन वीर जवानों के अद्वितीय शौर्य, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की गाथा हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित की। हालांकि बीते एक दशक में भारत की आतंकवाद विरोधी नीति अधिक आक्रामक, तकनीक-सक्षम और रणनीतिक रूप से प्रभावी हुई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004 से 2014 के बीच देशभर में 7,217 आतंकी हमले हुए थे जबकि वर्ष 2014 से 2024 के बीच यह संख्या घटकर 2,242 से भी कम रह गई। इस दौरान आतंकी हिंसा से होने वाली जनहानि में 70 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज की गई। आम नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत और सुरक्षाकर्मियों की शहादतों में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत की मजबूत सुरक्षा रणनीति, सशक्त खुफिया तंत्र और 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने आतंकवाद की कमर तोड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

हालांकि आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आतंकवाद की चुनौती कितनी गहन और विस्तृत है तथा इससे निपटने के लिए भारत को कितनी रणनीतिक गहराई के साथ काम करना पड़ रहा है। 2025 के पहलगाम हमले से इतर देखें तो घाटी में हाल के वर्षों में सामान्य जीवन की बहाली का प्रमाण यही है कि आज वहां के युवा बंदूक नहीं, किताबों की ओर लौट रहे हैं। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ी है, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और पर्यटन के क्षेत्र में भी आशाजनक वृद्धि देखी गई है। रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी ने युवाओं को एक वैकल्पिक जीवन की राह दिखाई है। इन संकेतों से स्पष्ट है कि आतंक केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास से भी पराजित किया जा सकता है। घाटी की जनता अब समझ चुकी है कि आतंक का मार्ग केवल विनाश की ओर ले जाता है जबकि शिक्षा, रोजगार और शांति समृद्धि की ओर। लेकिन इस यात्रा में अब भी चुनौतियां शेष हैं क्योंकि पाकिस्तान अब भी दोहरी नीति अपनाए हुए है, एक ओर शांति की बातें, दूसरी ओर आतंकवाद को समर्थन। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों को आज भी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। इस परिस्थिति में भारत की आतंकवाद के प्रति नीति और भी कठोर और स्पष्ट हो गई है, आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता। यह नीति केवल वक्तव्य नहीं बल्कि क्रियान्वयन की दृढ़ रणनीति है। सीमा पर सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन तकनीक, सुरक्षाबलों को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करना और नागरिक-सैन्य समन्वय को सशक्त करना इस नीति के कार्यान्वयन के मुख्य स्तंभ हैं।

भारत अब यह भी समझता है कि आतंकवाद केवल एक सुरक्षा चुनौती नहीं है बल्कि एक वैचारिक लड़ाई भी है। यह युवा मन को भ्रमित करके उसे हिंसा की ओर ले जाने का प्रयास करता है। ऐसे में शिक्षा, सामाजिक समरसता और संस्कृति का पुनर्प्रतिष्ठान आवश्यक है। घाटी में यदि शांति को स्थायी बनाना है तो केवल सैन्य दबाव नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक और वैचारिक प्रयास भी अत्यंत आवश्यक हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि राष्ट्र निर्माण का मार्ग केवल प्रतिभा, परिश्रम और सकारात्मक सोच से ही बनता है। उन्हें यह बताना होगा कि बंदूकें केवल बर्बादी लाती हैं जबकि किताबें भविष्य बनाती हैं।

आज जब भारत राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मना रहा है तो यह दिन केवल शोक या स्मरण का दिन नहीं है बल्कि यह एक सतत संकल्प का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि आतंक से लड़ाई केवल सेना की नहीं है अपितु यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब समाज के हर वर्ग, बुद्धिजीवी, युवा, महिला, किसान, व्यापारी इस संघर्ष में भागीदार बनते हैं, तभी आतंक की जड़ें हिलती हैं। भारत जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां यह विश्वास किया जा सकता है कि वह दिन अब दूर नहीं, जब कश्मीर घाटी एक बार फिर से केवल चिनार की छांव, झीलों की शांति और सूफी संगीत की मिठास के लिए जानी जाएगी। यह तभी संभव है, जब आतंक की आखिरी परछाई भी मिटा दी जाए और एक साझा संकल्प, साझा रणनीति और साझा कार्रवाई के बल पर एक शांत, समृद्ध और एकजुट भारत का निर्माण हो।

क्या इस तरह निभेगा पड़ोसी धर्म ?

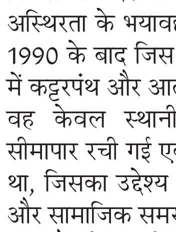

डॉ टी महादेव राव

सुबह सैर के बाद वोट देने के बाद भी न बदलती किस्मत को कोसते मतदाता नागरिक की तरह थका हारा आकर जूतों के फीते खोल रहा था कि पड़ोसी परमानंद पहुंचे और सामने सोफे पर विराजे ठीक सत्ता प्राप्त नए नायक की तरह। बोले राव साहब मुझे दो दिनों के लिए आपकी कार मिलेगी? मेरी गाड़ी तो गेराज में मरम्मत के लिए पड़ी है। साले की शादी में जाना है बस फिर वापस।

मैं अपनी गाड़ी नहीं दे सकता। कल ही पेट्रोल फुल करवाया हूं। गाड़ी की बजाए एसी बस से जायेंगे तो भी कम पैसे में हो जायेगा। आज कल पेट्रोल, डीजल, गैस, खाने के तेल के बचत पर हमारे प्रधान कह रहे हैं। आप तो उनके परम भक्त हैं। मैं सत्ता पक्ष को सवालों के कटघरे में फांसते विपक्ष की तरह था। वह सब छोड़ो। गाड़ी दे रहे हो या नहीं? यह तो यमराज जैसा अड़ा हुआ है। जिस तरह पड़ोसी पाकिस्तान बात नहीं मानता, मैं भी पड़ोसी धर्म से अपने आप को अलग करते हुए कहा अब आप कुछ भी कहें मैं गाड़ी नहीं दे सकता। वार में हारने के बाद पाकिस्तान की तरह वह पैर पटकता हुआ चला गया।मैं नहा धोकर बाहर निकका ही था दूसरे पड़ोसी की पत्नी आकर मेरी श्रीमती को पुकार कर कहने कहने लगी सुषमा जी! खाने का तेल मिलेगा घर में पूड़ियां तलनी है। घर में तेल खत्म है और कल मंगा लूंगी। अरे रम्या जी। आज रविवार है न। मैं घर में जो भी तेल था उसे कड़ाही में डालकर पूड़ियाँ तल रही हूं। मेरे पास भी और तेल नहीं है।

रुकिए। मैं अपनी बेली हुई पूडियां घर से लाती हूं, आप के तेल में ही तल लेते हैं और थोड़ी आलू की साग आप दे दीजिए तो आज के सुबह के नाश्ते का इंतज़ाम हो जाएगा। पत्नी झुंझलाते हुए बोली क्या मुसीबत है? आप तो पहले हमारा बनाया या छुआ खाने को हाथ तक नहीं लगाती थी अपने आपको अग्रवर्ण का बतलाते हुए। आज मेरे तेल में अपनी पूरियां तलने और हमारी सब्जी खाने की बात कर रही हैं। पड़ोसन भी कम नहीं थी। जो बीत गई वो बात गई। माफ कीजिए और गुस्सा थूक दीजिए। कहते हैं न बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेय। आदमी गलतियों से ही सीखता है। न मत कहना सुषमा जी।ठीक है। मेरी बनाई पूरियां और साग ले जाइए। आपकी पूरियों की लोई से दोपहर में रोटियां बना लें। भारत से ऋण लेकर कृतकृत्य होते बांग्लादेश की तरह पुड़ियों और सब्जी का डिब्बा लेकर पड़ोसन चली गई।मैंने कहा ये सब क्या है। गरीबी में आटा गीला। पूड़ियां और साग बांटे जा रहे हैं फिर तोहमत हम पर कि पूरा सामान नहीं लाते। मैंने जैसा परमानंद को मना किया था तुम भी मना कर सकती थी न? मैं उससे कब से माफी मंगवाना चाह रही थी। आज मेरे दिल की भड़ास निकल गई, उस रम्या ने मुझसे माफी मांगी, खुशामद की। यह मेरी जीत है। उस पर मैंने पड़ोसी धर्म भी निभा दिया न! तुम्हारे इगो यानी अहम को शांत करने अगर ऐसा ही चला तो बस बंटाधार और बजट कंट्रोल के पार। छोड़ो सब। मैं बहुत खुश हूं यही उपलब्धि है आज की। आओ बैठो तुम्हें गरम गरम पूड़ी सब्जी खिलाती हूं।

स्वच्छ हवा का मौलिक अधिकार ही सबसे सस्ता शिकार

आरके जैन

हवा में घुलता ज़हर जब रोज़मर्रा की सच्चाई बन जाए, तब नीतियों की प्राथमिकताएँ सवालों के घेरे में आ जाती हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए केवल 1091 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1300 करोड़ रुपये थी—यानी 209 करोड़ रुपये की कमी। यह कटौती ऐसे समय हुई है जब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर पर है। सांस संबंधी बीमारियों के मरीज अस्पतालों में लगातार बढ़ रहे हैं और इलाज का खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यह कमी स्वास्थ्य सुरक्षा पर सीधा दबाव बढ़ाती है। विकास के नाम पर क्या हम अपनी ही सांसों की कीमत चुका रहे हैं—यह प्रश्न अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

साफ हवा अब अधिकार नहीं, चुनौती बनती जा रही है, और इसका बोझ सीधे स्वास्थ्य व्यवस्था पर दिख रहा है। भारत में बाहरी और घरेलू वायु प्रदूषण मिलाकर हर वर्ष लगभग 15–20 लाख असमय मौतों से जुड़ा माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर में पीएम-2.5 का लगातार ऊँचा स्तर जीवन प्रत्याशा को 8.2 वर्ष (2025 एक्यूएलआई रिपोर्ट) तक घटा रहा है। 2022–2024 के बीच दिल्ली के छह प्रमुख अस्पतालों में 2 लाख से अधिक तीव्र श्वसन संक्रमण (एआरआई) के मामले आए, जिनमें 30,424 मरीजों को भर्ती करना पड़ा। आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि पीएम-2.5 में हर 10 इकाई वृद्धि पर श्वसन रोगों के अस्पताल मामलों में 7 की बढ़ोतरी होती है। ऐसे समय में जब स्वास्थ्य सुधार की बातें होती हैं, प्रदूषण नियंत्रण फंड में कटौती स्थिति को और कमजोर करती है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की धीमी रफ्तार आम लोगों की सेहत पर सीधा असर डाल रही है।

यह कटौती केवल बजट का बदलाव नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य पर सीधा असर डालने वाला निर्णय है। जहरीली हवा का प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं—तीनों पर साफ दिख रहा है; बच्चे सांस की तकलीफ झेल रहे हैं, बुजुर्गों में हृदय रोग बढ़ रहे हैं।

महिलाएं घरेलू कामों के साथ बाहर की जहरीली हवा सहन कर रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली में पीएम-2.5 के हर 10 यूनिट बढ़ने पर हृदय संबंधी अस्पताल भर्ती में लगभग 2% (दिल्ली पायलट अध्ययन) की वृद्धि होती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनसीएपी के संसाधन घटने से निगरानी सख्ती और समाधान तीनों प्रभावित होंगे। पहले ही एनसीएपी/एक्सवी-एफसी फंड्स का उपयोग केवल 74% तक सीमित रहा है। नई कटौती से स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। आमजन की सांसें महंगी हो रही हैं, लेकिन सरकार का फोकस अन्य क्षेत्रों पर केंद्रित दिख रहा है।

अस्पतालों पर बढ़ता दबाव अब व्यवस्था की वास्तविक स्थिति दिखा रहा है। इस कटौती से पहले से कमजोर स्वास्थ्य ढांचा और प्रभावित हुआ है। सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी और डॉक्टरों पर बोझ लगातार बना है। प्रदूषण के कारण क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़ (सीओपीडी), अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय रोग के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और कठिन है, जहां सुविधाएं सीमित हैं। बजट 2026 में स्वास्थ्य क्षेत्र को वृद्धि मिली है, लेकिन प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का खर्च उस बढ़ोतरी को निगल जाएगा। डब्ल्यूएचओ और लैंसेट के अनुसार वायु प्रदूषण कैंसर, स्ट्रोक और हृदय रोगों का बड़ा कारण है। यदि फंड कटौती जारी रही, तो स्वास्थ्य बजट का अधिकांश हिस्सा इलाज में ही खर्च होगा, रोकथाम पीछे रह जाएगी।

जब स्वच्छ हवा का अधिकार संकट में हो, तब आधे-अधूरे कदम पर्याप्त नहीं होते। प्रदूषण नियंत्रण फंड को बहाल कर बढ़ाना जरूरी है और एनसीएपी को मजबूत बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, सड़क धूल नियंत्रण, पराली जलाने पर रोक और औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त निगरानी आवश्यक है। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा। मास्क का उपयोग, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, घरों में हरियाली और वृक्षारोपण जैसे छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट और कई अध्ययन स्पष्ट कर चुके हैं कि स्वच्छ वायु मौलिक अधिकार है, इसलिए बजट और नीतियों में इसकी रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हालात की गंभीरता के बीच कुछ सकारात्मक संकेत जरूर हैं, लेकिन वे बढ़ते संकट के सामने बहुत छोटे लगते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को 123 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है, जो पिछले संशोधित अनुमान से थोड़ा अधिक है, साथ ही पर्यावरण शिक्षा और क्षमता निर्माण पर भी बढ़ोतरी हुई है।

लेकिन ये सीमित प्रयास उस बड़े संकट के सामने पर्याप्त नहीं हैं, जहां दिल्ली की हवा लगातार दुनिया की सबसे खराब श्रेणी में बनी रहती है और गाजियाबाद का लोनी जैसे क्षेत्र दुनिया की सबसे प्रदूषित सूची में शीर्ष पर दिखाई देते हैं। एनसीएपी के 40% लक्ष्य की प्रगति अभी भी धीमी है। ऐसे परिदृश्य में आंशिक सुधार नहीं, बल्कि समग्र और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें केंद्र, राज्य और नागरिक मिलकर वास्तविक बदलाव की दिशा में काम करें।

विकास का असली पैमाना वही है जिसमें हर नागरिक सुरक्षित सांस ले सके। बजट 2026 की यह कटौती स्पष्ट करती है कि आर्थिक प्रगति और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि साथ चलने वाली जरूरतें हैं।

देर रात तक जागने और खराब डाइट से किडनी को होता है बहुत अधिक नुकसान

आज कल की जीवनशैली में लोगों के दिनचर्या में पहले कि अपेक्षा काफी बदलाव आया है। चाहे वो मोबाइल का अधिक इस्तमाल, रात में देर तक जागना, बाहर का खान पान, आम आदत बनती जा रही है। इस प्रकार की आधुनिक जीवन शैली से हमारे किडनी के फंक्शन पर बुरा असर पड़ रहा है, हालांकि लोग इसके संकेतों पर ध्यान नहीं दे पाते और लंबे समय तक इस प्रकार की यदि समस्या बनी रहती है तो यह गंभीर स्थिति बन सकती है। ऐसे में गोरखपुर में स्थित रीजेंसी हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजी और कंसल्टेंट डॉ. अर्पित श्रीवास्तव, विस्तार से इसका कारण, इस समस्या से बचाव के बारे में बता रहे हैं।

देर रात तक जागना है खतरनाक

पर्याप्त नींद न लेने और लगातार लेट नाइट रूटीन रहने से शरीर का हार्मोनल संतुलन और बॉडी क्लॉक प्रभावित हो सकती है, जिससे ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और वजन पर असर पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक हाई बीपी, डायबिटीज और मोटापा रहने पर किडनी रोग का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए नियमित और पर्याप्त नींद को ओवरऑल किडनी हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रोसेस्ड और जंक फूड बढ़ा रहे जोखिम

आजकल युवाओं में फास्ट फूड, इंस्टेंट स्नैक्स, पैकेज्ड ड्रिंक्स और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन तेजी से बढ़ा है। इन चीजों में सोडियम, प्रिजर्वेटिव और अनहेल्दी फैट अधिक मात्रा में होते हैं। ज्यादा नमक किडनी पर अतिरिक्त दबाव डालता है और ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स और मीठे पेय पदार्थों का अधिक सेवन शरीर में शुगर और कैलोरी बढ़ाता है, जिससे मोटापा और मेटाबॉलिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक ऐसी डाइट किडनी की फिल्टरिंग क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

पानी कम पीना भी बड़ी वजह

डॉक्टरों के अनुसार शरीर में पानी की कमी होने पर किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और यूरिन अधिक गाढ़ा हो सकता है, जिससे कुछ लोगों में स्टोन या यूरिन इंफेक्शन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्मियों में शरीर से पसीने के जरिए पानी ज्यादा निकलता है, इसलिए पर्याप्त हाइड्रेशन बनाए रखना जरूरी माना जाता है। हालांकि पानी की सही मात्रा हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है और यह उम्र, मौसम, शारीरिक गतिविधि व स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करती है।

लाइफस्टाइल में करें छोटे बड़े बदलाव

लाइफस्टाइल में छोटे बदलाव अपनाकर किडनी की बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद, नियमित एक्सरसाइज और पर्याप्त पानी पीने जैसी आदतें किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा जंक फूड और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करना भी जरूरी है।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल साथ होने पर क्या करें क्या खाएं और किन चीजों से बचें, आयुर्वेदिक दवा क्या हैं?

शरीर में बढ़ रही बीमारियों का बड़ा कारण खराब लाइफस्टाइल और डाइट है। इससे डायबिटीज, फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या तेजी से बढ़ रही है। कई बार लोगों को फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल दोनों साथ में होते हैं। ये सुनने में भले ही अलग-अलग बीमारी लगें, लेकिन दोनों आपस में जुड़ी हुई हैं। ये आपके खराब मेटाबॉलिज्म की ओर संकेत है। लिवर शरीर का फिल्टर है जो केमिकल और खराब फैट को बाहर निकालता है। लेकिन जब लिवर में फैट बढ़ जाता है तो ये खून में गंदे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने लगता है। इसके लिए सिर्फ तेल मसालेदार खाना छोड़ने से कुछ नहीं होगा। बल्कि आपको हेल्दी डाइट और कुछ आयुर्वेदिक दवाएं साथ में अपनानी होंगी। आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा ने बताया कि आपको अपने मेटाबॉलिज्म को तेज करने पर काम करना होगा। जिससे लिवर का काम बेहतर हो सके।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल में क्या खाएं?

ऐसे लोगों को खाने में साबुत अनाज, पुराना चावल, जौ,

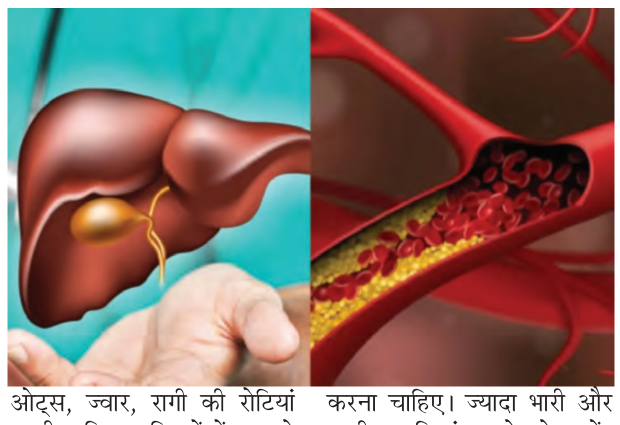

ओट्स, ज्वार, रागी की रोटियां खानी चाहिए। सब्जियों में आपको हरी सब्जियां जैसे करेला, लौकी, तरोई, पालक, परवल को कम तेल में पकाकर खाना चाहिए। फलों में आपको पपीता, सेब, नाशपाती, जामुन, अमरुद, कीवी खाना चाहिए। फैट बहुत कम मात्रा में शुद्ध देसी गाय का घी और बिना पकाए यानि ऊपर से ऑलिव ऑयल खा लें। पीने में गुनगुना पानी, धनिए का पानी, नींबू पानी, पतली ताजा मसाला छाछ पीएं।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल में क्या नहीं खाएं?

आपको बाहर का खाना, मैदा, नया सफेद चावल, वाइट ब्रेड, पैकेटबंद नूडल्स खाने से परहेज करना चाहिए। ज्यादा भारी और बासी सब्ज़ियां खाने से बचें। इसके साथ ही कच्चा प्याज, कटहल और ज्यादा आलू न खाएं। बहुत ज्यादा पके और मीठे फल जैसे केला, आम, चीकू, डिब्बाबंद मीठे जूस न पीएं। रिफाइंड ऑयल, डालडा, ट्रांस फैट्स, डीप फ्राई की हुई गरिष्ठ चीज़ें खाने से बचें। कोल्ड ड्रिंक्स, बर्फ का पानी, शराब, कड़क कॉफी पीने से भी बचें।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल का आयुर्वेदिक इलाज

त्रिफला- ऐसे लोगों को आंतों को साफ रखना जरूरी है। इससे लिवर डिटॉक्स होता है और पाचन बेहतर होता है। रात में 1 चम्मच त्रिफला गुनगुने पानी के साथ लें। इससे शरीर की गंदगी निकल जाएगी और लिवर अच्छा काम करेगा।

गिलोय- आयुर्वेद में गिलोय को बहुत फायदेमंद माना जाता है। गिलोय का सेवन करने से लिवर की सूजन कम होती है। इससे इम्युनिटी बढ़ती है और लिवर मजबूत बनता है।

धनिया पानी- लिवर के मरीज के लिए धनिए का पानी पीना भी फायदेमंद है। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार आता है। लिवर में जमा फैट कम होता है और गर्मी शांत होती है। रात में 1 गिलास पानी में धनिए के बीज डालकर भिगो दें और सुबह इस पानी को छानकर पी लें।

गुग्गुल- आयुर्वेद में गुग्गल को नसों में जमे हुए ज़िद्दी कोलेस्ट्रॉल को निकालने में असरदार माना जाता है। शुद्ध गुग्गुल खाने से हार्ट हेल्थ में भी सुधार आता है।

कुटकी- लिवर में जमा होने वाले फैट और टॉक्सिन्स को निकालने में कुटकी मदद करता है। ये लिवर के लिए खास फायदेमंद मानी जाने वाली औषधि है। इससे बढ़े हुए SGOT/SGPT का लेवल भी नॉर्मल हो जाता है।

बासी मुंह कच्चा लहसुन खाने से क्या होता है?

कच्चे लहसुन में भरपूर मात्रा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। सुबह खाली पेट इसे चबाकर खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है, जिससे आप सर्दी, खांसी, जुकाम और मौसमी बीमारियों से दूर रहते हैं।

लहसुन खून को प्राकृतिक रूप से पतला करने का काम करता है। बासी मुंह इसका सेवन करने से धमनियों में ब्लॉकेज का खतरा कम होता है, ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मददगार है।

खाली पेट लहसुन चबाने से हमारे पेट के एंजाइम अधिक सक्रिय होते हैं। यह आंतों में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है और गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड्स शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट इसके सेवन से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है और खून साफ होता है, जिसका सीधा असर आपकी त्वचा पर दिखता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बासी मुंह कच्चा लहसुन खाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह शरीर में इंसुलिन की मात्रा को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल अचानक से नहीं बढ़ता।

नींबू पानी एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाता है या नहीं?

आजकल सुबह सुबह खाली पेट नींबू पानी बहुत आम चलन हो गया है। हर दूसरा व्यक्ति सुबह उठने के बाद नींबू पानी पीता है। बहुत से लोग इसे वेट लॉस में कारगर मानते हैं। वहीं कुछ लोगों का ये भी मानना है कि सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। लेकिन ये हर किसी पर लागू नहीं होता क्योंकि हर व्यक्ति की पाचन शक्ति अलग होती है। ऐसे में बड़ा सवाल ये उठता है कि नींबू पानी एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाने में सहायक है या नहीं। चलिए जानते हैं।

नींबू पानी काम कैसे करता है?

अल्केलाइजिंग प्रभाव: नींबू का रस बाहर भले ही एसिडिक हो, लेकिन जब यह हमारे शरीर के अंदर जाकर पचता है, तो इसके बायप्रोडक्ट्स अल्केलाइन हो जाते हैं। यह पेट के बढ़े हुए

एसिड को बेअसर करने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से लीवर अधिक मात्रा में पित्त बनाता है, जो पाचन को दुरुस्त करता है और भोजन के बाद होने वाली गैस व एसिडिटी से छुटकारा दिलाता है।

नींबू पानी कब नुकसान पहुंचा सकता है?

हर किसी का शरीर अलग होता है। कुछ स्थितियों में नींबू पानी एसिडिटी को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है। अगर आपको पहले से ही गंभीर एसिडिटी या पेट में अल्सर है, तो सुबह खाली पेट बिना पानी मिलाए या बहुत कम पानी में नींबू का रस पीने से खाने की नली में जलन बढ़ सकती है। वहीं जिन लोगों को एसिड रिफ्लक्सकी पुरानी बीमारी है, उनके लिए नींबू का साइट्रिक एसिड खाने की नली के निचले हिस्से को परेशान कर सकता है।

इस्तेमाल करने का सही तरीका

अगर आप एसिडिटी से राहत के लिए नींबू पानी आजमाना चाहते हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें।

पानी की मात्रा ज्यादा रखें: एक गिलास गुनगुने या नॉर्मल पानी में केवल आधा नींबू या एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे कभी भी सीधा या गाढ़ा न पिएं।

मीठे से बचें: इसमें चीनी मिलाने से बचें, क्योंकि चीनी पेट में एसिडिटी को और बढ़ा सकती है। आप चाहें तो एक चुटकी काला नमक या भुना हुआ जीरा मिला सकते हैं।

खाना खाने के बाद: भारी भोजन के करीब 30 मिनट बाद इसे पीने से पाचन में मदद मिलती है।

अहा! मेरी जान चाय ! तो हो जाय, एक कप चाय !

डॉ घनश्याम बादल

कोई खुशी का अवसर है- "चलो चाय पीते हैं", तनाव बढ़ गया है- "चलो चाय पीते हैं" काम में बहुत बिजी हैं- "चलो चाय तो पी ही लेते हैं' और खाली बैठे हैं तो क्या करें - "एक कप चाय हो जाए!" । आपस में बात करने का बहाना ढूंढना हो तो फिर एक कप चाय पर जाइए या किसी को बुलाएं, इससे बेहतर विकल्प शायद ही मिले। तो कह सकते हैं कि चाय का हम भारतीयों के जीवन में बड़ा महत्व है और आज यानी 21 मई को जब सारी दुनिया मना रही है चाय दिवस तो जानते हैं चाय के उद्भव, विकास और जीवन के हर पहलू में घुस जाने की रोचक गाथा।

21 मई केवल एक पेय पदार्थ के सम्मान का दिन नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों के श्रम, संस्कृति और जीवनशैली का उत्सव भी है जिनके जीवन में चाय गहराई से रची-बसी है। आज चाय केवल एक पेय नहीं रही, बल्कि यह सामाजिक संवाद, आत्मीयता, अतिथि-सत्कार और दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है।

भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में सुबह की शुरुआत चाय से होती है और दिनभर की थकान भी एक प्याली चाय दूर कर देती है।

चाय का इतिहास और उत्पत्ति

चाय का इतिहास लगभग पाँच हजार वर्ष पुराना है। इसकी खोज चीन में 2737 ईसा पूर्व हुई । कहते हैं कि चीन के सम्राट शेन नुंग के सामने उबलते पानी में कुछ पत्तियाँ गिर गईं, जिससे पानी का रंग और स्वाद बदल गया। सम्राट को यह पेय इतना पसंद आया कि धीरे-धीरे इसका उपयोग बढ़ने लगा बाद में यह पत्तियां ही चीन में 'चा' और 'ते' के नाम से जानी गई। कथा इसे बोधिसत्व की आंखों की पलकों से भी जोड़ती है।

बाद में यही चाय चीन से जापान, कोरिया होती हुई यूरोप तक पहुँची। 17वीं शताब्दी में अंग्रेज व्यापारियों ने चाय को 'टी' बनाकर यूरोप में लोकप्रिय बनाया। अरबी में यह 'शाय' कहलाई तो पंजाबी में 'चाह' तमिल में 'थेनीर कन्नड़ में 'चाहा' बन गई। कुल मिलाकर अलग-अलग नाम से दुनिया भर में चाय ने आज धूम मचा रखी है।

21 मई चाय दिवस पर विशेष

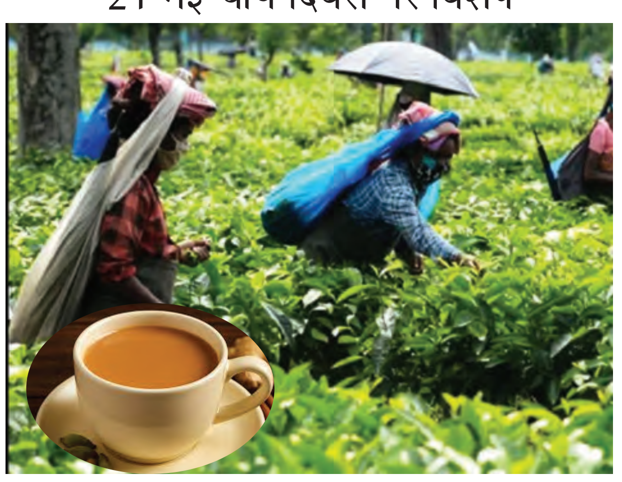

भारत में अंग्रेजों ने असम और दार्जिलिंग के क्षेत्रों में चाय के बागान स्थापित कर भारत को चाय प्रेमी और प्रमुख उत्पादक देश बना दिया। आज भारत, चीन, श्रीलंका और केन्या विश्व के बड़े चाय उत्पादक देश हैं। भारत की असम, दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय विश्वभर में अपनी विशेष सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।

चाय का प्रसार और लोकप्रियता

धीरे-धीरेचाय लोगों की संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बनती चली गई। भारत में रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, कार्यालयों, खेतों और घरों में चाय हर जगह दिखाई देती है। "चाय पर चर्चा" केवल एक कहावत नहीं, बल्कि भारतीय सामाजिक जीवन की सच्चाई है।गाँवों में मेहमानों के स्वागत से लेकर शहरों में कार्यालयी बैठकों तक, चाय आत्मीयता का प्रतीक बन चुकी है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े उद्योगपतियों तक, हर वर्ग के लोग चाय से जुड़े हैं। लाखों मजदूर, किसान और छोटे व्यापारी चाय उद्योग से रोजगार प्राप्त करते हैं। जहां भारत में शक्कर, दूध व पानी के मिश्रण से बनी चाय सबसे प्रसिद्ध है वहीं काली चाय, हरी चाय, हर्बल चाय, मसाला चाय, लेमन टी आदि बदलती जीवनशैली के साथ चाय ने अपने अनेक रूप विकसित कर लिए हैं। विदेश में अमूमन चाय की पत्तियां पानी में एक बार उबालकर ही पी जाती है।

आम आदमी और चाय :

भारत जैसे देश में चाय आम आदमी की ऊर्जा और ताजगी का साधन है। दिनभर मेहनत करने वाले मजदूर के लिए चाय थकान मिटाने का माध्यम है, तो विद्यार्थियों के लिए देर रात तक पढ़ाई में जागने का सहारा। कार्यालयों में काम के बीच चाय का छोटा-सा विराम मानसिक तनाव को कम करता है। चाय सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परिवार के सदस्य सुबह एक साथ बैठकर चाय पीते हैं, मित्र मंडली चाय की दुकान पर मिलती है और कई बार महत्वपूर्ण सामाजिक एवं राजनीतिक चर्चाएँ भी चाय के साथ ही शुरू होती हैं।भारत में "एक कप चाय" कई बार रिश्तों को जोड़ने का माध्यम बन जाती है। अतिथि के स्वागत में चाय देना सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक माना जाता है।

चाय के लाभ

चाय केवल स्वाद ही नहीं देती, बल्कि सीमित मात्रा में इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है।चाय में कैफीन की मात्रा होती है जो शरीर और मस्तिष्क को सक्रिय बनाती है। इससे थकान कम होती है और व्यक्ति तरोताजा महसूस करता है। चाय पीने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। विद्यार्थी और कामकाजी लोग अक्सर मानसिक सतर्कता बनाए रखने के लिए चाय का सेवन करते हैं।

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक माने जाते हैं। अदरक, इलायची और तुलसी वाली चाय पाचन को बेहतर बनाने तथा सर्दी-जुकाम में राहत देने में उपयोगी मानी जाती है।

चाय की हानियाँ

जहाँ संतुलित मात्रा में चाय लाभदायक हो सकती है, वहीं अत्यधिक सेवन नुकसान भी पहुँचा सकता है। अधिक चाय पीने से नींद प्रभावित हो सकती है क्योंकि इसमें कैफीन होता है। खाली पेट या अत्यधिक चाय पीने से एसिडिटी और गैस की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ज्यादा चाय पीने की आदत व्यक्ति को इसकी एडिक्ट बना सकती है। कई लोगों को बार-बार चाय न मिलने पर सिरदर्द या चिड़चिड़ापन महसूस होता है। भारत में अधिकतर लोग मीठी चाय पीते हैं। ज्यादा चीनी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।अत्यधिक चाय शरीर में आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकती है, जिससे कमजोरी या एनीमिया की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए बेहतर हो कि चाय का सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए। हर्बल और कम चीनी वाली चाय की ओर लोगों का झुकाव बढ़ रहा है, जो स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

खण्डित सौन्दर्य की लूट

ये मूर्ति मेट्रोपॉलिटेन म्यूजियम न्यूयार्क में थी। लूटी हुई वस्तुओं की श्रेणी में, माने यह मूर्ति चोरी होकर के गई थी। अब भारत को लौटाई गई है।

इस मूर्ति के मुख को जूम करके देखिए। होंठों के कोर, चिबुक, गालों के भराव के नीचे की ओर गहराती मुस्कान अपनी संपूर्णता में है परंतु इन्हें विरूपित करने वाले की मानसिकी और मनोवैज्ञानिकी क्या रही होगी? मूर्तिपूजा का विरोध इसे विरूपित करने का कारण नहीं हो सकता है क्योंकि कोई इस मूर्ति की पूजा नहीं कर रहा था। यह एक कलाकृति थी। आज भी मनुष्यता की विरासत का एक टुकड़ा है। मूर्तिपूजा-विरोध एक सुविधाजनक आख्यान है। इतिहास में जब तब भी किसी ने कला को, प्रतिमाओं को, ग्रंथों को नष्ट किया है, उसने सदैव कोई न कोई धार्मिक, राजनीतिक या वैचारिक आवरण ओढ़ा है। उदाहरण के लिए बामियान की बुद्ध-प्रतिमाएँ, अलेक्जेंड्रिया का पुस्तकालय, नालंदा का विश्वविद्यालय, लाइब्रेरी ऑफ कॉन्स्टेंटिनोपल - इन सबके विनाश में विचारधाराएँ तो थीं ही लेकिन विचारधाराओं के परत के नीचे कुछ और था। मलबे के नीचे लावे की पसरती आग सा।

मिशेल फूको ने ''पावर/नॉलेज'' में कहा था कि ज्ञान और शक्ति अविभाज्य हैं। जो ज्ञान को नियंत्रित करता है, वही शक्ति को भी नियंत्रित करता है। कला भी एक प्रकार का ज्ञान है। कला की अपनी भाषा है। कला बिन शब्दों, बिन बोल बताती है कि किसी काल में मनुष्य क्या था, क्या सोचता था, किसे दिव्य

मानता था, कैसे देखता था।

इस मूर्ति की मुस्कान एक प्रकार का ज्ञान है। अज्ञानियों के लिए ज्ञान डरावना होता है उनके लिए जो भय सृजन कर जीवन को नियंत्रित करना चाहते हैं। इस डरावनेपन शब्द को लेकर यहाँ एक प्रश्न भी उभरता है कि क्या इस मूर्ति के काटने वाले के हाथ-पैर किसी ने काट दिये थे। या वह किसी अन्य गहन विकलांगता से ग्रसित था ? इस मूर्ति के अंग भंग करने वाला वह कौन था? एक आक्रमणकारी सैनिक? कोई एक धार्मिक उन्माद में डूबा हुआ ? एक उपेक्षित, अपमानित, हाशिये पर धकेला गया कोई जो पहली बार किसी ''बड़ी'' चीज़ के सामने ताकतवर महसूस करना चाहता था? या कोई ऐसा जिसे आदेश दिया गया था?

यह मूर्ति पत्थर नहीं है। यह किसी की स्मृति है। किसी की प्रार्थना है। किसी के सौन्दर्य स्वप्न का संचित भार है जो पाषाण में उतर आया है। और इस सौन्दर्य भाव के किसी ने इसके हाथ पैर क्षतिग्रस्त कर दिए।

जरा सोचें। कल्पना करें कि जब किसी ने इस मूर्ति का अंगभंग किया - उसने किसका विरोध किया? किस सत्ता से लड़ा? किस भय को जीता? फ्रायड ने कहा था कि विनाश एक आनंद है - डेथ ड्राइव या मृत्युवृत्ति। मनुष्य में सृजन की जितनी गहरी इच्छा है, उतनी ही गहरी, शायद उससे भी गहरी विध्वंस की इच्छा है। जो बना हो उसे मिटाना, जो पूर्ण हो उसे खंडित करना, जो सुंदर हो उसे विकृत करना। यह केवल क्रोध नहीं, यह एक प्रकार की आदिम ''मैं हूँ'' शक्ति का प्रमाण है।

इस मूर्ति की मुस्कान कह रही है कि सौन्दर्य अजेय है। वह मुस्कान कह रही है कि जो एक बार सच्चे मन से बना, वह मिटाया नहीं जा सकता - न पत्थर से, न स्मृति से, न इतिहास से। वह मुस्कान कह रही है कि विनाश की प्रतिक्रिया विनाश नहीं है। वह करुणा है, वह सृजन है, वह उस सौन्दर्य को याद रखना है। और वह मुस्कान कह रही है - बड़े धैर्य से, बड़े शांत भाव से कि जो अंग काटने आया था, वह चला गया। लेकिन यह मुस्कान यहाँ है। यहाँ। अभी। आपके और मेरे सामने। ऐसी प्रतिमा लौटे तो लगता है हमारी मुस्कान, हमारा सौंदर्य का अंश लौट आया है।

जब कोई चीज़ जो छीनी गई थी, लौटती है तो वह केवल एक वस्तु नहीं लौटती। एक गरिमा लौटती है। एक स्मृति लौटती है। एक ऐसा अधूरापन भरता है जिसका नाम भी हमें ठीक से नहीं पता था।

मनोज कुमार श्रीवास्तव

आर माधवन का फूटा गुस्सा, बिना अनुमति वीडियो इस्तेमाल करने पर हेल्थ ब्रांड को जमकर लताड़ा; भेजा लीगल नोटिस

आर माधवन 'धुरंधर' फिल्म के बाद से ही चर्चाओं में हैं। इसी बीच अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ब्रांड को लताड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी इजाजत के बगैर ब्रांड के प्रचार के लिए उनका नाम इस्तमाल किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

आर माधवन ने बताया कि ब्रांड ने उनकी वीडियो क्लिप को ऐसे दिखाया, जैसे वह उनके प्रोडक्ट का प्रचार कर रहे हों। इस मामले में उन्होंने लीगल नोटिस भी भेज दिया है।

माधवन ने अपने इंस्टाग्राम पर नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि कुछ लोग और कंपनियां कैसे सोच लेते हैं कि वे किसी के इंटरव्यू का हिस्सा उठाकर उसे अपनी एड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने साफ कहा कि बिना अनुमति किसी की वीडियो को एंडोर्समेंट की तरह दिखाना गलत है।

विज्ञापन को बताया 'फ्रॉड'

उन्होंने लोगों को सावधान रहने की सलाह देते हुए इस विज्ञापन को 'फ्रॉड' बताया। माधवन ने कहा कि उस रील को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे वह खुद उस प्रोडक्ट को प्रमोट कर रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी ऐसा नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस तरह लोग जनता को गुमराह करेंगे, तो कोई उन पर भरोसा कैसे करेगा।

एक्टर के रिएक्शन के बाद डिलीट हुआ वीडियो

बताया जा रहा है कि अब डिलीट हो चुकी उस रील में माधवन के एक इंटरव्यू की क्लिप का इस्तेमाल किया गया था। वीडियो में एक शख्स खुद को डॉक्टर बताते हुए अभिनेता के ट्रांसफॉर्मेशन की बात कर रहा था और उसी के जरिए प्रोडक्ट का प्रचार किया जा रहा था।

आर माधवन का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो आर माधवन पिछले साल 'केसरी 2', 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों में नजर आए थे। वहीं 2026 में उन्होंने 'धुरंधर 2' में अजय सान्याल का किरदार दोबारा निभाया, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया।

'धुरंधर' राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा? एचसी से मंत्रालय को जांच के निर्देश, सैन्यकर्मी ने दी याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक सैन्यकर्मी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड को निर्देश दिया है कि वो 'धुरंधर' में दिखाए गए उन सीन्स की जांच करें, जिन्हें राष्ट्र की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बताया जा रहा है। जानिए पूरा मामला:

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड (CBFC) को निर्देश दिया है कि वो फिल्म 'धुरंधर' में दिखाए गए कुछ सीन्स को लेकर उठाई गई राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर विचार कर उचित निर्णय लें। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दे 'विचारणीय' हैं और उन्हें 'उचित तरीके से संबोधित' किया जाना चाहिए।

सैन्यकर्मी ने दायर की थी 'धुरंधर' के खिलाफ याचिका

'धुरंधर' के खिलाफ याचिका एक सैन्यकर्मी द्वारा दायर की गई थी, जो व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित हुआ। उसने दावा किया कि फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जिनमें सेना और सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियों, ऑपरेशनल तरीकों और

संवेदनशील लोकेशनों को बहुत स्पष्टता के साथ दिखाया गया है, और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि भले ही फिल्म को 'फिक्शन' बताया गया हो, लेकिन इस तरह का चित्रण देश की सुरक्षा और अखंडता के हित में नहीं माना जा सकता। यह उसके लिए खतरा है।

एचसी की टिप्पणी- फिल्मों का प्रभाव पड़ता है, इसीलिए सेंसरशिप जरूरी

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि फिल्मों का प्रभाव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहता। बेंच ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसी फिल्म में आत्महत्या से पहले ऑनलाइन तरीके खोजने जैसे सीन्स विस्तार से दिखाए जाएं, तो यह सवाल उठता है कि क्या ऐसे चित्रण 'उद्देश्यपूर्ण' हैं? कोर्ट ने कहा कि फिल्मों के प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता और इसी कारण सेंसरशिप और दिशानिर्देशों की जरूरत पड़ती है।

क्या बोला दिल्ली हाई कोर्ट?

याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट को बताया कि उसने 23 मार्च 2026 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड को एक विस्तृत प्रतिनिधित्व भी भेजा था, जिसमें फिल्म के कई सीन्स पर आपत्ति दर्ज की गई थी। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि उसने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिका को प्रतिनिधित्व मानते हुए सक्षम प्राधिकारी पूरे मामले पर विचार करे और जरूरी लगने पर 'सुधारात्मक कदम' उठाए। साथ ही, लिया गया निर्णय याचिकाकर्ता को भी सूचित किया जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की कमाई

'धुरंधर' दिसंबर 2025 में रिलीज हुई थी, और इसने दुनियाभर में 1,307.35 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन और भारत में 840.20 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, सीक्वल यानी 'धुरंधर 2' 18 मार्च 2026 को पेड प्रिव्यूज के साथ थिएटर्स में रिलीज हुई और अभी तक भी बॉक्स ऑफिस पर जलवा दिखा रही है। 62वें दिन भी इसने सिर्फ 408 शोज से ही 22 लाख की कमाई कर ली। अभी तक इसने भारत में 1,371.95 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन और 1,146.35 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है। वहीं वर्ल्डवाइड इसने 1,798.62 करोड़ की वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई कर ली है।

किम कार्दशियन के शिपमेंट में 8.4 मिलियन डॉलर के कोकीन की तस्करी का पर्दाफाश, ड्राइवर को साढ़े 13 साल जेल

किम कार्दशियन के क्लोदिंग ब्रैंड 'स्किम्स' के अंडरवियर और कपड़ों के शिपमेंट में 8.4 मिलियन डॉलर की कीमत की कोकीन के तस्करी का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में पोलैंड के एक ट्रक ड्राइवर को पकड़ा गया है और उसे 13 साल और छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। कोकीन तस्करी का खुलासा खुलासा यूनाइटेड किंगडम के अधिकारियों के मुताबिक, पोर्ट पर जांच के दौरान हुआ।

चेम्सफ़ोर्ड क्राउन कोर्ट ने नैशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) की जांच के बाद 40 साल के जैकूब यान कोन्केल को सजा सुनाई गई है। इस मामले में उसे नीदरलैंड से किम कार्दशियन के 'स्किम्स' ब्रांड के कपड़ों के 28 पैलेट ले जा रहे अपने ट्रक में ड्रग्स छिपाने का दोषी पाया गया था।

हालांकि ये मामला 5 सितंबर 2025 का है। पिछले साल सितंबर में, उत्तरी पोलैंड के रहने वाले जैकब को एसेक्स के हार्विच पोर्ट पर सीमा बल के अधिकारियों ने उस समय रोक लिया जब वह हुक ऑफ हॉलैंड से एक फेरी से आ रहे थे। उनके इस भारी ट्रक का एक्स-रे किया गया, जिससे उसमें छिपा हुआ और बैन सामान बरामद हुआ।

एक्सपोर्टर और इम्पोर्टर का इस तस्करी वाले सामान से कोई संबंध नहीं

जांच के बाद पता लगा कि ट्रक में मौजूद माल पूरी तरह से वैध था और न तो एक्सपोर्टर और न ही इम्पोर्टर का इन तस्करी किए गए माल से कोई कनेक्शन था। यूएसए टुडे को दिए एक बयान में 'स्किम्स' की तरफ से कहा गया, 'स्किम्स को इस आपराधिक गतिविधि के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। तस्करी के इस अभियान, चालक या ट्रक से हमारा कोई संबंध नहीं था।'

नैशनल क्राइम एजेंसी के अधिकारियों ने ट्रक की एक्स-रे स्कैनिंग की और ट्रेलर के बनावट में कुछ अनियमितताएं पाईं। बताया गया है कि ये ट्रक स्पेशली मोडिफाइड था और पीछे के ट्रेलर के दरवाजों की बाहरी गेट में एक छुपी हुई जगह बनाई गई थी। तलाशी में पीछे के दरवाजों में बना एक नकली डिब्बा मिला, जिसमें कोकीन के 90 पैकेट छिपाए गए थे। हर डिब्बे का वजन 2 पाउंड था। मामले की जांच में इस बात का भी पता चला कि जैकब ने इस जर्नी के दौरान रुककर 198 पाउंड वजन के कोकीन के 90 पैकेट खरीदे थे और इसे काफी सफाई से उसने इन जगहों में रख दिए।

ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप अक्सर जैकब जैसे लोगों की मदद से ये काम करते हैं

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकब ने पहले तो क्लास ए ड्रग्स के बारे में कुछ भी पता होने से साफ-साफ इनकार किया। लेकिन आखिर में उसे स्वीकार करना पड़ा और उसने कुबूला कि वो 4,500 यूरो की ड्रग्स तस्करी में वो शामिल था। नैशनल क्राइम एजेंसी के मैनेजर पॉल ऑर्चर्ड ने बताया कि ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप अक्सर जैकब जैसे लोगों की मदद से ड्रग्स को बॉर्डर पार कराते हैं।

'5 करोड़ रुपये बड़ी रकम नहीं', चेक बाउंस मामले पर फिर बोले राजपाल यादव

कहा– इसे बेवजह सनसनीखेज बनाया गया

राजपाल यादव इन दिनों फिलहाल 5 करोड़ रुपए के चेक बाउंस मामले में अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर हैं। यह रकम 5 करोड़ रुपए की थी, जो अब बढ़कर 9 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। राजपाल इस बारे में कई बार खुलकर बात कर चुके हैं, अब एक बार फिर अभिनेता ने इस मामले पर अपनी बात रखी है। एक्टर का कहना है कि मामले को गलत समझा गया है और इसे बेवजह सनसनीखेज बना दिया गया है।

मामला धोखाधड़ी से संबंधित नहीं है

राजपाल यादव हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की। एक्टर ने कहा कि 5 करोड़ रुपये कोई बहुत बड़ी रकम नहीं है। अगर यह 500 करोड़ या 5000 करोड़ रुपये होते, तो शायद मुझे लगता कि कुछ बहुत बड़ा हुआ है।

मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता क्योंकि माननीय उच्च न्यायालय के जो भी आदेश होंगे, उनका पालन किया जाएगा। अपनी बात स्पष्ट करते हुए राजपाल ने कहा कि यह मामला धोखाधड़ी से संबंधित नहीं है, बल्कि एक फिल्म प्रोजेक्ट में इनवेस्ट से जुड़ा है। प्रोजेक्ट की कीमत 22 करोड़ रुपये थी और इसमें कई लोगों की मेहनत और पैसा लगा था।

मामले को गलत तरीके से पेश किया गया

स्थिति को समझाने के लिए राजपाल ने फिल्म मेकिंग की तुलना चाय बनाने से की। उन्होंने कहा कि चाय सिर्फ एक चीज से नहीं बनती। इसमें चीनी, चाय की पत्तियां, दूध और कई लोगों का प्रयास शामिल होता है। इसी तरह एक फिल्म में भी कई लोगों का पैसा और मेहनत लगती है।

किसी फिल्म की रिलीज से पहले उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से उससे जुड़े सभी लोग प्रभावित होते हैं। सवाल यह भी है कि अगर

यह लोन था और सभी डॉक्यूमेंट्स मौजूद हैं, तो इसे सार्वजनिक रूप से धोखाधड़ी क्यों कहा गया?

यह खामखा प्रचार था और लोगों ने जनता के सामने मामले को गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने आगे दावा किया कि इस विवाद के कारण प्रोजेक्ट को रिलीज से पहले ही भारी आर्थिक नुकसान हुआ था। एक्टर ने बताया कि फिल्म में लगभग 200 कलाकार और हजारों पब्लिक एक्टर शामिल थे और कानूनी मुद्दों के कारण इसके रुकने से पहले इसे 1000 सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना थी।

पैसा कमाने के लिए इंडस्ट्री में नहीं आया था

अपने सफर के बारे में बात करते हुए राजपाल ने कहा कि मैं एक किसान का बेटा हूं। मेरा गांव मेरे रहने-खाने और जीवन गुजारने के लिए काफी था। मैं एंटरटेनमेंट और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए आया। समाज में कलाकारों का बहुत आदर किया जाता है। एक अभिनेता का कद कभी छोटा नहीं होता। राजा और हर जगह के लोग कलाकारों को तालियों और सम्मान से नवाजते हैं।

जन्मदिन पर जूनियर एनटीआर ने पक्षियों से दिखाया प्यार, शेयर की तस्वीरें, बताए उनके नाम के मतलब

साउथ के बेहतरीन अभिनेता जूनियर एनटीआर आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने एक खास पोस्ट शेयर की है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। पोस्ट में उन्होंने अपना बहुत ही सादा और शांत पहलू दिखाया है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर अपने दो पालतू पक्षियों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट को फैंस पसंद कर रहे हैं।

पोस्ट में क्या है?

जूनियर एनटीआर ने अपने जन्मदिन पर जो पोस्ट शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि वह दो तोतों के साथ हैं। एक तोता जमीन पर है दूसरा तोता उनके हाथ पर बैठा है। ये दोनों तोते रंग-बिरंगे हैं। एक दूसरी तस्वीर में दोनों तोते एक-साथ बैठे हैं। एक तोते का नाम यूही है जिसका मतलब जापानी में (सुबह का सूरज) है और दूसरे का असाही (शाम का सूरज) है। तस्वीर के साथ पोस्ट में जूनियर एनटीआर ने लिखा 'अपने तोतों से आपकी मुलाकात करा रहा हूं। जापान के प्रति अपना प्यार दिखा रहा हूं।'

फैंस को पसंद आ रही पोस्ट

जूनियर एनटीआर की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है। इस पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। कुछ यूजर्स ने उनकी बॉडी की तारीफ की है, तो कुछ ने उनको जन्मदिन की बधाई दी है।

अगली फिल्म की रिलीज हुई पहली झलक

आपको बता दें कि जूनियर एनटीआर आज 43 साल के हो गए हैं। एक्टर आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इससे पहले बीती रात उनकी मच अवेटेड आगामी फिल्म 'ड्रैगन' की पहली झलक सामने आई है, इससे उनका जन्मदिन और खास बन गया है। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर एक खतरनाक किरदार में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी 1967 में प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच अफीम के बिजनेस को लेकर छिड़े गैंग-वॉर पर आधारित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर एक पॉवरफुल व्यक्ति लूगर के किरदार में नजर आएंगे। 'ड्रैगन' अगले साल यानी 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रकुल प्रीत के बदले बोल! कहा- रिश्ते में धोखा एक बार कर सकते हैं माफ, सारा बोलीं- कभी भूल नहीं पाऊंगी

थोड़े दिन पहले ही रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने सिचुएशनशिप वाले कमेंट पर एक-दूसरे के मजे लिए थे और अब रकुल ने फिर से कुछ ऐसा ही कह दिया है। उन्होंने कहा है कि रिश्ते में एक बार धोखे को माफ कर सकते हैं।

जैकी भगनानी ने मजाक में अपनी पत्नी रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी शादी को सिचुएशनशिप बताया था, जिसके बाद रकुल ने एक वीडियो में उन्हें कान पकड़ने को कहा था। अब एक्ट्रेस ने रिश्तों में बेवफाई और माफी के बारे में खुलकर बात की है। दिलचस्प बात यह है कि जहां रकुल ने कहा कि एक बार की बेवफाई को कभी-कभी माफ किया जा सकता है, वहीं उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बेवफाई बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के प्रमोशन के दौरान फिल्म के कलाकारों ने इस बात पर चर्चा की कि क्या किसी रिश्ते में बेवफाई कभी एक्सेप्ट हो सकती है। रकुल ने तुरंत इसका जवाब दिया: 'नहीं!'

सारा अली खान बोलीं- माफी मांग सकते हैं

बातचीत में एंट्री करते हुए सारा अली खान ने कहा, 'मेरा मतलब है कि कम से कम आप माफी तो मांग सकते हैं, लेकिन यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है।' रकुल ने सहमति जताते हुए कहा, 'हां, ऐसा मत करो!' हालांकि, आयुष्मान खुराना ने इसका सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'शादी के अपने नियम होते हैं। साथ ही, अगर ईमानदारी से माफी मांगी गई है, तो क्यों नहीं?'

आयुष्मान खुराना ने किया सपोर्ट

फिर हैरान रकुल ने पूछा, 'धोखा देकर?' अपने तर्क का बचाव करते हुए आयुष्मान ने आगे कहा, 'लोग गलतियां करते हैं। यह सच भी हो सकता है।' रकुल ने फिर स्पष्ट किया, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि यह किस हद तक है... किस हद तक? अगर धोखा देना आदत बन गई है।' इससे पहले कि वह अपनी बात पूरी कर पातीं, सारा ने बीच में ही टोकते हुए पूछा, 'क्या एक बार धोखा देना जायज है?' रकुल ने तुरंत कहा, 'मैं जायज नहीं हूं।' फिर रकुल और आयुष्मान दोनों ने एक साथ कहा, 'यह जायज नहीं है! हम इसे क्लियर कर रहे हैं।'

रकुल बोलीं- एक गलती माफ हो सकती है

रकुल ने फिर कहा, 'लेकिन अगर किसी से एक गलती हो सकती है, तो जीवन इतना लंबा है कि एक गलती को माफ न करना कितना बुरा है।' उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि इस बयान का उनकी निजी शादी से कोई लेना-देना नहीं है और कहा, 'यह मेरे अपने रिश्ते पर लागू नहीं होता। कृपया ध्यान दें।'

सारा, रकुल और आयुष्मान के अलग-अलग बोल

आयुष्मान ने इसका सपोर्ट करते हुए कहा, 'इंसान गलतियां करते हैं। लेकिन अगर वे सचमुच माफी मांग रहे हैं, और अगर आपको उस इंसान के लिए सहानुभूति है... तो जिंदगी बहुत लंबी है।' वहीं सारा ने कहा, 'मैं माफ तो कर सकती हूं, लेकिन भूल नहीं पाऊंगी।' रकुल ने जवाब दिया, 'लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप माफ कर देंगे तो आपको भूलना भी पड़ेगा', जिस पर सारा ने कहा, 'यहीं तो बात पेचीदा हो जाती है।'

क्या तलाक लेने वाली हैं सपना चौधरी? मिटाने वाली हैं पति वीर साहू के नाम का टैटू

हरियाणा की मशहूर डांसर और एक्ट्रेस सपना चौधरी और उनके पति वीर साहू की शादी को 6 साल हो चुके हैं और उनके दो बेटे (पोरस और शाहबीर) हैं। लेकिन हाल ही में आए सपना के एक इंटरव्यू के बाद दोनों के रिश्ते में अनबन और खटपट की खबरें सोशल मीडिया पर फैल गई हैं। लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों के बीच सब ठीक है या बात तलाक तक पहुंच गई है।

टैटू हटवाने को लेकर उठा विवाद

एक इंटरव्यू के दौरान जब सपना से उनकी लव मैरिज और हाथ पर लिखे पति 'वीर' के नाम के टैटू के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह अपने हाथ से यह टैटू हटवाने वाली हैं। आमतौर पर लोग टैटू को प्यार की निशानी मानते हैं, इसलिए सपना के इस फैसले से फैंस हैरान रह गए। हालांकि, अफवाहें उड़ने से पहले ही सपना ने खुद इस पर सफाई दी।

सपना चौधरी ने क्या सफाई दी?

सपना ने बताया कि टैटू हटवाने का कारण उनका काम (एक्टिंग) है, न कि कोई घरेलू झगड़ा। उन्होंने कहा, 'एक फिल्म की शूटिंग के दौरान टैटू को छुपाने के

लिए चेहरे से ज्यादा मेकअप हाथ पर करना पड़ा, जिससे काफी समय बर्बाद हुआ।' सपना आगे चलकर एक्टिंग में ज्यादा काम करना चाहती हैं। फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाने पड़ते हैं और यह टैटू उसमें रुकावट बन रहा है।

सपना ने पहले ही साफ कर दिया ताकि बाद में टैटू हटा देखकर लोग उनके रिश्ते को लेकर गलत अफवाहें न उड़ाएं। इसके बावजूद, जब इंटरव्यू में पति-पत्नी के रिश्ते और झगड़ों पर बात हुई, तो सपना ने बड़े ही बेपरवाह अंदाज में जवाब दिया। उनका यह अंदाज फैंस को पसंद नहीं आ रहा है और लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं कि क्या यह शादी सिर्फ दिखावे की रह गई है?

कौन हैं वीर साहू और सपना चौधरी?

वीर साहू हरियाणा के मशहूर सिंगर, राइटर, म्यूजिक कंपोजर और एक्टर हैं। उन्होंने 'थड्डी बड्डी' और 'खलनायक' जैसे गाने गाए हैं। वहीं सपना हरियाणा और पंजाब की बेहद लोकप्रिय डांसर और एक्ट्रेस हैं। 'बिग बॉस 11' से इन्हें देशभर में पहचान मिली। 'मैडम सपना' उनकी आने वाली फिल्म का नाम है।

1.66 करोड़ की ज्वेलरी चुराने वाली सेल्सगर्ल अरेस्ट

ब्वॉयफ्रेंड संग रहने के लिए की थी चोरी होटल से वही गहने लेकर भाग निकला

अहमदाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। अहमदाबाद में निकोल इलाके की एक ज्वैलरी शोरूम की सेल्स गर्ल हर्षिदा शेट्टी 10 दिनों बाद पुलिस की गिरफ्त में आ गई। हर्षिदा 11 मई 2026 को शोरूम से 1.66 करोड़ रुपए की ज्वेलरी चुराकर फरार हो गई थी।

पुलिस पूछताछ में हर्षिदा ने बताया कि उसने ब्वॉयफ्रेंड मयूर माली के साथ मिलकर चोरी का ये प्लान बनाया था। वारदात के बाद दोनों अहमदाबाद से दिल्ली और वहां से उत्तर भारत के कई राज्यों में छिपकर रहे।

ब्वॉयफ्रेंड ही गहने लेकर भाग निकला

हर्षिदा ने बताया कि वे एक होटल में ठहरे हुए थे। तीन दिन पहले जब वह नहाने गई तो मयूर उसके चोरी किए गहने लेकर फरार हो गया। उसके पास कुछ ही गहने रह गए थे, जो उससे पहन रखे थे।

पैसे खत्म होने के बाद हर्षिदा वापस अहमदाबाद आ गई। मंगलवार की शाम वह गहने बेचने की फिराक में थी। तभी पुलिस को खुफिया सूत्रों से उसकी खबर मिल गई और उसे अरेस्ट कर लिया गया। अब उसके ब्वॉयफ्रेंड की तलाश की जा रही है।

निकोल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दर्शनभाई शाह अपने परिवार के साथ शहर के कृष्णानगर इलाके की नयननगर सोसाइटी में रहते हैं। वे निकोल इलाके में अनमोल सर्कल के पास ग्रेविटी शॉपिंग मॉल में आभूषण नाम से सोने-चांदी का शोरूम चलाते हैं। दर्शनभाई के शोरूम में मैनेजर, सेल्समैन और मार्केटिंग समेत कुल 19 लोग काम करते हैं।

हर्षिदा शेट्टी नाम की एक लड़की 11 महीने पहले सेल्स गर्ल के तौर पर शोरूम में शामिल हुई थी। 11 मई, 2026 को जब दर्शनभाई दोपहर के खाने के लिए घर गए थे, तब शोरूम के मैनेजर और स्टाफ मौजूद थे और उसी दौरान सेल्स गर्ल हर्षिदा वारदात को अंजाम देकर फरार हो गई।

शाम 5 बजे दर्शनभाई शोरूम आए थे। इसी दौरान एक ग्राहक खरीदारी करने आया, तो कर्मचारी ने एक सोने का सिक्का गायब पाया।

कांजीभाई ने यह बात मालिक दर्शनभाई को बताई। जब दर्शनभाई ने हर्षिदा के बारे में पूछा तो कर्मचारियों ने कहा कि उसने बताया था कि वह आपसे छुट्टी लेक गई है।

जबकि हर्षिदा ने यह झूठ कहा था। इसके बाद बारीकी से सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो हर्षिदा अपने ब्लेजर में गहने छिपाते नजर आई।

दर्शनभाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। हर्षिदा के मोबाइल पर कॉल करने पर फोन बंद मिला।

शोरूम में सभी सोने के आभूषणों की जांच करने पर पता चला कि चोर सोने की चेन, लॉकेट, झुमके, मंगलसूत्र और कई अंगूठियों समेत 1.66 करोड़ रुपए की कीमते की गोल्ड ज्वैलरी गायब है।

मिड-डे-मिल का खाना खाकर 36 से ज्यादा बच्चे बीमार

कुछ हो गए बेहोश, अस्पताल में छात्रा बोली-चावल-सब्जी में दवा की गोली थी

नालन्दा, 20 मई (एजेंसियां)। नालंदा में बुधवार को मिड-डे-मिल का खाना खाकर 36 से अधिक बच्चे बीमार हो गए। खाना खाने के थोड़ी ही देर बाद सभी को उल्टी, दस्त और चक्कर आने लगे। कई तो बेहोश होने लगे। तुरंत बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नगरनौसा में भर्ती कराया गया। जहां इलाज जारी है।

कुछ बच्चों की स्थिति गंभीर है, उन्हें चंडी रेफरल अस्पताल भेजा गया है। 5वीं कक्षा की छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि खाने में चावल और चने (बूट) की सब्जी परोसी गई थी। खाने में दवा की एक गोली मिली थी। मामला नगरनौसा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय कला कैला का है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अनादर का प्रदर्शन

राहुल गांधी के बयान पर भड़के सीएम योगी आदित्यनाथ, बोला हमला

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश रायबरेली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोल दिया है। इस प्रकार के बयान को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अनादर का प्रदर्शन करार दिया है। दरअसल, यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति लगातार गरमा रही है। तमाम राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति को साधने में जुटे हुए हैं। एक तरफ भाजपा कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण को लटकाने का आरोप लगा रही है। इस मामले में पीएम नरेंद्र मोदी से निचले स्तर तक के भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस और अन्य सहयोगी दलों को घेर रहे हैं। वहीं, राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को गद्दार कहकर राजनीतिक माहौल गरमा दिया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में राहुल गांधी पर बिना नाम लिए बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति की जननी कांग्रेस के 'युवराज' की अमर्यादित टिप्पणी उनकी नकारात्मक राजनीति, असंयमित सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके अनादर को प्रदर्शित करती है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को देश और जनादेश का अपमान करार दिया।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति कांग्रेस के 'युवराज' की घोर निंदनीय टिप्पणी 145 करोड़ देश वासियों के जनादेश, विश्वास और लोकतांत्रिक संस्कारों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 'युवराज' को अपने आपत्तिजनक, असंसदीय और कुंठाजनित वक्तव्य के लिए समूचे देश से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने भी राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरदार, राष्ट्रभक्तों को गद्दार कहते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक पर सेना से सबूत मांगने वाले आज राष्ट्रभक्ति और त्याग के प्रतीक संघ पर सवाल उठा रहे हैं।

रेलवे की जॉब में मेडिकल फिट कराने 5 लाख मांगे

कोच के कहने पर वेटलिफ्टर ने कैंडिडेट से मांगी रिश्वत, कोर्ट ने जेल भेजा

रायपुर, 20 मई (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने रेलवे के 2 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। दोनों स्पोर्ट्स कोटे से रेलवे में नौकरी कर रहे हैं। इनमें इंटरनेशनल बॉडी बिल्डिंग रेफरी बी. राजशेखर राव और उनकी स्टूडेंट रामा लक्ष्मी (वेटलिफ्टर) शामिल हैं। राव असिस्टेंट स्पोर्ट्स सेक्रेट्री के तौर पर रेलवे में काम कर रहे हैं।

सीबीआई के मुताबिक, आरोपियों ने एक कैंडिडेट से 5 लाख रिश्वत मांगी थी। मेडिकल परीक्षण के अनफिट सर्टिफिकेट को फीट कर देंगे कहा था, पैसे नहीं देने पर फेल करने की धमकी देकर कुछ रकम ले लिए थे। पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को दोनों को रायपुर स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया।

जहां से दोनों को 1 जून तक ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया है। जांच में यह बात सामने आई है कि कोच के कहने पर वेटलिफ्टर ने कैंडिडेट्स से पैसे मांगे थे। वहीं सीबीआई के वकील ने बताया कि इस मामले में मास्टरमाइंड का गिरफ्तार होना बाकी है। सीबीआई के वकील प्रशांत बाजपेयी ने बताया कि, पीड़िता से दोनों आरोपियों ने 5 लाख रुपए की मांग की थी।

आरोपियों ने वंशिका पर दबाव बनाया कि उसने पैसे नहीं दिए तो उसे मेडिकल परीक्षण में फेल कर दिया जाएगा। पैसे देने पर उसे टीटीआई पोस्ट के लिए एलिजिबल सर्टिफिकेट जारी करने का आश्वासन दिया गया था। मामले के जांच अधिकारी के अनुसार, पूरे केस का मास्टरमाइंड कौन है, इसकी जांच अभी जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकेगा।

अब तक की जांच में सामने आया है कि रामा लक्ष्मी ने राजशेखर राव के कहने पर ही वंशिका से पैसों की मांग की थी। पुलिस के मुताबिक, वंशिका युवती होने के कारण राजशेखर राव ने सीधे बात करने के बजाय रामा लक्ष्मी के जरिए पैसे मांगना आसान समझा। आरोप है कि कोच ने अपनी स्टूडेंट का इस्तेमाल माध्यम के तौर पर किया और इसके बदले उसे कुछ रकम देने का प्रस्ताव भी दिया था।

सीबीआई के मुताबिक, रायपुर रेल मंडल में स्पोर्ट्स कोटे से भर्ती निकली थी, जिसमें अभ्यर्थी वांशिका ने आवेदन किया था। वह लिखित परीक्षा और फिजिकल टेस्ट दोनों पास कर चुकी थी, जबकि मेडिकल परीक्षण बाकी था।

आरोप है कि भिलाई में पदस्थ वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (टेक्नीशियन-2) बी. राजशेखर राव और सीसी-टीसी राजलक्ष्मी ने वांशिका से संपर्क किया।

बद्रीनाथ से लौट रहे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

टिहरी गढ़वाल, 20 मई (एजेंसियां)। बद्रीनाथ धाम से देहरादून लौट रहे श्रद्धालुओं के हेलिकॉप्टर की बुधवार को टिहरी गढ़वाल में तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर अनबैलेंस होने लगा था, जिसके बाद महिला पायलट ने खेत में उतारने का फैसला लिया था।

लैंडिंग के समय हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे वह हल्का क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद पायलट ने हेलिकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया। हेलिकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। यात्री दिल्ली के पंजाबी बाग निवासी एक ही परिवार के हैं। घटना सुबह करीब पौने 9 बजे हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

अपर जिला अधिकारी (एडीएम) शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि ट्रांस भारत एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर बद्रीनाथ धाम से 6 यात्रियों को लेकर गुप्तकाशी जा रहा था। वहां से उसे आगे देहरादून जाना था। इसी दौरान गुप्तकाशी में वीआईपी मूवमेंट होने के कारण पायलट को सीधे देहरादून जाने के निर्देश दिए गए। रूट बदलने के बाद हेलिकॉप्टर चम्बा-आराकोट क्षेत्र के ऊपर पहुंचा। इसी दौरान उसमें तकनीकी दिक्कत आने की बात सामने आई। यात्रियों और पायलट के अनुसार, हेलिकॉप्टर हवा में असंतुलित होने लगा और नीचे आने लगा।

स्थिति गंभीर होने पर महिला पायलट अनुपमा चौधरी ने नीचे दिख रहे खेतों में हेलिकॉप्टर उतारने का फैसला लिया।

बताया गया कि नीचे उतरते समय हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा 11000 वोल्ट के हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गया।

इस दौरान बिजली का तार हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से और रोटर में उलझ गया। चम्बा-आराकोट क्षेत्र से लेकर लैंडिंग स्थल तक बिजली का तार हेलिकॉप्टर में फंसा रहा। इससे हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

दक्षिण भारत में कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली/भोपाल, 20 मई (एजेंसियां)। देश में गर्मी अपने पीक पर है। इस बीच मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अरब सागर के ऊपर नया सिस्टम बनने की जानकारी दी है, जो मानसूनी हवाओं को कमजोर कर सकता है। इससे केरल समेत दक्षिण भारत में बारिश कम होने की आशंका है।

एजेंसी ने यह भी कहा है कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी।

एजेंसी के मुताबिक इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45सी या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होने और कोई एक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है।

मंगलवार को एमपी, यूपी, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र के 22 शहरों में तामपान 45सी से ज्यादा रहा। यूपी के 22 जिलों में पारा 40सी या इससे उपर दर्ज हुआ।

यूपी का बांदा 48.2सी के साथ मंगलवार को लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा।यहां बीते दो दिन भी तापमान 46सी से ज्यादा रहा। बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49सी का रिकॉर्ड बना था।

दिल्ली में चौथा हीटवेव डे- दिल्ली में मंगलवार को इस साल का चौथा हीटवेव डे दर्ज किया गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.1सी रहा, जबकि रिज इलाका 46.5सी के साथ सबसे गर्म रहा।

पंजाब-हरियाणा में रिकॉर्ड गर्मी- पंजाब के फरीदकोट में तापमान 47.3सी पहुंच गया। हरियाणा के रोहतक में 46.9सी और नारनौल में 45सी तापमान दर्ज हुआ। चंडीगढ़ में पारा 43.2सी तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4सी ज्यादा है।

5 करोड़ से ज्यादा के लैपटॉप-टैबलेट चुराए

भरतपुर, 20 मई (एजेंसियां)। डीग की पहाड़ी पुलिस ने नागपुर में कंटेनर से 5 करोड़ 72 लाख रुपए के लैपटॉप और टैबलेट चोरी के मामले में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मास्टरमाइंड को अरेस्ट कर 4 करोड़ 14 लाख रुपए का माल बरामद कर लिया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार माल को इधर-उधर छिपा रहा था। इस चोरी में ड्राइवर समेत 7 लोग शामिल थे, ये पहली गिरफ्तारी है। एसपी शरण गोपीनाथ ने बताया- मामले में मुख्य आरोपी हजरुद्दीन निवासी खलोका गांव पहाड़ी को गिरफ्तार किया हैस।

इसके कब्जे से 464 लैपटॉप और टैबलेट जब्त किए गए हैं। महाराष्ट्र पुलिस के साथ पहाड़ी पुलिस और DST टीम ने ये कार्रवाई की। एसपी ने कहा- 3 मई को नागपुर से ब्लू डार्ट कंपनी का कंटेनर मोटोरोला के 641 लैपटॉप और टैबलेट लेकर रवाना हुआ था।

सीएम सतीशन संभालेंगे वित्त-कानून सहित 35 विभाग

तिरुवनंतपुरम, 20 मई (एजेंसियां)। केरल में राजनीतिक बदलाव के साथ ही नई सरकार के मंत्रियों के विभागों का आधिकारिक बंटवारा कर दिया गया है। लोक भवन की ओर से जारी सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री सतीशन कैबिनेट में सबसे शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगे। वे वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह समेत कुल 35 महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी अकेले संभालेंगे। उनके पास सबसे भारी-भरकम पोर्टफोलियो है, जो राज्य की प्रशासनिक और नीतिगत दिशा तय करेगा।

कैबिनेट में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें गृह और विजिलेंस समेत कुल पांच विभागों का कार्यभार मिला है। वहीं, सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के कद्दावर नेता पीके कुन्हालीकुट्टी को सरकार में उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और कपड़ा सहित कुल सात विभागों का जिम्मा दिया गया है। वे राज्य में औद्योगिक विकास और डिजिटल गवर्नेंस की कमान संभालेंगे।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सन्नी जोसेफ को बिजली और पर्यावरण मंत्रालय सौंपा गया है। इसके अलावा, वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन को राज्य का नया स्वास्थ्य और देवस्वम मंत्री बनाया गया है। शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत देते हुए रोजी एम जॉन को उच्च शिक्षा विभाग और एन. शमसुद्दीन को सामान्य शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। भूमि और राजस्व विभाग की कमान एपी अनिल कुमार को सौंपी गई है, जो भूमि सुधारों और राजस्व संग्रह से जुड़े मामलों को देखेंगे। बताते चलें कि केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने शानदार जीत दर्ज की है।

इस चुनाव में यूडीएफ गठबंधन ने राज्य की 140 सीटों में से 102 सीटों पर प्रचंड बहुमत हासिल किया, जिसमें से अकेले कांग्रेस ने 63 सीटें अपने नाम की हैं। इस बंपर जीत के साथ ही राज्य में पिछले 10 साल से चल रहे एलडीएफ और पिनाराई विजयन के शासन का अंत हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन ने केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इस बदलाव को राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक मुद्दों के खिलाफ जनता के कड़े जनादेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसने कांग्रेस को एक बार फिर केरल की सत्ता की कमान सौंप दी है।

यूपी बीजेपी संगठन में होने वाले फेरबदल में जातियों को नहीं तरजीह

बदलाव के पीछे है अलग रणनीति

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपनी राज्य इकाई में फेरबदल करने जा रही है। यह संगठनात्मक बदलाव इसी महीने के अंत में होगा। बताया जाता है कि बीजेपी संगठन में बदलाव जाति को आधार बनाकर नहीं करेगी बल्कि संगठनात्मक अनुभव को प्राथमिकता देगी।

बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, पार्टी के नए प्रदेश संगठन में कम से कम 60 फीसदी पदाधिकारी, चाहे वे किसी भी जाति के हों, मुख्य रूप से वे लोग होंगे जो लंबे समय से पार्टी से जुड़े रहे हैं और जिनके पास संगठनात्मक काम करने का अच्छा अनुभव है।

बीजेपी का यह कदम योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में हाल ही में हुए विस्तार के फॉर्मूले से बिल्कुल अलग है। योगी मंत्रिमंडल के विस्तार में ओबीसी और दलित वर्ग को सबसे ज्यादा मंत्री पद दिए गए हैं। यह बीजेपी की विपक्ष के पीडीए के चुनावी नैरेटिव का मुकाबला करने की एक चतुर चाल है। कहा जाता है कि साल 2024 के लोकसभा चुनावों में इसी नैरेटिव ने बीजेपी को नुकसान पहुंचाया था।

कैबिनेट में शामिल किए गए छह मंत्रियों में से तीन ओबीसी समुदाय से हैं, जबकि दो दलित हैं। इसी तरह प्रमोट किए गए दोनों मंत्री भी ओबीसी समुदाय से हैं। ओबीसी और दलित नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करके बीजेपी सरकार ने इस धारणा को कमजोर करने की कोशिश की है कि पिछड़े और वंचित समुदाय के लोग विपक्ष की ओर झुक रहे हैं।

हालांकि, अब यूपी में बीजेपी में संगठनात्मक फेरबदल का उद्देश्य कुछ और ही है। इसमें पार्टी बूथ स्तर पर अपनी ताकत फिर से बढ़ाने, क्षेत्रीय इकाइयों के बीच तालमेल बेहतर करने और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक अनुशासित चुनावी मशीनरी तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। बीजेपी अपनी 45 सदस्यों वाली प्रदेश की टीम में बदलाव करने के अलावा छह संगठनात्मक क्षेत्रों काशी, गोरखपुर, पश्चिम यूपी, अवध, ब्रज और कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की टीमों में भी फेरबदल करेगी। पार्टी के सात मोर्चों में भी बदलाव किए जाएंगे।

यूपी बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि अनुभवी संगठनात्मक कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने पर सहमति हाल ही में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और राज्य महासचिव (संगठन) धर्म पाल सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठकों में बनी थी। सूत्रों ने कहा कि पार्टी को यूपी में चुनावी तैयारियों को तेज करने के लिए संगठनात्मक कार्यकर्ताओं की सख्त जरूरत है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई

बिलासपुर, 20 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी ईंधन और संसाधनों की बचत के लिए अपने कामकाज में बदलाव किए हैं। हाईकोर्ट में समर वेकेशन के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के निर्देश पर सर्कुलर जारी किया गया है। इस आदेश के बाद भीषण गर्मी में वकीलों और पक्षकारों को कोर्ट आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, जो वकील किसी कारणवश वर्चुअली नहीं जुड़ पाएंगे, उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने की अनुमति रहेगी। जरूरत पड़ने पर कोर्ट खुद भी फिजिकल सुनवाई के निर्देश दे सकेगा। हाईकोर्ट और जिला अदालतों के कर्मचारियों को सप्ताह में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जा सकती है। हालांकि, रोटेशन व्यवस्था के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कम से कम 50 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहें, ताकि न्यायिक और प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों। घर से काम करने वाले कर्मचारियों को फोन और अन्य सरकारी संचार माध्यमों पर हर समय उपलब्ध रहना अनिवार्य होगा।

फ्यूल की बचत और सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए हाईकोर्ट ने नई पहल की है। इसके तहत राज्य के न्यायिक अधिकारियों, रजिस्ट्री अफसरों और मंत्रालयीन कर्मचारियों के लिए व्हीकल पूलिंग यानी साझा वाहन व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है।

कार ने 3 महिला धर्मगुरुओं को कुचला, दो की मौत

एक गंभीर घायल, सागर की रहने वाली थीं, प्रवास पर आई थीं

रीवा, 20 मई (एजेंसियां)। रीवा में बुधवार को दोपहर को कार सवार ने तीन जैन साध्वियों की कुचल दिया। घटना में दो जैन साध्वियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा कलेक्ट्रेट के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल जा रही तीन महिला धर्मगुरुओं को टक्कर मार दी।

जानकारी के मुताबिक, मृत साध्वियों में श्रुति मति माता और उपसमिति माता शामिल हैं। श्रुति मति माता की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरी गंभीर साध्वी ने संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीसरी साध्वी आरिका माता की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों जैन साध्वियां सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर उनकी तरफ आ गई और जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दूसरी साध्वी की भी मौत हो गई।

घटना के बाद पूरे जैन समाज में शोक और गुस्से का माहौल है। बड़ी संख्या में समाज के लोग अस्पताल और जैन धर्मशाला पहुंचे। दोनों साध्वियों के शव अंतिम दर्शन के लिए रखे गए, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए रवाना किया गया।

हादसे के बाद फरार हुए कार चालक को पुलिस ने जबलपुर के बहोरीपार टोल नाके से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी घटना के बाद करीब 270 किलोमीटर तक भागता रहा। बरगी पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और रीवा पुलिस को सूचना दी।

घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। हालात को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। कमिश्नर बीएस जामोद, डिप्टी कमिश्नर नरेंद्र सूर्यवंशी और एसपी गुरुकरण सिंह ने घटनास्थल और अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

ज्वैलर्स से कर्मचारी ने 2 करोड़ का सोना पार किया

रायपुर, 20 मई (एजेंसियां)। रायपुर के सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कंपनी ज्वैलर्स में कर्मचारी ने ही करीब 2 करोड़ रुपए से ज्यादा के सोने के जेवर पार कर दिए। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित कारोबारी सुरेश भंसाली सदर बाजार में मनोहरमल एंड कंपनी नाम से सोने-चांदी का कारोबार करते हैं। 16 साल पुराने कर्मचारी ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

कारोबारी ने पुलिस को बताया कि, सूरज साहू नाम का कर्मचारी पिछले 16 साल से उनकी दुकान में काम कर रहा था। आरोपी पर रोजाना डिस्प्ले में रखे गए जेवरों को वापस लॉकर में सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी।

बताया जा रहा है कि 9 अप्रैल 2026 को दुकान बंद होने के दौरान सूरज साहू ने जेवरों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। शुरुआत में किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई।

13 अप्रैल को स्टॉक मिलान के दौरान सोने के जेवर कम पाए गए। जांच करने पर कुल 1495 ग्राम 670 मिलीग्राम सोना गायब मिला।

कारोबारी ने दुकान के सभी कर्मचारियों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

फुटेज में शाम करीब 4 बजकर 21 मिनट पर सूरज साहू सोने के जेवर अपने साथ ले जाते दिखाई दिया। गायब हुए सोने में अलग-अलग डिजाइन और किस्म के जेवर शामिल बताए जा रहे हैं। बाजार मूल्य के हिसाब से चोरी गए सोने की कीमत करीब 2 करोड़ रुपए आंकी गई है।

कोतवाली निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी कर्मचारी सूरज साहू के खिलाफ गबन का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार है। पुलिस की टीमें उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है।

चांदी 3761 रुपये गिरकर 2.65 लाख रुपये किलो

सोना आज 1116 रुपये सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 1 किलो चांदी की कीमत 3,761 रुपए कम होकर 2.65 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,116 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। 29 जनवरी को सोना 1.76 लाख और चांदी 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। चांदी में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑलटाइम हाईसे बहुत तेजी से नीचे आई है।

आरबीआई ने यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यशवंत सहकारी बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और आय की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बयान में कहा कि लाइसेंस रद्द होने के बाद यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक को 19 मई 2026 को कारोबार बंद होने के बाद से बैंकिंग गतिविधियां संचालित करने की अनुमति नहीं होगी।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैंक के परिसमापन की स्थिति में प्रत्येक जमाकर्ता को जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अधिकतम 5 लाख रुपये तक की जमा बीमा राशि प्राप्त करने का अधिकार होगा। आरबीआई के मुताबिक, बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लगभग 99.02 प्रतिशत जमाकर्ताओं को उनकी पूरी जमा राशि वापस मिलने की संभावना है। 20 अप्रैल तक डीआईसीजीसी पहले ही 106.96 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। आरबीआई ने कहा कि यशवंत को-ऑपरेटिव बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने में विफल रहा है और उसका संचालन जमाकर्ताओं के हितों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने वर्तमान जमाकर्ताओं की पूरी राशि लौटाने में सक्षम नहीं है। ऐसे में बैंक को आगे कारोबार जारी रखने की अनुमति देना जनहित के खिलाफ होगा। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक को तत्काल प्रभाव से जमा स्वीकार करने और जमा राशि लौटाने सहित सभी बैंकिंग गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। गौरतलब है कि आरबीआई ने 12 मई को भी पर्याप्त पूंजी और आय की संभावनाओं की कमी का हवाला देते हुए सर्वोदय सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द किया था।

कृष्णा-गोदावरी गैस केस में सुलह की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट में रिलायंस ने केंद्र से की मध्यस्थता की मांग

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े कॉरपोरेट कानूनी विवादों में से एक कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन गैस माइग्रेशन मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसकी विदेशी साझेदार कंपनियों ने केंद्र सरकार के साथ विवाद सुलझाने के लिए मध्यस्थता का रास्ता अपनाने की इच्छा जताई। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच कर रही थी, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे।

सुनवाई के दौरान कंपनी ने क्या बताया?

सुनवाई के दौरान रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों की ओर से पेश वकीलों ने अदालत को बताया कि सभी याचिकाकर्ता बुधवार को ही भारत सरकार को पत्र लिखकर मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध करेंगे। कंपनियों ने अदालत से कहा कि जब तक मध्यस्थता का परिणाम नहीं आ जाता, तब तक मामले की सुनवाई रोक दी जाए। हालांकि, केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने इस मांग का विरोध किया। उन्होंने अदालत से कहा कि फिलहाल सुनवाई जारी रखी जाए और अगर मध्यस्थता में कोई प्रगति होती है तो सरकार अदालत को सूचित कर देगी।

कोर्ट ने क्या टिप्पणी की?

इस पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई रोकने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि यदि पक्षकार सफल मध्यस्थता के साथ अदालत के सामने आते हैं, तो मामले का निपटारा किया जा सकता है। बेंच ने टिप्पणी की अगर सफल मध्यस्थता हो जाती है तो बहुत अच्छा होगा, फिर हम मामले का निपटारा कर देंगे। दरअसल, 19 मई से सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अंतिम सुनवाई कर रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको (एनईको) लिमिटेड ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उनके पक्ष में आए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता ट्रिब्यूनल के फैसले को रद्द कर दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 14 फरवरी 2025 को दिए गए अपने आदेश में सिंगल जज बेंच के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने पहले रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों के पक्ष में आए मध्यस्थता पुरस्कार को बरकरार रखा था।

क्या है पूरा मामला?

यह पूरा विवाद कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गैस माइग्रेशन को लेकर है। केंद्र सरकार का आरोप था कि रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों ने उन गैस भंडारों से गैस निकाली, जिनके दोहन का उन्हें अधिकार नहीं था। सरकार ने इस कथित नुकसान के लिए कंपनियों से 1.55 अरब अमेरिकी डॉलर की मांग की थी।

हालांकि, जुलाई 2018 में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता ट्रिब्यूनल ने 2-1 के बहुमत से भारत सरकार के दावे को खारिज कर दिया था। ट्रिब्यूनल ने रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों के पक्ष में फैसला देते हुए उन्हें 8.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर का मुआवजा भी देने का आदेश दिया था।

एआई का असर! मेटा ने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी शुरू की

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण संगठन का पुनर्गठन है। यह जानकारी कई रिपोट्र्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है।

रिपोट्र्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत लगभग 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया गया है। कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में, मेटा की एचआर चीफ जेनेल गेल ने कहा कि कई टीमों को एआई-आधारित सिद्धांतों के आधार पर पुनर्गठित किया जा रहा है ताकि सरल संरचनाएं और छोटे समूह बनाए जा सकें जो अधिक जिम्मेदारी के साथ तेजी से काम कर सकें। गेल ने कहा, बदलावों पर काम करते हुए, कई टीमों ने एआई-आधारित डिजाइन सिद्धांतों को अपनी नई संगठनात्मक संरचनाओं में शामिल किया। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी अमेरिकी कर्मचारियों को भी छंटनी के प्रभावी होने वाले दिन घर से काम करने के लिए कहा गया था, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका पालन मेटा ने पिछली छंटनी घोषणाओं के दौरान भी किया था। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब मेटा एआई बुनियादी ढांचे पर खर्च में काफी वृद्धि कर रहा है।

रिलायंस और हिंडाल्को ने पलटी बाजी भारी गिरावट से उबरा शेयर बाजार

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। एशियाई बाजारों में गिरावट और मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स में करीब 600 अंक की गिरावट आई जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स करीब 23,450 अंक से नीचे आ गया। लेकिन दोपहर बाद मामला बदल गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो में तेजी से शेयर मार्केट पॉजिटिव हो गया। सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16% की तेजी के साथ 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 41 अंक यानी 0.17% ऊपर 23,659 अंक पर बंद हुआ। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस का शेयर 3 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट में तेजी रही। दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, इटरनल, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में 3.5 फीसदी से अधिक तेजी आई। ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा गिरावट आई।

करीब 85 लाख से अधिक डेवलपर्स गूगल एआई मॉडल का कर रहे इस्तेमाल

190 अरब डॉलर का निवेश करेगी कंपनी : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि 85 लाख से अधिक डेवलपर्स हर महीने कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल का इस्तेमाल कर ऐप बना रहे हैं। पिचाई ने ब्लॉग में कहा कि गूगल इस साल एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में 190 अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है, जो कि एआई डेटा सेंटर्स, कस्टम सिलिकॉन और मॉडल ट्रेनिंग पर केंद्रित होगा।

पिचाई ने आगे कहा कि कंपनी अपने एआई इकोसिस्टम में तेज ग्रोथ देख रही है, और डेवलपर्स, उद्यमों और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग बढ़ रही है। गूगल के अनुसार, इसके मॉडल एपीआई अब प्रति मिनट लगभग 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष के दौरान 375 से अधिक गूगल क्लाउड ग्राहकों ने प्रत्येक ने एक ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रोसेस किए। गूगल के एआई उत्पादों के बढ़ते उपयोग का जिक्र करते हुए पिचाई ने कहा कि कंपनी के जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 900 मिलियन से अधिक हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

एआई-संचालित सर्च को भी जबरदस्त लोकप्रियता मिल रही है, एआई ओवरव्यू के मासिक यूजर्स की संख्या 2.5 अरब से अधिक हो गई है और एआई मोड के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या एक अरब से अधिक हो गई है। कंपनी ने कई नए एआई टूल और अपग्रेड भी पेश किए, जिनमें जेमिनी 3.5 फ्लैश शामिल है, जो कोडिंग और रिल्य वर्ल्ड वर्कफ्लो पर केंद्रित एक तेज एआई मॉडल है और जेमिनी स्पार्क, एक नया व्यक्तिगत एआई एजेंट है जिसे यूजर्स की ओर से कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है।

गूगल ने अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में कई अपडेट पेश किए हैं, जिनमें नवीनतम पीढ़ी के टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू) शामिल हैं, जो बड़े पैमाने पर एआई प्रशिक्षण और अनुमान प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल अपनी एआई-प्रथम रणनीति के प्रति प्रतिबद्ध है और एआई को कंपनी के मिशन को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बताया।

मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है मेलोनी को मोदी का 'मीठा' तोहफा

> 40 साल पुरानी मेलोडी टॉफी की मिठास पहुंची रोम तक

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। रोम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात सिर्फ कूटनीतिक चर्चा तक सीमित नहीं रही। इस मुलाकात में एक ऐसा 'स्वीट मोमेंट' भी देखने को मिला जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया। पीएम मोदी ने मेलोनी को भारत की मशहूर मोलोडी टॉफी गिफ्ट की।

इस गिफ्ट का वीडियो इटली की पीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउटं पर शेयर किया और तुरंत ही यह वायरल हो गया। सोशल मीडिया पर मोदी-मेलोनी के इस क्यूट वीडियो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। यह वही टॉफी है जिसकी टैगलाइन 'मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?' कभी हर बच्चे की जुबान पर हुआ करती थी। 90 के दशक और शुरुआती 2000 के दौर में यह सिर्फ एक टॉफी नहीं बल्कि भारतीय पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुकी थी। मेलोडी दरअसल पारले प्रोडक्ट्स की एक लोकप्रिय चॉकलेट-कैंडी है। बाहर से कैरेमल और अंदर से चॉकलेट फ्लेवर वाली यह टॉफी भारत में बेहद कम कीमत में मिलने वाली सबसे आइकॉनिक कैंडीज़ में गिनी जाती है। एक समय इसकी कीमत सिर्फ 50 पैसे हुआ करती थी जबकि आज भी दुकानों पर 1 रुपये में मिल जाती है। कम कीमत और अलग स्वाद ने इसे बच्चों से लेकर बड़ों तक की पसंद बना दिया।

'मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?' कैसे बनी सुपरहिट टैगलाइन

90 के दशक में टीवी विज्ञापनों के जरिए मेलोडी ने अपनी अलग पहचान बनाई। मेलोडी की सफलता के पीछे इसके शानदार विज्ञापन अभियान का बहुत बड़ा हाथ है।

'मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?' यह सवाल इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग मजाक मे और रोजमर्रा की बातचीत में भी इसका इस्तेमाल करने लगे। दिलचस्प बात यह है कि कंपनी ने कभी इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया और यही इसकी मार्केटिंग की सबसे बड़ी ताकत बन गई। इस सीक्रेट और स्वाद, दोनों ने मिलकर मेलोडी को यादगार बना दिया।

यह लाइन इतनी पॉपुलर हुई कि लोग आपस में भी मजाक में एक-दूसरे से यह सवाल पूछने लगे थे। कंपनी ने सालों तक इस सिंपल लेकिन दमदार टैगलाइन के जरिए लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखी। पीएम मोदी का यह गिफ्ट सिर्फ एक कैंडी नहीं बल्कि भारतीय पॉप कल्चर, बचपन की यादों और 'मेड इन इंडिया' पहचान का मीठा संदेश भी माना जा रहा है।

यूके ने विदेशी फंडिंग में की कटौती, पाकिस्तान को तगड़ा झटका : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रक विदेशी सहायता (फॉरेन एड) में कटौती किए जाने का ऐलान किया। इसका सबसे ज्यादा असर झेलने वाले देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। द बोरगन प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन सरकार ने 2027 तक अपनी विकास सहायता को सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के 0.5 प्रतिशत से घटाकर 0.3 प्रतिशत करने का फैसला लिया है।

बाजार में आएगा रूस का तेल पर चुकानी होगी ऊंची कीमत

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। दुनियाभर में तेल की ऊंची कीमतों से निपटने के लिए अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की मंजूरी एक महीने और बढ़ा दी है। अमेरिका के वित्त विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक, यह अनुमति उन रूसी पेट्रोलियम उत्पादों पर लागू होगी, जो इस समय जहाजों पर लादे जा चुके हैं। अमेरिका के इस कदम से भारत सहित अन्य देशों को समुद्र में फंसे रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिलेगी, लेकिन इसके लिए ऊंची कीमत चुकानी होगी।

सीबीएस न्यूज के मुताबिक, वर्तमान में दुनियाभर के समुद्रों में करीब 12.4 करोड़ बैरल रूसी तेल मौजूद है। रूसी तेल से आपूर्ति जरूर बढ़ेगी, लेकिन कीमतों पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। समुद्रों में रूस का 12 करोड़ बैरल तेल मौजूद है, लेकिन यह तेल की महज एक दिन की वैश्विक मांग (10.4 करोड़ प्रतिदिन) से कम है। डच बैंक आईएनजी में कमोडिटीज स्ट्रेटेजी के हेड वारेन पैटरसन ने कहा, अमेरिका के इस कदम से आपूर्ति में रुकावट की पूरी भरपाई नहीं होगी। तेल बाजार के लिए सिर्फ एक ही समाधान है...होर्मुज से आपूर्ति फिर से सुचारू रूप से शुरू हो। इस नए उपलब्ध रूसी तेल को खरीदने की सर्वाधिक संभावना भारत और अन्य एशियाई देशों की है।

रूस को लाभ नहीं

अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा, इस अल्पकालिक छूट से रूस को कोई वित्तीय लाभ नहीं होगा, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा का अधिकांश राजस्व पॉइंट ऑफ एक्सट्रैक्शन (जहां से तेल निकलता है) पर लगने वाले टैक्स से प्राप्त करता है। ईरान संकट शुरू होने के बाद रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच कीमतों का अंतर अब काफी कम रह गया है। मंगलवार को रूसी उराल 101-102 डॉलर और ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। युद्ध से पहले फरवरी में रूसी उराल 55 डॉलर और ब्रेंट क्रूड का भाव 70 डॉलर के आसपास था। रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच अंतर अब सिर्फ 8 डॉलर का रह गया है, जो युद्ध से पहले 15 डॉलर प्रति बैरल का था। इस तरह देखा जाए, तो रूसी तेल बाजार में आएगा तो, लेकिन पहले की तरह सस्ता नहीं मिलेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	वृष	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
वृष----	05-24	बजे
मिथुन--	07-24	बजे
कर्क---	09-37	बजे
सिंह---	11-49	बजे
कन्या---	13-55	बजे
तुला----	16-01	बजे
वृश्चिक--	18-11	बजे
धनु----	20-25	बजे
मकर--	22-31	बजे
कुंभ---	00-21	बजे
मीन---	01-59	बजे
मेष----	03-35	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष गुरुवार **21 May 2026**
तिथि - पंचमी **08-26** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - पुष्य **02-49** रात्रि तक उपरान्त आश्लेषा
योग - गण्ड **10-58** तक उप वृद्धि
करण - बालव **08-26** तक उप कौलव

विशेष: अमृत गुरु पुष्य योग

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-50 से 15-27 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	05-46 - 07-21	शुभ
रोग	07-21 - 08-58	अशुभ
उत्पात	08-58 - 10-36	अशुभ
चंचल	10-36 - 12-13	शुभ
लाभ	12-13 - 13-50	शुभ
अमृत	13-50 - 15-27	शुभ
काल	15-27- 17-05	अशुभ
शुभ	17-05 - 18-38	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-38 - 20-05	शुभ
चंचल	20-05 - 21-27	शुभ
रोग	20-27 - 22-50	अशुभ
काल	22-50 - 00-13	अशुभ
लाभ	00-13 - 01-35	शुभ
उत्पात	01-35 - 02-58	अशुभ
शुभ.	02-58 - 04-21	शुभ
अमृत	04-21 - 05-46	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे ।आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं |आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेह्तर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
दैनिक राशिफल आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

खुद पर पेट्रोल छिड़कने वाले विधायक रविंद्र सिंह भाटी के 'सपोर्ट' में कांग्रेस! बीजेपी सरकार पर हमलावर

बाड़मेर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरहदी जिले बाड़मेर में गिरल लिग्नाइट माइंस के मजदूरों के हक की लड़ाई अब केवल एक स्थानीय श्रमिक आंदोलन नहीं रह गई है, बल्कि इसने मरुधरा की राजनीति में एक बहुत बड़ा भूचाल ला दिया है। शिव क्षेत्र से बेहद लोकप्रिय और निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी द्वारा बाड़मेर कलेक्ट्रेट परिसर में खुद पर पेट्रोल छिड़कने की खौफनाक और भावुक घटना के बाद, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इसे लपक लिया है। अशोक गहलोत से लेकर गोविंद सिंह डोटासरा तक, कांग्रेस के तमाम बड़े सूरमा इस समय निर्दलीय विधायक और पीड़ित मजदूरों के पीछे ढाल बनकर खड़े हो गए हैं। इस रणनीतिक मूव ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया है।

कांग्रेस पार्टी का रविंद्र सिंह भाटी के लिए इस तरह खुलकर सामने आना राजस्थान की राजनीति के जानकारों को हैरान कर रहा है। लेकिन इसके पीछे का गणित बहुत सीधा है।

सरकार की घेराबंदी का बड़ा मौकाः गिरल गांव में पिछले 40 दिनों से मजदूर धरने पर बैठे हैं और विधायक भाटी पिछले 14 दिनों से उनके साथ थे। कांग्रेस का आरोप है कि इतने लंबे समय तक सरकार और जिला प्रशासन का मौन रहना उनकी घोर संवेदनहीनता को दर्शाता है। युवा जनभावनाओं को भुनानाः रविंद्र सिंह भाटी की सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर युवाओं के बीच जबरदस्त पकड़ है। उनके इस बेहद भावुक कदम (मुझे मारो, मेरे मजदूरों को मत मारो₹) के बाद जनता में जो सहानुभूति की लहर पैदा हुई है, कांग्रेस उसे सीधे भाजपा विरोधी आक्रोश में बदलना चाहती है। इस पूरे घटनाक्रम पर सबसे पहला और सबसे तगड़ा हमला पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बोला। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्वीट करते हुए सीधे मुख्यमंत्री और गृह विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

गहलोत ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, बाड़मेर में

गिरल लिग्नाइट माइंस के मजदूरों का 38 दिन से धरना प्रदर्शन जारी है। शिव विधायक श्री रविंद्र सिंह भाटी भी 15 दिन से इन मजदूरों के साथ बैठे हैं परन्तु न तो सरकार ने कोई वार्ता की और न ही प्रशासन ने ध्यान दिया। इस घोर उदासीनता के कारण वे मजदूरों के साथ कलेक्ट्रेट कूच करने एवं अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलने तक को मजबूर हुए। भाजपा के शासन में जब एक विधायक को अपनी मांगों पर ध्यानाकर्षण के लिए ऐसा आत्मघाती कदम उठाना पड़ रहा है, तो आम आदमी की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। राज्य सरकार को अविलंब इनकी मांगों पर ध्यान देकर सकारात्मक हल निकालना चाहिए।

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में भजनलाल सरकार को 'पर्ची सरकार' कहते हुए आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह घटना राजस्थान के इतिहास में एक काला धब्बा है।

डोटासरा ने दो टूक शब्दों में कहा, ₹एक जनप्रतिनिधि को अपनी और जनता की बात सुनाने के लिए खुद पर पेट्रोल छिड़कना पड़े, इससे शर्मनाक बात राजस्थान के लोकतंत्र के लिए क्या होगी? यह आक्रोश अकेले रविंद्र भाटी का नहीं, बल्कि प्रदेश के उन लाखों नागरिकों का है जिनकी सुनवाई इस 'पर्ची सरकार' में कहीं नहीं हो रही है।

डोटासरा ने मांग की कि सरकार अपनी कुंभकर्णी नींद से तुरंत जागे और 45 दिन से भूखे-प्यासे बैठे मजदूरों से वार्ता कर मुद्दों का तत्काल समाधान निकाले।

हालांकि, एक जिम्मेदार राजनेता के तौर पर डोटासरा ने युवाओं के बीच गलत संदेश जाने से रोकने के लिए विधायक रविंद्र भाटी के इस तरीके की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, एक विधायक को भी इस प्रकार की अत्यधिक भावुकता से बचना चाहिए। विरोध का तरीका हमेशा संवैधानिक होना चाहिए। सार्वजनिक रूप से खुद पर पेट्रोल छिड़कना या आत्मदाह जैसा कदम उठाना कानून और सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य है। एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में रहकर ही अपनी बात रखनी चाहिए। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटना को लोकतंत्र पर एक बड़ा कलंक बताया है। जूली ने कहा कि बाड़मेर की गिरल लिग्नाइट माइंस के मजदूरों के हक की लड़ाई में पिछले दो हफ्तों से धरने पर बैठे विधायक को भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण कलेक्ट्रेट में पेट्रोल छिड़कने जैसी कठोर स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री से तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने तो सीधे शब्दों में सरकार को भुगतने की चेतावनी दे डाली है, भाजपा की पर्ची सरकार ने एक निर्वाचित विधायक और गरीब मजदूरों का इतना अपमान किया है कि वे कलेक्ट्रेट कूच करने एवं अपने ऊपर पेट्रोल डालने पर मजबूर हो गए। विधायक पद की गरिमा सरकार को ध्यान रखनी चाहिए। अगर विधायक रविंद्र सिंह जी भाटी या किसी भी मजदूर के साथ कुछ भी गलत हुआ, तो भाजपा सरकार इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने के लिए पूरी तरह तैयार रहे।

इसी तरह वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने भी इसे प्रशासनिक असफलता का सबसे बड़ा प्रमाण बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर किया गया एक गहरा आघात है।

सिर्फ भारत में नहीं, पूरे विश्व की रैंकिंग में नंबर 1 आया राजस्थान

'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड 2026' पर सीएम भजनलाल शर्मा ने दी बधाई

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के नाम एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि दर्ज हो गई है जिसने वैश्विक स्तर पर भारत का सिर फख्र से ऊंचा कर दिया है। आमतौर पर विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर या पर्यटन के क्षेत्र में रैंकिंग की बातें तो होती रहती हैं, लेकिन इस बार मामला सीधे जनस्वास्थ्य और इंसानी जिंदगियों को बचाने से जुड़ा है। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2025-26 के दौरान तम्बाकू नियंत्रण और नशामुक्ति के क्षेत्र में किए गए क्रांतिकारी और लीक से हटकर किए गए जमीनी कार्यों के आधार पर राजस्थान को पूरे महाद्वीप में टॉप पोजीशन पर रखा है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की घोषणा होते ही मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर स्वास्थ्य महकमे तक में ख़ुशी का माहौल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इसे मरुधरा के इतिहास का एक टर्निंग पॉइंट बताया है। आपको बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पूरी दुनिया को 6 अलग-अलग रीजन्स (भौगोलिक क्षेत्रों) में विभाजित करके वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य मानकों और अभियानों की निगरानी करता है।

इस बार के 'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड-2026' की कड़ी स्क्रूटनी और कड़े मापदंडों के बीच, साउथ-ईस्ट एशिया रीजन में राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने न केवल भारत के अन्य राज्यों को बल्कि इस रीजन में आने वाले कई देशों को पछाड़कर प्रथम स्थान हासिल किया है।

इस वैश्विक गौरव पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 19 मई की रात को ही राज्य के नाम एक विशेष संदेश जारी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा, ₹विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा राजस्थान को मिला यह सर्वोच्च वैश्विक सम्मान हमारी सरकार की जनस्वास्थ्य को लेकर की गई मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता, प्रभावी जमीनी नीतियों और 'तम्बाकू मुक्त राजस्थान' के पवित्र संकल्प का सीधा परिणाम है। हमारी सरकार आमजन, विशेषकर नई पीढ़ी और युवाओं को तम्बाकू के जानलेवा दुष्प्रभावों से बचाने के लिए लगातार कड़े और ठोस कदम उठा रही है। यह सम्मान केवल सरकार का नहीं, बल्कि चिकित्सा कर्मियों, जिला प्रशासनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस ऐतिहासिक जीत के पीछे की रणनीतियों का खुलासा करते हुए कहा कि मरुधरा ने पूरे देश के सामने नशामुक्ति का एक ऐसा अनूठा वर्किंग मॉडल पेश किया है, जिसे अब अन्य राज्य भी अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। खींवसर ने साफ किया कि सिर्फ कागजों पर कानून बनाने से कोई अभियान सफल नहीं होता; राजस्थान सरकार ने ब्लॉक स्तर तक जाकर सीधे पीड़ितों की काउंसलिंग और इलाज की व्यवस्था को सुदृढ़ किया है, जिसके चलते लाखों लोगों ने हमेशा के लिए बीड़ी, सिगरेट और गुटखे से तौबा कर ली है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोटपा कानूनों को और अधिक कड़ाई से लागू किया जाएगा।

मदन राठौड़ का कांग्रेस पर पलटवार

जल संकट और गैस मुद्दे पर विपक्ष फैला रहा भ्रम

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकारें लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद राजस्थान में स्थायी जल व्यवस्था विकसित नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री रहे, लेकिन जोधपुर सहित कई क्षेत्रों में पानी की स्थायी समस्या का समाधान नहीं कर पाए।

राठौड़ ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार जल संकट के समाधान के लिए गंभीरता से काम कर रही है और घर-घर पानी पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी हैं। उन्होंने बताया कि भाखड़ा बांध से क्लोजर आने के कारण कुछ समय के लिए जल आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन अब व्यवस्थाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ दिक्कतें

सामने आई हैं, जिनके समाधान के लिए प्रशासन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कार्यालय का घेराव करने से पहले कांग्रेस नेताओं को आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन घटनाओं को लेकर भाजपा पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनका पार्टी से कोई संबंध नहीं है और यह कांग्रेस से जुड़े लोगों का ही कारनामा है।

गैस और पेट्रोल संकट के मुद्दे पर राठौड़ ने कहा कि विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि गल्फ देशों में तनावपूर्ण हालात और युद्ध जैसी स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि हार्मुज मार्ग से भारतीय पोत सुरक्षित आवाजाही कर रहे हैं और देशहित में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मितव्ययिता अपनाने और वाहन शेयरिंग जैसी अपील समाजहित और राष्ट्रहित में है, इसे विपक्ष द्वारा गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

इससे पहले राठौड़ ने भाजपा कार्यकर्ता रेना द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए परिंडा लगाने की सराहना की। उन्होंने प्रदेशवासियों से पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने और अधिक से अधिक परिंडे लगाने की अपील भी की।

आतंकी 'खरगोश' से पहले भी एक और आतंकी ने बनवाया ड्राइविंग लाइसेंस! विभाग में हड़कंप

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा के कुख्यात आतंकी उमर हारिस उर्फ 'खरगोश' को लेकर हर दिन चौंकाने वाले और बेहद गंभीर खुलासे हो रहे हैं। जयपुर और हरियाणा की मतदाता सूचियों में फर्जी नामों से जगह बनाने के बाद अब यह सामने आया है कि इस आतंकी ने जयपुर में रहने के दौरान परिवहन विभाग की नाक के नीचे से अपना ड्राइविंग लाइसेंस भी बनवा लिया था। दूसरी तरफ ठीक इसी तरह का मामला करीब 27 साल पहले भी जयपुर जिला परिवहन विभाग में घटित हो चुका है। एक संदिग्ध आतंकी ने परिवहन विभाग में कुछ कथित दलालों और मोटर ड्राइविंग स्कूलों से मिलीभगत कर ड्राइविंग लाइसेंस जारी कराया था।

सुरक्षा एजेंसियों की जांच जब परिवहन विभाग तक पहुंची, तो हड़कंप मच गया। रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि साल 2024 में जगतपुरा एआरटीओ कार्यालय से 'सज्जाद अहमद' के फर्जी नाम पर यह ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया था। इसके लिए जयपुर में ट्रायल भी दी गई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि यह लाइसेंस उन्हीं फर्जी दस्तावेज (आधार कार्ड और वोटर आइडी) के आधार पर तैयार हो गया, जिनका इस्तेमाल उसने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए किया था।

मामला उजागर होने के बाद जिला परिवहन अधिकारी जगतपुरा, जयपुर की ओर से आधिकारिक आदेश जारी किया गया। एटीएस जयपुर से 11 मई 2026 को मिले गोपनीय इनपुट के आधार पर विभाग ने कार्रवाई की है। आदेश के तहत 'सज्जाद अहमद' के नाम पर जारी ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया गया। एटीएस की रिपोर्ट में इस व्यक्ति को 'संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी' माना गया है।

परिवहन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर स्थित जिला परिवहन कार्यालय में ठीक इसी तरह की घटना करीब 27 साल पहले भी घटित हो चुकी है। तब जयपुर में छिपा आतंकी 'इमरान' नाम से फर्जी दस्तावेजों और दलालों व मोटर ड्राइविंग स्कूल की मदद से फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस जारी करवाने में कामयाब रहा। हालांकि बाद में मामला उजागर होने के बाद विभाग ने उक्त ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त भी कर दिया। मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने एक मोटर ड्राइविंग स्कूल संचालक समेत कुछ दलालों को गिरफ्तार भी किया लेकिन आरोपी आतंकी की पुलिस को अब तक तलाश है।

झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख मांगने वाली महिला गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 20 मई (एजेंसियां)। सदर पुलिस ने सीनियर सिटीजन व्यक्तियों को अपने जाल में फंसाकर दुष्कर्म के झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ हरियाणा और राजस्थान में ब्लैकमेलिंग, धोखाधड़ी, देह व्यापार और अन्य मामलों में कई प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। जिला पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने बताया कि 17 मई को सदर में करीब 70 वर्षीय एक वरिष्ठ नागरिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी के अनुसार उसका पुत्र जोधपुर में अस्पताल संचालित करता है। अस्पताल में देखभाल के दौरान उसकी पहचान हरियाणा निवासी महिला मंजू देवी से हुई थी। परिवादी ने बताया कि महिला ने अस्पताल में करीब 10 दिन तक इलाज कराया, लेकिन उपचार के रुपए नहीं दिए। बाद में रुपए मांगने पर आरोपी ने परिवादी और उसके पुत्र को बार-बार फोन कर रेप के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

थर्मल पावर प्लांट में भालू की 'एंट्री' से मची भगदड़!

कोटा, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा के पड़ोसी जिले बूंदी में भालू के हमले से बुजुर्ग को आए 200 टांकों की दहशत अभी थमी भी नहीं थी कि कोटा थर्मल पावर प्लांट की यूनिट-6 में एक खूंखार भालू घुस गया। मशीनों के बीच भालू को करीब एक घंटे तक घूमता देख कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। कोटाः कोटा के थर्मल पावर प्लांट परिसर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब प्लांट की यूनिट-6 के भीतर एक भालू घुस गया। भारी-भरकम भालू को मशीनरी के बीच घूमता देख वहां तैनात इंजीनियरों और कर्मचारियों के होश उड़ गए और वे अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। करीब एक घंटे तक भालू यूनिट के भीतर ही डेरा जमाए रहा। इस दौरान वह वैक्यूम पंप क्षेत्र से होते हुए सीईपी के पास और एमओटी रूम के आसपास टहलता दिखाई दिया। गनीमत यह रही कि इस दौरान भालू ने किसी कर्मचारी पर सीधा हमला नहीं किया, लेकिन वहां मौजूद हर शख्स की सांसें एक घंटे तक हलक में अटकी रहीं। कर्मचारियों का कहना है कि अगर जल्द ही भालू और पैंथर जैसे खूंखार वन्यजीवों से सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए, तो थर्मल में काम करना असंभव हो जाएगा। थर्मल कर्मचारियों के इस कदर डरने के पीछे एक बड़ी और दर्दनाक वजह भी थी। दरअसल, ठीक एक दिन पहले ही पड़ोसी जिले बूंदी के रामगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक जंगली भालू ने 60 साल के बुजुर्ग पर जानलेवा हमला कर दिया था।

'जमीन नहीं देंगे' जालौर में उग्र हुआ आंदोलन

ग्रामीणों का आरोप- हमें डराने के लिए चलाए ट्रैक्टर-जेसीबी

जालौर, 20 मई (एजेंसियां)। जालौर जिले के बागोड़ा क्षेत्र के दादाल गांव में इंडस्ट्रियल पार्क के लिए आवंटित जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पिछले छह दिनों से ग्रामीण भूमि आवंटन के विरोध में धरने पर बैठे हुए हैं। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब धरनार्थियों और कंपनी स्टाफ के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी यानी आरएलपी के नेता थानसिंह डोली भी धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के समर्थन में नारेबाजी की और आंदोलन को समर्थन दिया। जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल पार्क की ओर से आवंटित जमीन पर ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनों के जरिए समतलीकरण का काम किया जा रहा था। इसी दौरान धरने पर बैठे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काम बंद कराने का प्रयास किया। काम रुकवाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मौके

पर मौजूद ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनों को उनकी तरफ बढ़ाया गया, जिससे डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं और बच्चों ने जान बचाने के लिए इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया। उनका आरोप है कि ट्रैक्टर तेज गति से दौड़ाकर उन्हें डराने का प्रयास किया गया।

वहीं कंपनी प्रबंधन से जुड़े लोगों ने ग्रामीणों के आरोपों को खारिज किया है। कंपनी से जुड़े अशोक जैन ने बताया कि सरकार के साथ हुए एमओयू के तहत करीब एक महीने पहले 8 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजना के तहत यहां अस्पताल, सोलर फार्म, बैटरी स्टोरेज और अन्य औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जानी है। इसी प्रक्रिया के तहत जमीन समतलीकरण का काम चल रहा था। कंपनी पक्ष का आरोप है कि धरने पर मौजूद लोगों ने काम में बाधा पहुंचाई और कर्मचारियों की तरफ पथराव किया, जिससे तनाव की स्थिति पैदा हुई।

घटना की सूचना मिलते ही बागोड़ा थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया। जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि संबंधित भूमि राजस्व विभाग द्वारा राइजिंग राजस्थान योजना के तहत मैसर्स छत्रशांति इंडस्ट्रियल पार्क, बेंगलुरु को आवंटित की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जमीन न तो गोचर भूमि है और न ही आबादी क्षेत्र में आती है। मामले की जांच एसडीएम और अन्य अधिकारियों द्वारा की जा रही है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक भूमि आवंटन रद्द नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन और धरना जारी रहेगा।

घर में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों ने पीट-पीट कर मार डाला

भरतपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के सीतापुरा गांव में एक मादा पैंथर (तेंदुए) की ग्रामीणों द्वारा कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. घटना वेयर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पैंथर एक घर में घुस गया था, जिसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई. डरे हुए ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और स्थिति तनावपूर्ण हो गई. घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय पुलिस की टीमें गांव पहुंचीं. अधिकारियों ने ग्रामीणों को शांत करने और पैंथर को सुरक्षित पकड़ने की कोशिश शुरू की. उप वन संरक्षक चेतन कुमार ने बताया कि बचाव दल पूरी सावधानी के साथ जानवर को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रहा था. पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर लोगों को घटनास्थल से दूर रखने की कोशिश कर रहे थे, ताकि किसी तरह की जनहानि न हो. हालांकि, हालात अचानक बिगड़ गए. अधिकारियों के मुताबिक जैसे ही पैंथर घर से बाहर निकलने की कोशिश करने लगा, वहां मौजूद कुछ ग्रामीणों ने उस पर हमला कर दिया. लोगों ने लाठियों और अन्य वस्तुओं से पैंथर को बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वन विभाग की टीम ने लोगों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो गया. इतना ही नहीं अधिकारियों ने बताया कि पैंथर की मौत के बाद कुछ ग्रामीणों ने उसके शव को जलाने की भी कोशिश की. सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने तत्काल हस्तक्षेप किया और आंशिक रूप से जले हुए शव को अपने कब्जे में लिया.

एलपीजी सिलेंडर में धमाका, 2 किमी तक सुनाई दी गूंज, 8 झुलसे, भाई-बहन की मौत

भरतपुर, 20 मई (एजेंसियां)। डीग जिले के कामां कस्बे के अक्खड़वाड़ी मैदान के पास स्थित नवीन बस स्टैंड के सामने कोल्ड ड्रिंक सप्लायर की दुकान पर एलपीजी सिलेंडर में हुए धमाके की गूंज करीब दो किमी दूर तक सुनाई दी। दुकान पर दो ईको वैन में एलपीजी गैस सिलेंडर से अवैध गैस रिफिलिंग की जा रही थी। इन्हीं वैन से गांवों में कोल्ड ड्रिंक सप्लाई का कार्य किया जाता था। हादसे में महिला-बच्चों समेत आठ झुलस गए। इस दर्दनाक

हादसे में 2 सगे भाई-बहन की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शाम को कोल्ड ड्रिंक सप्लाई करने वाली 2 ईको वैन में एलपीजी गैस सिलेंडरों से गैस रिफिलिंग की जा रही थी। अचानक पास में रखे सिलेंडरों में आग लग गई। परिजन आग बुझाने की कोशिश करने वाले ही थे कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। अचानक सिलेंडरों में ब्लास्ट हो गया। आग ने दुकान के ऊपर बने मकान को भी चपेट में ले लिया। दोनों ही ईको वैन में एलपीजी किट लगी हुई थी।

पारा पहुंचा 46 डिग्री के करीब, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

अलवर, 20 मई (एजेंसियां)। सूरज के तीखे तेवरों ने अलवर को भट्टी की तरह तपा दिया है। श्रीगंगानगर और चित्तौड़गढ़ के बाद अलवर पूरे प्रदेश में तीसरा सबसे गर्म इलाका दर्ज किया गया, जहां पारा 46 डिग्री के बिल्कुल करीब यानी 45.8 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। सुबह सूरज उगने के साथ ही शुरू हुआ तपिश का सिलसिला देर रात तक गर्म हवाओं के रूप में जारी रहा। वहीं, रात का न्यूनतम तापमान भी 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे लोगों को रात में भी चैन नहीं मिल पा रहा है। इस रिकॉर्डतोड़ गर्मी के कारण अलवर की सड़कों पर दोपहर के समय अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात नजर आए। शहर के मुख्य बाजारों और रास्तों पर सन्नाटा पसरा रहा। जो लोग बहुत जरूरी काम से बाहर निकले भी, वे खुद को सिर से पैर तक सूती कपड़ों से ढककर, चश्मा और छाता लगाकर धूप से बचते नजर आए।

युवा ऑल राउंडर मानव सुथार का टीम इंडिया में चयन

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतिभाशाली ऑल राउंडर मानव सुथार का अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चयन होने पर प्रदेशभर में खुशी का माहौल है। करीब 12 वर्षों बाद राजस्थान के किसी खिलाड़ी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है। आरसीए एडहॉक कमेटी के संयोजक डॉ. मोहित जसवंत यादव और समिति के अन्य सदस्यों ने मानव सुथार के चयन का स्वागत करते हुए इसे राजस्थान क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा

कि मानव ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर यह मुकाम हासिल किया है और उनका चयन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। मानव सुथार ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अब तक 29 मैच खेलते हुए 945 रन बनाए हैं और 129 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं लिस्ट-ए क्रिकेट के 25 मुकाबलों में उन्होंने 350 रन बनाने के साथ 34 विकेट हासिल किए हैं। टी-20 क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, जहां 29 मैचों में उन्होंने 94 रन और 25 विकेट दर्ज किए हैं।

श्रीकांत बडिगा वर्ल्ड एफजेडओ के निदेशक मंडल में फिर चुने गए

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उद्योगपति श्रीकांत बडिगा को प्रतिष्ठित वर्ल्ड फ्री जोन ऑर्गनाइजेशन (वर्ल्ड एफजेडओ) के निदेशक मंडल का सदस्य 2026 से 2030 तक दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। यह चुनाव पनामा में आयोजित 12वें वर्ल्ड एफजेडओ विश्व कांग्रेस और संगठन की वार्षिक आम सभा के दौरान संपन्न हुआ। ईओयू और एसईजेड के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीईएस) ने बताया कि श्रीकांत बडिगा को वैश्विक मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह हैदराबाद स्थित फीनिक्स ग्रुप के ग्रुप डायरेक्टर और ईपीसीईएस के चेयरमैन भी हैं। ईपीसीईएस भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निर्यात प्रोत्साहन परिषद है, जो निर्यात उन्मुख इकाइयों (ईओयू), विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्रों (एफटीडब्ल्यूजेड) में कार्यरत कंपनियों को सहयोग प्रदान करती है।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः06-एमइसीएच-आईसीएफ-एफयुआर-टीपीटी-26-27 दि.15-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा अधोलिखित निविदा संख्या की बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बिड्डर्स या बोलीदाता, अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः06-एमइसीएच-आईसीएफ-एफयुआर-टीपीटी-26-27 दि.15-05-2026 कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर आईसीएफ कोचेस में फर्निशिंग आइटम्स पर ध्यान देना।

अनुमानित मूल्य रु.3,39,34,384.22 बोली सुरक्षा रु.6,78,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने, बंद करने की तिथिः06-06-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य यांत्रिक अभियन्ता/सीआरएस/तिरुपति

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-14-2026-27, दि.18-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-इएम-14-2026-27, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजन-1. टीपीटीवाय-एचवीएसी सुविधा सहित ओल्ड कम्युनिटी हाल में सी&डब्ल्यू आफिस की शिफ्टिंग के एवज में कम्युनिटी हाल का प्रस्तावित निर्माण कार्य (फेज-II)-बिजली व्यवस्थाएं। 2. सीआरएस/तिरुपति- स्टोर्स डिपो पर नया एलएचबी गोडाउन का निर्माण-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.1,53,26,754.92

बंद करने की तिथि व समयः 09-06-2026 के 15,00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

नोटः ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डीजिटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/रखरखाव/गुंटकल

ई-निविदा सूचना

जिन के पास वैध ए ग्रेड 11 केवी या इससे भी अधिक, इलेक्ट्रिकल कान्ट्राक्टर का लाइसेंस है, ऐसे ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित है। भारत के राष्ट्रपति की ओर से, चीफ वर्कशाप मैनेजर विद्युतीय शाखा, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.15-06-2026 के 14.45 बजे तक मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीआर/ई.29/I/212ए, दि.14-05-2026 कार्य विवरणः डब्ल्यूडब्ल्यूएस/जीटीपीएल पर प्रोटेक्टिव रिले मेकानिज्म सहित विद्युतीय संपत्तियां जैसे, वैक्युम सर्कुट ब्रेकर्स सहित एचटी 4 पोल स्ट्रक्चर्स का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। मात्राः01, कार्य पूरा करने की अवधिः6 महिने, निविदा मूल्य रु.70,63,768.34 (रु.सत्तर लाख तिरसठ हजार सातसौ अड़सठ और चौंतीस पैसे मात्र), जमा की जानेवाली बोली सुरक्षा /अग्रधन रु.1,41,300.00 (रु.एक लाख इकतालीस हजार तीनसौ मात्र), निविदा दस्तावेज का मूल्य रु. शून्य, वैध आफरः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः आईआरजीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा। निविदाकरण की प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट, तत्समान स्वभाव का कार्यः लागू, बोली बंद करने की तिथि व समयः 15-06-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि व समयः 15-06-2026 के 15.15 बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्रः निविदा दस्तावेज तथा परिवर्तनों/शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, वेबसाइटःhttp://www.ireps.gov.in देखें।

यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस पर उसी समय पर खोला जायेगा।

चीफ वर्कशाप मैनेजर/वैगान वर्कशाप/गुन्टुपल्ली

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी /इ.इजीएस/03/2026-27 दि.18-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु नीचे विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.- बी/इ.29/I/इजीएस/07/26-27 दि.18-05-2026, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-अमृत भारत स्टेशनों पर 16 संख्याक अतिरिक्त एस्केलेटर्स के लिए बिजली ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्थाएं।

कार्य पूरा करने की अवधिः6 महिने, निविदा मूल्य रु. 2,94,20,093.60 अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.5,88,400.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथिः 09-06-2026

क्रम सं.2, निविदा सं.- बी/इ.29/I/इजीएस/08/26-27 दि.18-05-2026, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-ईई तथा बीवीआरटी स्टेशनों पर बढी हुई लोड्स के लिए शिफ्टिंग, बिजली आपूर्ति व्यवस्थाओं का मजबूतीकरण तथा उन्नयन।

कार्य पूरा करने की अवधिः6 महिने, निविदा मूल्य रु. 3,19,07,361.78 अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.6,38,200.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथिः 09-06-2026

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यो का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

यह निविदा सूचना, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता का कार्यालय, रखरखाव, द.म. रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शायी गयी है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक/(बिजली)/विजयवाडा

पुलिस ने फर्जी सिम कार्ड गिरोह का किया भंडाफोड़

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 3.0' के तहत हैदराबाद पुलिस ने बड़े फर्जी सिम कार्ड नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में 13 राज्यों में कार्रवाई करते हुए 66 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार विभिन्न साइबर धोखाधड़ी मामलों में इस्तेमाल हो रहे 1,194 फर्जी सिम कार्डों का पता चलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया। एक सप्ताह तक चली छापेमारी में 18 विशेष टीमों ने 544 सिम कार्ड जब्त किए, जिनमें 432 सीलबंद और 112 सक्रिय सिम शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपितों में 44 फर्जी सिम उपयोगकर्ता, 20 प्वाइंट-ऑफ-सेल एजेंट और दूरसंचार प्रमोटर तथा दो सिम आपूर्तिकर्ता शामिल हैं। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि इन लोगों का संबंध देशभर में दर्ज 76 साइबर अपराध मामलों से है, जिनमें 101.87 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी हुई है।

जांच में सामने आया कि कुछ एजेंट ग्राहकों की जानकारी के बिना उनके बायोमेट्रिक विवरण का उपयोग कर अतिरिक्त सिम सक्रिय कर रहे थे।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर ट्रैफिक चालान से बचने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने ट्रैफिक चालान से बचने के लिए फर्जी वाहन पंजीकरण संख्या का इस्तेमाल करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मल्लेपल्ली निवासी गायकवाड़ नवनाथ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गायकवाड़ के पास हीरो पैशन प्लस मोटरसाइकिल थी। उसने एक सेकंड हैंड बाइक खरीदी थी, जिस पर कोई पंजीकरण संख्या नहीं थी। इसके बाद उसने अपने वाहन पर एपी 11 एए 6077 नंबर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। जांच में पता चला कि यह नंबर राजेंद्रनगर निवासी विक्की पासवान की होंडा शाइन बाइक का है। गायकवाड़ द्वारा किए गए यातायात नियमों के उल्लंघन के चालान विक्की पासवान के नाम पर भेजे जा रहे थे।

खुली ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.- एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/02/2026-27, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः पूर्णा-अकोला सेक्शन के हिंगोली स्टेशन पर गूड्स हैण्डलिंग हेतु सीएसएल-750एम की अतिरिक्त लूप लाइन सहित तत्संबंधित मौजूदा ओएचइ का परिवर्धन तथा परिवर्तन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.2,02,91,759.12, बोली सुरक्षा रु.4,05,800.00

क्रम सं.2, निविदा सं.- एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/03/2026-27, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः नांदेड यार्ड पर ट्रिप शेड सहित तत्संबंधित टीआरडी व्यवस्थाएं।

पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.77,15,775.80, बोली सुरक्षा रु.1,54,300.00

क्रम सं.3, निविदा सं.- एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/04/2026-27, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः तत्संबंधित डिवीजन मे विश्वसनीयता व सुरक्षा के सुधार हेतु ओएचइ/पीएसआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन कार्य। 1) 5 एमएम ड्राप्पर के स्थान पर गंभीर स्थानों पर 7एमएम ड्राप्पर का प्रावधान। 2) अप्रदूषित क्षेत्रों में पोरसेलन इंसुलेटर्स सहित कम्पोजिट इंसुलेटर्स का प्रतिस्थापन तथा प्रदूषित क्षेत्रों में पोर्सिलेन इंसुलेटर को कम्पोजिट इंसुलेटर से बदलना। 3) प्रदूषित क्षेत्रों में कैडमियम कापर कैटेनरी वायर के एन्टि-क्रीप वायर सहित स्टील एन्टि-क्रीप वायर का प्रतिस्थापन।

कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.99,66,722.00 बोली सुरक्षा रु.1,99,300.00

क्रम सं.4, निविदा सं.- एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/05/2026-27, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः तत्संबंधित नांदेड डिवीजन के प्लेटफार्म स्थानों पर आरटी चेयर प्रदान करते हुए डिवीजन में विश्वसनीयता व सुरक्षा के सुधार हेतु ओएचइ/पीएसआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन।

कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.1,76,58,618.00 बोली सुरक्षा रु.3,53,200.00

बंद करने की तिथि व समयः 10-06-2026 के 11.00 बजे

नोटः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा। विस्तृत नियम शर्तो के विवरण हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय बिजली अभियन्ता/टीआरडी/नान्देड

A329

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

सीएम ने कानून-व्यवस्था, साइबर क्राइम और फायर सेफ्टी पर दिए अहम निर्देश

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कानून-व्यवस्था, साइबर क्राइम नियंत्रण, विजिलेंस और फायर सेफ्टी को लेकर अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ड्रग्स पीड़ितों के लिए विशेष डी-एडिक्शन सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में एसआई से लेकर नॉन-कैडर आईपीएस स्तर तक पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों को दो वर्षों तक अन्य विभागों में भी कार्य करना चाहिए। इस संबंध में मुख्य सचिव और डीजीपी को अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में साइबर क्राइम नियंत्रण को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए समग्र अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। साथ ही फोरेंसिक सेंटर और डेटा सेंटर की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पुलिस प्रशिक्षण के दौरान ही साइबर क्राइम शाखा के लिए विशेष चयन प्रक्रिया शुरू की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने स्किल्स यूनिवर्सिटी में पुलिस विभाग के लिए साइबर क्राइम से संबंधित विशेष कोर्स शुरू करने का सुझाव भी दिया।विजिलेंस विभाग की कार्यप्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने पर भी मुख्यमंत्री ने बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वालों पर विजिलेंस की विशेष नजर होनी चाहिए। डेटा एनालिसिस के आधार पर ऑर्गनाइज्ड क्राइम पर भी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। विजिलेंस विभाग को अधिक अधिकार देने के मुद्दे पर अध्ययन करने को भी कहा गया। फायर सेफ्टी को लेकर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से कदम उठाने होंगे। उन्होंने नगर प्रशासन विभाग और हाइड्रा के साथ समन्वय कर 15 जून तक फायर विभाग पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा नालों के रखरखाव में मेट्रो वाटर वर्क्स विभाग के साथ समन्वय बढ़ाने की बात कही गई।

मैनहोल प्रबंधन को लेकर पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, हाइड्रा और नगर प्रशासन विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया।मुख्यमंत्री ने शहर में अवैध रूप से लगाए जा रहे फ्लेक्सी बोर्ड्स पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस कमिश्नरों और जीएचएमसी अधिकारियों को फ्लेक्सियों के मुद्दे पर कड़ाई बरतने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में नाइट पेट्रोलिंग बढ़ाने को भी कहा।

जाति गणना पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का टीपीसीसी अध्यक्ष ने किया स्वागत

देशव्यापी जाति जनगणना की मांग दोहराई

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जनगणना प्रक्रिया में जाति गणना को शामिल किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से देश में व्यापक जाति जनगणना की मांग करती रही है, क्योंकि यह सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम है।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी देशभर में जाति गणना की आवश्यकता पर जोर दिया था और इसे सामाजिक न्याय के लिए जरूरी बताया था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक और पारदर्शी जाति जनगणना से पिछड़े और वंचित वर्गों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में न्याय और अवसर सुनिश्चित किए जा सकते हैं। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कराए गए जाति सर्वेक्षण को पारदर्शी और सफल माना जा रहा है, जो देश के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा किया गया यह सर्वे यह दर्शाता है कि सुव्यवस्थित तरीके से सामाजिक आंकड़े एकत्र किए जा सकते हैं। महेश कुमार गौड़ ने केंद्र सरकार से अपील की कि तेलंगाना मॉडल को अपनाते हुए पूरे देश में व्यापक जाति जनगणना कराई जाए, जिससे सामाजिक न्याय, समान अवसर और कल्याणकारी योजनाओं का सही वितरण सुनिश्चित हो सके।

चारमीनार क्षेत्र में रास्ता रोकने वाले दो फेरीवालों को जेल और जुर्माना

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीना क्षेत्र में सार्वजनिक रास्तों पर कब्जा कर लोगों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करने वाले दो फेरीवालों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए जेल और जुर्माने की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई चारमीनार थाना पुलिस द्वारा दर्ज किए गए डिजिटल लघु मामलों के आधार पर की गई।चारमीनार थाना प्रभारी टी रामबाबू ने बताया कि गांधी भवन स्थित प्रथम विशेष न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय ने दोनों मामलों की सुनवाई के बाद आरोपियों को दोषी पाया। पहले मामले में खिलवत निवासी 46 वर्षीय महेर उन्निसा को पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही में गंभीर बाधा उत्पन्न करने के आरोप में दोषी ठहराया गया। न्यायालय ने उन्हें एक दिन के साधारण कारावास तथा 100 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। दूसरे मामले में खिलवत निवासी 26 वर्षीय सैयद अब्दुल अमैर को ऐतिहासिक स्मारक के निकट सार्वजनिक सड़क पर अवैध रूप से ढांचा खड़ा करने का दोषी पाया गया। अदालत ने उसे दो दिन के साधारण कारावास और 100 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इन मामलों की जांच उपनिरीक्षक के राजशेखर तथा न्यायालय ड्यूटी अधिकारी महेंद्र ने की। अदालत के आदेश के बाद दोनों दोषियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि चारमीनार क्षेत्र में सड़कों और पैदल मार्गों पर कब्जा सार्वजनिक सुरक्षा, पर्यटकों की सुविधा और आपातकालीन सेवाओं के लिए गंभीर समस्या बन रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस डिजिटल लघु मामला प्रणाली के माध्यम से ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई कर रही है। उन्होंने फेरीवालों और व्यापारियों से निर्धारित स्थानों पर ही व्यापार करने तथा सार्वजनिक रास्तों को खाली रखने की अपील की।

मजदूरों की संख्या 20 लाख तक बढ़ाने का लक्ष्य : दानकिशोर

रोजगार गारंटी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज विभाग विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी और सामग्री से जुड़े कार्यों में तेजी लाई जाए तथा सभी स्वीकृत कार्यों को तुरंत धरातल पर शुरू किया जाए। उन्होंने बताया कि यह योजना 30 जून तक जारी रहेगी, जबकि 1 जुलाई से नई योजना लागू की जाएगी। डॉ. भीमराव अंबेडकर सचिवालय से पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिव्या के साथ सभी जिलों के जिलाधिकारियों और ग्रामीण विकास अधिकारियों के साथ वीडियो संवाद के माध्यम से रोजगार गारंटी कार्यों और सहायता पेंशन सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 15 लाख श्रमिक रोजगार गारंटी कार्यों में भाग ले रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि इस संख्या को तत्काल बढ़ाकर 20 लाख किया जाए। मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक दिन पहले ही श्रमिकों का समन्वय करने तथा कार्यों को गांवों की आबादी वाले क्षेत्रों के भीतर ही रखने के निर्देश दिए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए अधिकारियों से कहा गया कि कार्य सुबह 5:30 बजे शुरू कराए जाएं और मुख्य कार्यों को सुबह 10:30 बजे तक पूरा कराया जाए। आगामी 40 दिनों तक मंडल विकास अधिकारियों को पूरी तरह रोजगार गारंटी कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए गए। विशेष मुख्य सचिव ने कहा कि आवंटित भूमि पर भी खेत तालाब निर्माण कार्य शुरू किए जाएं ताकि किसानों को लाभ मिल सके। जिलाधिकारियों को प्रतिदिन सुबह स्वयं रोजगार गारंटी कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए गए।राज्य सरकार की 99 दिवसीय विशेष कार्ययोजना के तहत मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 8 हजार महिला ग्राम संगठन भवनों का शिलान्यास किया जाना है। इसे ध्यान में रखते हुए अगले 40 दिनों में अधिकाधिक भवन निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र, ग्राम पंचायत भवन, विद्यालयों की चारदीवारी तथा महिला समूह भवन जैसे निर्माण कार्य रोजगार गारंटी योजना के तहत किए जा सकते हैं। गांवों में पक्की नालियों की सफाई नियमित रूप से कर स्वच्छता बनाए रखने और वर्षा ऋतु को देखते हुए अग्रिम तैयारियां करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिव्या ने महिला स्वयं सहायता समूहों के बैंक ऋणों की वसूली पर जोर देते हुए कहा कि बकाया ऋणों को शून्य स्तर तक लाने में जिलों को आगे रहना चाहिए। विशेष रूप से महिला निधि ऋणों की वसूली पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बैंक ऋण स्वीकृति, महिला निधि ऋण वितरण, भुगतान और बकाया ऋण नियंत्रण पर प्रत्येक माह जिलाधिकारियों द्वारा विशेष समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए।

इंस्टाग्राम ब्लैकमेलिंग मामले में घरेलू सहायिका गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने इंस्टाग्राम के जरिए जबरन वसूली और यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में एक घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया है। मामले में एक नाबालिग लड़की को निशाना बनाया गया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला की पहचान सरस्वती के रूप में हुई है, जो पीड़िता के घर में काम करती थी। आरोप है कि उसने लड़की की निजी जानकारी मुख्य आरोपी चंद्रशेखर आजाद उर्फ अर्जुन को उपलब्ध कराई। पुलिस का कहना है कि सरस्वती लगातार आरोपी के संपर्क में थी और उसने नाबालिग के बारे में जानकारी जुटाने में उसकी मदद की।

जांच में सामने आया कि सरस्वती ने लड़की और अर्जुन की दोस्ती की जानकारी उसके माता-पिता को बताने की धमकी देकर पीड़िता से करीब 9 लाख रुपये की उगाही भी की। मुख्य आरोपी अर्जुन पर सोशल मीडिया के जरिए अमीर परिवारों की नाबालिग लड़कियों को फंसाने, उन्हें महंगे जीवनशैली का लालच देने और बाद में आपत्तिजनक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का आरोप है।

आइस स्केटिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरविंद कुमार द्विवेदी ने हैदराबाद जिला ओपन आइस फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैंटोनमेंट क्षेत्र के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री द्विवेदी ने कहा कि छावनी बोर्ड युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता अनुप कुमार यम की भी प्रशंसा की, जिन्होंने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर प्रतियोगिता के लिए तैयार किया।

सम्मानित खिलाड़ियों में एन. वीरभद्र यम, आर. दौलताबाद ओर्जिथ, अश्वत्थामा सागर, एस. लक्ष्मण जीवांश, सुभान साहिल खान, के.वी. विहानश, के. सात्विक, के.आर. साकेत, के. शीथिक, अदविका मुथार, जे. सुनकारी लक्ष्मी, पी. तेजेश और पी. प्रतीक शामिल रहे।

पीजी छात्रों का सीसीआरएएस एनआईआईएमएच, हैदराबाद भ्रमण

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीआरयूएम-राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा पद्धति अनुसंधान संस्थान(एनआरआईयूएमएसडी), हैदराबाद के स्नातकोत्तर छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने संस्थान के पुस्तकालय का दौरा किया, जहां लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन ऑफिसर (एलआईओ) श्री के. श्रीनिवास राव ने उन्हें संग्रहों का मार्गदर्शन किया। छात्रों को मूल्यवान यूनानी पांडुलिपियों, नवप्रकाशित यूनानी पुस्तकों तथा यूनानी चिकित्सा पर दुर्लभ पुस्तकों को देखने का अवसर मिला।

तत्पश्चात् छात्रों ने संग्रहालय का भ्रमण किया, जहां संग्रहालय क्यूरेटर श्री मुरली मनोहर ने उन्हें प्रदर्शनियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित आयुष प्रणालियों से संबंधित कई दुर्लभ कलाकृतियों को देखा।

इसके बाद डॉ. जी. पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी) के मार्गदर्शन में एक बैठक आयोजित की गई। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. प्रसाद ने संस्थान के महत्व पर जोर दिया तथा पांडुलिपि संरक्षण, ई-बुक निर्माण, अमर परियोजनाओं, आयुष रिसर्च पोर्टल तथा यूनानी पांडुलिपियों के अनुवाद व संरक्षण से संबंधित चल रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

इसके उपरांत डॉ. अशफाक अहमद, रिसर्च ऑफिसर (यूनानी) ने संस्थान में संरक्षित यूनानी पांडुलिपियों के बड़े संग्रह पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने पांडुलिपियों के संपादन व अनुवाद की प्रक्रियाओं तथा एनआईआईएमएच द्वारा यूनानी पुस्तकों के प्रकाशन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों व संकाय सदस्यों को प्रोत्साहित किया कि वे एक या दो पांडुलिपियों का संपादन व आधुनिक भाषाओं में अनुवाद कर व्यापक शैक्षणिक लाभ के लिए कार्य करें। बैठक में संस्थान के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डॉ. गोविंद रेड्डी, सहायक निदेशक (आयुर्वेद) द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद के साथ हुआ।

डीआरडीओ ने यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल के सफल परीक्षण किए

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित परीक्षण रेंज में मानवरहित हवाई वाहन द्वारा प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 के अंतिम विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। ये परीक्षण वायु से जमीन और वायु से वायु में मार करने वाले दोनों मोड में किए गए। डीआरडीओ के अनुसार परीक्षण एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) की मदद से किए गए, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। यह प्रणाली हथियार के नियंत्रण, तत्परता और प्रक्षेपण प्रक्रियाओं को स्वचालित बनाती है।

मिसाइल के विकास और उत्पादन के लिए डीआरडीओ ने हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड तथा अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। वहीं परीक्षणों के दौरान इस प्रणाली को बेंगलुरु स्थित न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित यूएवी में लगाया गया था। यूएलपीजीएम मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित इमारत अनुसंधान केंद्र के नेतृत्व में डीआरडीएल, टीबीआरएल और एचईएमआरएल जैसी विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के सहयोग से किया गया है। डीआरडीओ ने बताया कि इस मिसाइल का निर्माण पूरी तरह स्वदेशी तकनीक और भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन की तैयारी को भी मजबूती मिली है।

सरकारी स्कूलों में शुरू होगा बाहरी मूल्यांकन, छात्रों की सीखने की क्षमता पर होगी निगरानी

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के छात्रों के लिए जल्द ही बाहरी मूल्यांकन प्रणाली लागू की जा सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए बाहरी परीक्षाएं शुरू करने की योजना बना रहा है। विभाग के अनुसार यह निर्णय छात्रों की वास्तविक सीखने की क्षमता और स्कूलों में उच्च उत्तीर्ण प्रतिशत के बीच अंतर को देखते हुए लिया जा रहा है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 की रिपोर्ट में सामने आया है कि कक्षा 9 के अधिकांश छात्र गणित की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में कमजोर हैं। वहीं कक्षा 6 और कक्षा 3 के छात्रों में भी पढ़ाई और गणना से जुड़ी मूलभूत कमियां पाई गई हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत वर्ष में दो बार बाहरी मूल्यांकन किया जाएगा। परीक्षा और मूल्यांकन दूसरे स्कूलों से चुने गए शिक्षक करेंगे, ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। विभाग के अनुसार जिन स्कूलों का प्रदर्शन कमजोर रहेगा, वहां विशेष सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। शुरुआत में इस व्यवस्था को कुछ सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में प्रायोगिक रूप से लागू किया जाएगा और बाद में इसे पूरे राज्य में विस्तारित किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल में कोहली सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी

रोहित दूसरे और धोनी तीसरे नंबर पर; 19,200 करोड़ के साथ कोलकाता सबसे वैल्युएबल फ्रेंचाइजी

भारतीय खिलाड़ियों की अनुमानित कमाई

खिलाड़ी	फ्रेंचाइजी	अनुमानित कमाई
विराट कोहली	RCB	₹230 करोड़
रोहित शर्मा	MI	₹227.2 करोड़
महेंद्र सिंह धोनी	CSK	₹200 करोड़

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वे 230 करोड़ की कमाई कर चुके हैं। आईपीएल 2008 से शुरू हुआ है और इस बार इसका 19वां सीजन है।

यह दावा फैनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में किया गया है। यह रिपोर्ट दुनिया के 53 देशों के 504 शहरों के 1,323 एलीट एथलीटों और 6 स्पोर्ट्स लीगों की स्टडी पर आधारित है।

फैनेटिक स्पोर्ट्स एक टिकटिंग और हॉस्पिटैलिटी कंपनी है, जो खेल से जुड़े ट्रैवल और इवेंट्स का प्रबंधन करती है। वहीं, हुरुन इंडिया रिसर्च और वैल्युएशन कंपनी है, जो अमीरों की सूची और बिजनेस रिपोर्ट्स के लिए जानी जाती है।

आईपीएल के सबसे अमीर खिलाड़ियों की लिस्ट में विराट कोहली नंबर-1 पर हैं। वे 2008 से लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे हैं और अब तक 230 करोड़ की सैलरी ले चुके हैं। विराट ब्रांड वैल्यू के मामले में भी लीग के सबसे बड़े स्टार हैं।

इस सूची में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 227.2 करोड़ की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी 200 करोड़ की सैलरी के साथ तीसरे स्थान पर हैं। धोनी आज भी भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के बड़े कॉमर्शियल आइकन हैं।

विमेंस क्रिकेट में स्मृति मंधाना 13.7 करोड़ की कमाई के साथ टॉप पर हैं। देश की टॉप 10 महिला क्रिकेटरों की कुल कमाई 90 करोड़ है, जो विराट कोहली की आईपीएल कमाई 230 करोड़ के आधे से भी कम है। अन्य खेलों में यह फासला और ज्यादा है।

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और जूही चावला की कोलकाता नाइट राइडर्स की वैल्यू 19,200 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही केकेआर वह देश की सबसे मूल्यवान आईपीएल फ्रेंचाइजी बन गई है। इसके बाद मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स हैं। दोनों टीमों का वैल्युएशन करीब18,400 करोड़ आंकी गई है। आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजी का कुल वैल्युएशन अब 1.63 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल फ्रेंचाइजी का रेवेन्यू टिकट, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, स्पॉन्सरशिप, मर्चेंडाइज, डिजिटल कंटेंट और ग्लोबल फैन एंगेजमेंट से आ रहा है। इसी वजह से भारतीय लीग आईपीएल अब वैल्युएशन में अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग और इंग्लैंड की इंग्लिश प्रीमियर लीग को टक्कर दे रही है। आईपीएल फ्रेंचाइजी की औसत वैल्युएशन 2032 तक 1.8 अरब डॉलर से बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे टीमों की वैल्यू में कई गुना बढ़ोतरी होगी।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह हॉकी इंडिया लीग में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी कमाई सिर्फ 78 लाख है। फॉरवर्ड अभिषेक नैन को 72 लाख और हार्दिक सिंह को 70 लाख मिलते हैं। इससे साफ होता है कि भारत के कमर्शियल स्पोर्ट्स मार्केट पर क्रिकेट का दबदबा है।

कमाई में बड़े अंतर के बावजूद हॉकी जमीनी स्तर पर टैलेंट तैयार करने और लोकप्रियता बनाए रखने में सफल रही है। 14 साल के केतन कुशवाहा, 15 साल के पूर्ति आशीष तानी और राहुल यादव जैसे खिलाड़ी इसका उदाहरण हैं। ओडिशा का सुंदरगढ़ देश का इकलौता जिला है, जिसने हुरुन की एलीट रैंकिंग में 12 बड़े एथलीट दिए हैं।

डूब्ल्यूटीसी में भारत से आगे बांग्लादेश

टीम इंडिया छठे स्थान पर खिसकी; ऑस्ट्रेलिया 87.5% पॉइंट्स के साथ टॉप पर

ढाका, 20 मई (एजेंसियां)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल में बांग्लादेश ने भारत को पीछे छोड़कर पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान पर लगातार दूसरी जीत के बाद बांग्लादेश 58.33 प्रतिशत अंक के साथ छठे से पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, भारत 48.15 प्रतिशत अंक के साथ छठे नंबर पर खिसक गया है।

डूब्ल्यूटीसी के पहले दो सीजन के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम के लिए यह रैंकिंग चेतावनी मानी जा रही है। एशियाई टीमों में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अब सिर्फ पाकिस्तान से ऊपर है। भारत ने इस साल अब तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है, जिसका असर आईसीसी की ताजा अंक तालिका में दिख रहा है। भारत ने अपना आखिरी टेस्ट मैच नवंबर 2025 में गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। 22 से 25 नवंबर तक खेले गए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 408 रनों से हराया था।

बांग्लादेश ने अपने घर में दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान को 2-0 से हराया। बाद पाकिस्तान 2025-2027 WTC साइकिल में एक जीत और तीन हार के साथ आठवें स्थान पर बना हुआ है। टीम का पॉइंट्स पर्सेंटेज भी काफी खराब हो गया है। ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 8 टेस्ट में 7 जीत और 87.50 पर्सेंटेज पॉइंट्स के साथ टॉप पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड 3 टेस्ट में दो जीत और एक ड्रा के साथ 77.78 पर्सेंटेज पॉइंट्स लेकर दूसरे स्थान पर है। साउथ अफ्रीका तीसरे और श्रीलंका चौथे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय टीम की रैंकिंग गिरने की बड़ी वजह खराब प्रदर्शन रहा है। टीम इंडिया को घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। वहीं, इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल की कप्तानी में टीम पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रा करा सकी थी, जहां उसे दो मैचों में हार मिली थी। इन हारों से भारत का जीत प्रतिशत काफी नीचे आ गया। भारतीय टीम को आने वाले दिनों में कई टेस्ट मैच खेलने हैं। भारत 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा। हालांकि, यह मुकाबला मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकिल का हिस्सा नहीं है, इसलिए इसके नतीजों का रैंकिंग पर असर नहीं पड़ेगा।

डब्ल्यूटीसी साइकिल के तहत भारत को इस साल के अंत में श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरे पर दो-दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद 2027 में भारतीय टीम घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। फाइनल की रेस में बने रहने के लिए भारत को श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरों पर बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

यशस्वी जायसवाल से कोई दुश्मनी है क्या ?

ओडीआई से निकाला और टेस्ट में कर दिया खेल

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया की किसी सीरीज के लिए स्क्वॉड का सेलेक्शन हो और उस पर बहस न हो, ऐसा कहां होता है. फिर चाहे वो कोई टूर्नामेंट हो या कोई छोटी-बड़ी सीरीज हो, किसी न किसी खिलाड़ी को बाहर किए जाने, चुने जाने या फिर अनदेखी होने पर अन्याय जैसे आरोप लगने लगते हैं. कुछ सही भी होते हैं और कुछ फैंस के जज्बात होते हैं. मगर टीम इंडिया के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल पर ये फिट बैठता है, जिन्हें सिर्फ अब एक फॉर्मेट तक सीमित कर दिया गया है.

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट मैच और वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के दो अलग-अलग स्क्वॉड का ऐलान किया गया. इस स्क्वॉड में कुछ नए खिलाड़ियों को जगह मिली, तो कुछ सीनियर खिलाड़ियों की छुट्टी हुई. मगर इन खिलाड़ियों की चर्चाओं के बीच एक नाम पर ज्यादा बात नहीं हुई और वो हैं यशस्वी जायसवाल, जिन्हें टेस्ट टीम में तो बरकरार रखा गया है लेकिन वनडे स्क्वॉड से ड्रॉप कर दिया गया है.

पिछले करीब 3 साल से टीम इंडिया के लिए खेल रहे बाएं हाथ के स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल को तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया का भविष्य माना जाता रहा है. टेस्ट में तो वो अपनी जगह बना चुके हैं लेकिन वनडे और टी20 में उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं और पिछड़ते दिखे हैं. टी20 में तो वो टीम से बाहर हो ही चुके हैं और अब वनडे में भी उनका पत्ता साफ होता दिख रहा है. पिछली सीरीज में ही वो टीम इंडिया का हिस्सा थे, जहां उन्हें खेलने का मौका तो नहीं मिला लेकिन टीम में शामिल थे. वहीं उससे ठीक पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच में उन्होंने अपना पहला शतक भी जमाया था. ऐसे में यही उम्मीद की जा रही थी कि वो इस सीरीज में भी बैकअप ओपनर के रूप में उपलब्ध रहेंगे. खास तौर पर रोहित शर्मा की फिटनेस समस्या को देखते हुए उन्हें खेलने का मौका मिल भी जाएगा. साथ ही अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को देखते हुए माना जा रहा था कि उन्हें बैकअप ओपनर के तौर पर तैयार किया जाएगा. मगर इस फैसले ने हर किसी को चौंका दिया है.

इतना ही नहीं, सेलेक्शन कमेटी ने एक फैसला टेस्ट टीम के नेतृत्व को लेकर भी किया है. ऋषभ पंत को उप-कप्तानी से हटाकर केएल राहुल को फिर से ये जिम्मेदारी दे दी गई है. ये फैसला हैरान करने वाला है और इसकी वजह भी है. असल में पंत को हटाने के बाद सेलेक्शन कमेटी के पास मौका था कि वो जायसवाल को उप-कप्तान बनाएं, ताकि भविष्य में एक नए कप्तान को अभी से तैयार किया जा सके.

अगर ऐसा होता तो जायसवाल के पास नेतृत्व का अभी से काफी अनुभव हो जाता लेकिन सेलेक्टर्स ने ये मौका छोड़कर चौंकाया है. इससे सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम मैनेजमेंट या सेलेक्शन कमेटी किसी बात पर जायसवाल से नाराज है या कोई और वजह है जिसके चलते उन्हें टीम से बाहर किया जा रहा है या जिम्मेदारी के लायक नहीं समझा जा रहा?

बांग्लादेश ने पाक को लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप किया

78 रन से हारा सिलहट टेस्ट, तैजुल इस्लाम ने 6 विकेट झटके

सिलहट, 20 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान को बांग्लादेश दौरे में 2-0 की हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश ने बुधवार को सिलहट टेस्ट में उसे 78 रन से हराया। पाकिस्तानी टीम बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप हुई है। उसे 2024 में घर में क्लीन स्वीप का समना करना पड़ा था।

मैच के आखिरी दिन 437 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम दूसरी पारी में 358 रन पर ऑलआउट हो गई। उसने 316/7 से खेलना शुरू किया और पहले घंटे में 42 रन के भीतर आखिरी 3 विकेट गंवा दिए।मोहम्मद रिजवान 94 रन बनाकर आउट हुए। जबकि साजिद खान ने 28 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद टीम ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा।

बांग्लादेश ने 437 रन का टारगेट दिया था

मैच की शुरुआत में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 278 रन बनाए थे, जबकि पाकिस्तान 232 रन ही बना सका था। इससे बांग्लादेश को 46 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में बांग्लादेश ने 390 रन बनाकर 437 रन का टारगेट दिया। तीसरे दिन पाकिस्तान 162 रन पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में था। यहां से रिजवान ने सलमान आगा के साथ छठे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी करके टीम को चौथे दिन ऑलआउट होने से बचाया, लेकिन हार नहीं टाल सके।

पहले सेशन में पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद को 2 जीवनदान मिले। वे लंच तक 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। इसका फायदा उठाकर उन्होंने फिफ्टी पूरी की।

दूसरे स्लिप पर कैच होने से बचे13वें ओवर की 5वीं बॉल पर शान मसूद कैच होने से बच गए। नाहिद राणा की गेंद को वे मिड ऑन पर खेलना चाहते थे, लेकिन गेंद स्लिप कॉर्डन की ओर गई, लेकिन तंजीत कैच नहीं पकड़ सके। लिटन दास स्टंपिंग चूके22वें ओवर की दूसरी गेंद में मेहदी हसन मिराज ने ऑफ ब्रेक बॉल पर शान मसूद पूरी तरह चूक गए। यहां पर विकेटकीपर लिटन दास उन्हें स्टंपिंग करने से चूक गए।

बांग्लादेश दूसरी पारी में 390 पर ऑलआउट

मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश दूसरी पारी में 390 रन पर ऑलआउट हो गई। मुशफिकुर ने 137 रन की शतकीय पारी खेली। महमूदुल हसन जॉय (52 रन) और लिटन दास (69 रन) ने हाफ सेंचुरी लगाई। पाकिस्तान के लिए खुर्रम शहजाद ने 4-4 विकेट लिए।

सूर्यवंशी ने रसेल का रिकॉर्ड तोड़ाः आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले नंबर-2 बैटर

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 64वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया। जयपुर में खेले गए मैच में वैभव सूर्यवंशी ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

वैभव सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बैटर बन गए। उन्होंने आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने बतौर भारतीय एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बना डाले। उनके नाम अब 426 रन हो गए हैं। वैभव ने उंगलियो से A बनाकर फिफ्टी सेलिब्रेट की।

वैभव आईपीएल के एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीजन पावरप्ले में 426 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर नंबर-1 पर हैं। वॉर्नर ने 2016 में पावरप्ले में 467 रन बनाए थे।

वैभव एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीजन अब तक 53 सिक्स लगाए हैं। वैभव ने आंद्रे रसल (52 सिक्स) को पीछे छोड़ा। इस सूची में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 2012 में बेंगलुरु के लिए 59 छक्के लगाए थे।

वैभव आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा 10 या इससे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ 10 या इससे ज्यादा सिक्स लगाए। वैभव ने तीसरी बार एक पारी में 10 से ज्यादा छक्के लगाए। इस लिस्ट में क्रिस गेल नंबर एक पर है, जिन्होंने 4 बार यह कारनामा किया है। इसके अलावा फिन सूर्यवंशी दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने आईपीएल के एक ही सीजन में दो बार 10 या उससे ज्यादा सिक्स लगाए हैं।

वैभव आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने इस सीजन 236.3 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। यह आईपीएल के एक सीजन में कम से कम 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले आंद्रे रसेल के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 2019 में 204.8 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

राजस्थान एक सीजन में पावरप्ले में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीम बन गई। टीम ने लखनऊ के खिलाफ पहले 6 ओवर में 3 सिक्स लगाकर इस सीजन कुल 60 सिक्स पूरे कर लिए। इसस पहले यह रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के नाम था, जिसने 2024 में 59 छक्के लगाए थे। लखनऊ ने आईपीएल में अपने सबसे तेज 50 रन पूरे कर लिए। टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 3.3 ओवर में फिफ्टी लगा दी। इससे पहले लखनऊ ने 2023 और 2026 दोनों ही बार चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेपॉक मैदान पर 3.4 ओवर में अर्धशतक लगाया था।

लखनऊ ने आईपीएल में अपना चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। टीम ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहले 6 ओवर में बिना विकेट खोए 83 रन बनाए। लखनऊ ने इसी सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक विकेट खोकर 91 रन बनाए थे, जो उनका सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।

राजस्थान के गेंदबाजों ने लखनऊ के खिलाफ 20 ओवर में 220 रन दे दिए। यह इस सीजन 8वीं बार है, जब राजस्थान के खिलाफ किसी टीम ने 200 से ज्यादा रन बनाए। इस लिस्ट में पंजाब किंग्स नंबर एक पर है, जिसने इसी सीजन 9 बार 200 से अधिक रन दे दिए।

राजस्थान आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 220 या उससे ज्यादा रन का टारगेट चेज करने वाली टीम बन गए है। उसने चौथी बार यह कारनामा किया। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने 3-3 बार ऐसा किया, जबकि मुंबई इंडियंस ने 2 बार 220 से ज्यादा रन बनाए।

राजस्थान ने आईपीएल में चौथा अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 224, पंजाब किंग्स के खिलाफ 223, लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 221 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 215 रन का लक्ष्य हासिल किए हैं।

फ्रेंच ओपन के बाद विंबलडन से भी कार्लोस अल्कारेज ने नाम वापस लिया

लंदन, 20 मई (एजेंसियां)। दो बार के विंबलडन चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने घोषणा करते हुए बताया कि कलाई की चोट के कारण वह अगले महीने होने वाले विंबलडन टूर्नामेंट से हट रहे हैं। अल्कारेज पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिनी कलाई में चोटिल हो गए थे। वह इस सप्ताहांत से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से भी पहले ही नाम वापस ले चुके हैं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में यह क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट जीता था।

अल्कारेज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन दुर्भाग्य से मैं अभी भी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।' अल्कारेज ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की और टेनिस में चारों प्रमुख खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए। अल्कारेज ने 2023 और 2024 में लगातार दो बार ग्रास-कोर्ट ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। उन्होंने दोनों फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। पिछले साल फाइनल में उन्हें यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था।

स्पेन के इस खिलाड़ी ने विंबलडन और लंदन के क्वींस क्लब में होने वाले वार्मअप टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर कहा, ये दोनों टूर्नामेंट मेरे लिए बेहद खास हैं और मुझे इनकी कमी बहुत खलेगी।

पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित की

रोनाल्डो छठा वर्ल्ड कप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बनेंगे

खेल डेस्क, 20 मई (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए पुर्तगाल ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कप्तानी में टीम का ऐलान किया है। 41 साल के अल नासर फॉरवर्ड रोनाल्डो टूर्नामेंट में उतरते ही रिकॉर्ड 6 फीफा वर्ल्ड कप खेलने वाले पहले फुटबॉलर की सूची में शामिल हो जांएगे।

इस सूची में पहला नाम मैक्सिको के गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ का होगा, क्योंकि पहला मैच मैक्सिको का है। उनके अलावा, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी छठा वर्ल्ड कप खेलेंगे।

पुर्तगाल को ग्रुप-के में डीआर कांगो, कोलंबिया और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। टीम में ब्रूनो फर्नांडिस और बर्नार्डो सिल्वा जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी जगह मिली है।

48 टीमें के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। जोकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 16 शहरों में खेला जाएगा। हाल ही में फ्रांस और बेल्जियम ने भी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान किया था।

वर्ल्ड कप से पहले चिली और नाइजीरिया से खेलेंगे वॉर्म-अप मैच

पुर्तगाल की टीम अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारी में जुटी है। ग्रुप स्टेज से पहले टीम चिली और नाइजीरिया के खिलाफ दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलेगी। इन मैचों में टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन और बेंच स्ट्रेंथ को परखेगा।

पुर्तगाल फुटबॉल एसोसिएशन की घोषित टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः डिएगो कोस्टा, जोस सा, रुई सिल्वा, रिकार्डो वेल्हो।

डिफेंडर्सः डिएगो डालोट, मैथियस नुनेस, नेल्सन सेमेडो, जोआओ केंसैलो, नूनो मेंडेस, गोंसालो इनासियो, रेनाटो वेइगा, रूबेन डियास, टॉमस अराउजो।

मिडफील्डरः रूबेन नेवेस, जोआओ नेवेस, विटिन्हा, ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा, जोआओ फेलिक्स, फ्रांसिस्को ट्रिनकाओ, फ्रांसिस्को कॉन्सिसिओ, सामू कोस्टा।

फॉरवर्डः पेड्रो नेटो, राफेल लियो, गोंसालो गुएडेस, गोंसालो रामोस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो।

खत्म हुआ 22 साल का इंतजार! आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग का खिताब

लंदन, 20 मई (एजेंसियां)। आर्सेनल एफसी ने प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने 22 साल बाद यह खिताब जीता है। इसलिए यह उपलब्धि बेहद खास है। आखिरी बार टीम ने 2004 में ट्रॉफी उठाई थी। इंग्लैंड के बोर्नमाउथ के वाइटैलिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी एफसी को एएफसी बोर्नमाउथ ने 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। पेप गार्डियोला की टीम को टाइटल रेस में बने रहने के लिए हर हाल में जीत चाहिए थी, लेकिन बोर्नमाउथ के शानदार प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैच का सबसे अहम पल 39वें मिनट में आया, जब 19 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी एली जूनियर क्रूपी ने शानदार गोल कर बोर्नमाउथ को बढ़त दिलाई। एड्रियन ट्रफर्ट के पास पर क्रूपी ने बेहतरीन पहला टच लिया और फिर एक कर्विंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा इस शॉट को रोक नहीं सके। एर्लिंग हालैंड ने बराबरी का गोल कर सिटी की वापसी के साथ ही जीत की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन मैनचेस्टर की खुशी अधिक समय तक नहीं रह सकी। कुछ ही सेकंड बाद मैच समाप्त करने की घोषणा हुई और मैनचेस्टर सिटी का लगातार दूसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया। इसके साथ ही आर्सेनल को विजेता घोषित किया गया।

मिकेल आर्टेटा की अगुवाई में आर्सेनल ने शानदार खेल दिखाया। टीम ने एक दिन पहले पहले से रेलीगेट हो चुकी बर्नले एफसी को 1-0 से हराकर खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। सीजन में आर्सेनल ने कॉर्नर से सबसे ज्यादा गोल करने का प्रीमियर लीग रिकॉर्ड भी बनाया।

मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच हुए मैच के ड्रॉ होने की खबर आते हीं एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर हजारों आर्सेनल समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। अब आर्टेटा की टीम के पास इतिहास रचने का एक और मौका है। आर्सेनल 30 मई को बुडापेस्ट में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल 2025 में पेरिस सेंट-जर्मेन एफसी से भिड़ेगी।

फ्यूचर सिटी को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकसित किया जाए: रेवंत रेड्डी

जून में इंडस्ट्रियल पार्क का शिलान्यास कराने पर जोर

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एमसीआर एचआरडी बोधि पवेलियन में उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उद्योग मंत्री दुडिल्ला श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव रामकृष्णा राव, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी, तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) के वाइस चेयरमैन शशांक, उद्योग विभाग के आयुक्त निखिल चक्रवर्ती, आईटी विभाग के संयुक्त सचिव अनुदीप दुरिशेट्टी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भारत फ्यूचर सिटी में भूमि आवंटन, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना तथा बुनियादी ढांचे के विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फ्यूचर सिटी के डिजाइन नेट जीरो सिटी की तर्ज पर तैयार किए जाएं तथा बुनियादी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर की हों। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विश्वस्तरीय शहरों का अध्ययन करने और उसी अनुरूप योजनाएं तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास पूरा होने के बाद ही भूमि आवंटन किया जाए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों और संस्थानों को फ्यूचर सिटी में आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने फ्यूचर सिटी में जनप्रतिनिधियों, सिविल सेवा अधिकारियों और पत्रकारों के लिए 500 एकड़ भूमि आरक्षित रखने का सुझाव भी दिया। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित हेल्थ क्लस्टर को फ्यूचर सिटी में लाने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर हेल्थ क्लस्टर आवंटित करने का अनुरोध किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जून महीने में फ्यूचर सिटी इंडस्ट्रियल पार्क में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के तुरंत बाद उद्योगों का निर्माण कार्य शुरू करने की अनिवार्य शर्त लागू की जाए। मुख्यमंत्री ने निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से इन्वेस्ट तेलंगाना नाम से विशेष सेल स्थापित करने, आकर्षक लोगो और वेबसाइट तैयार करने तथा इसके लिए अलग कार्यालय बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश करने वाले उद्यमियों की सुविधा के लिए एस्कॉर्ट ऑफिसर व्यवस्था लागू की जाए तथा ग्रुप-1 स्तर के अधिकारियों को एस्कॉर्ट ऑफिसर नियुक्त करने की संभावनाओं का अध्ययन किया जाए। बैठक में तमिलनाडु और गुजरात की औद्योगिक नीतियों का अध्ययन करने पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही 1500 एकड़ क्षेत्र में डेटा सिटी विकसित करने की योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि डेटा सिटी की जल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एसटीपी का उपयोग किया जाए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स) और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए करीमनगर, वारंगल तथा विजयवाड़ा रोड के समीप उपलब्ध सरकारी भूमि की पहचान की जाए। उन्होंने द्वितीय श्रेणी के शहरों में जीसीसी स्थापित करने पर केंद्रित नई नीति तैयार करने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि अगले तीन महीनों के भीतर सभी सरकारी कार्यालयों को टी-फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जाए।

भीषण गर्मी के बीच मुख्यमंत्री ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

मुख्य सचिव को जिला कलेक्टरों के लिए दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी भीषण लू की चेतावनी के मद्देनजर लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की अपील की है।

उत्तर तेलंगाना जिलों में जारी गंभीर गर्मी की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी जरूरी एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से पर्याप्त मात्रा में ओआरएस पैकेट, पेयजल आपूर्ति तथा निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने को कहा। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को लू से प्रभावित मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय निकायों को शहरी क्षेत्रों में चली वेंद्रालु (नि:शुल्क पेयजल केंद्र) स्थापित करने को कहा गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने लोगों से दोपहर के समय घरों से बाहर नहीं निकलने और यात्रा से बचने की अपील की।

उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को संबंधित जिलों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा गर्मी से लोगों की सुरक्षा के लिए जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के आदेश दिए।

कनिष्ठ व्याख्याताओं ने तबादला कार्यक्रम घोषित करने की मांग की

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राजपत्रित कनिष्ठ व्याख्याता संघ-475 ने राज्य सरकार से सरकारी कनिष्ठ महाविद्यालयों के व्याख्याताओं और कर्मचारियों के तबादलों का कार्यक्रम जल्द घोषित करने की मांग की है। संघ का कहना है कि तबादलों में देरी के कारण कर्मचारियों को मानसिक तनाव और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ के अध्यक्ष डॉ. वी. श्रीनिवास और महासचिव डॉ. के. सुरेश ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर बताया कि सरकार द्वारा तबादलों पर लगा प्रतिबंध हटाने के बावजूद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने अभी तक कोई कार्यक्रम जारी नहीं किया है।

संघ के अनुसार सरकार ने सरकारी आदेश संख्या 38 के तहत कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटाकर 1 से 31 मई तक आवेदन की अनुमति दी है। इसके बावजूद जूनियर कॉलेजों के कर्मचारियों के लिए प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है।

संघ ने बताया कि वर्ष 2012 बैच के संविदा कनिष्ठ व्याख्याता, जिन्हें 2023 में नियमित किया गया था, पिछले 16 वर्षों से एक ही कॉलेज में कार्यरत हैं। इससे उन्हें परिवार से दूर रहना पड़ रहा है और आर्थिक, मानसिक तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने सरकार से 2023 बैच के व्याख्याताओं के लिए तीन वर्ष की पात्रता शर्त में छूट देकर इसे दो वर्ष करने तथा तबादलों की अंतिम तिथि बढ़ाने की भी मांग की है।

तेलंगाना सरकार और यूरोपीय संघ के बीच सुरक्षित साझेदारी: विवेक वेंकटस्वामी

मंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित किया

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम, रोजगार, खान एवं भूविज्ञान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकार टॉमकॉम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विशेष कदम उठा रही है तथा इसके लिए बजट में 90 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मंत्री बुधवार को सोमाजीगुड़ा स्थित एक होटल में आयोजित भारत—यूरोपीय संघ मोबिलिटी प्रोजेक्ट के द्वितीय चरण के तहत राज्य स्तरीय कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यह कार्यशाला विदेश मंत्रालय और यूरोपीय संघ के सहयोग से टॉमकॉम के साथ मिलकर आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि यूरोप में वर्तमान में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं, जबकि भारत के पास बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित युवा शक्ति मौजूद है। यह स्थिति दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझेदारी का अवसर प्रदान करती है, जिसमें भारत कुशल मानव संसाधन तैयार कर सकता है और यूरोपीय देश प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता पूरी कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि इस अवसर को देखते हुए तेलंगाना सरकार ने युवाओं को वैश्विक करियर के लिए तैयार करने की दिशा में विशेष प्रयास शुरू किए हैं। टॉमकॉम विदेश रोजगार के लिए युवाओं को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने वाला एक प्रमुख संस्थान बनकर उभरा है और इसके माध्यम से प्रशिक्षित कई उम्मीदवार विदेशों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से जर्मन जैसी विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की बढ़ती मांग का उल्लेख किया।

विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार अवैध या अप्रमाणित माध्यमों से विदेश जाने के जोखिमों के बारे में युवाओं में जागरूकता फैला रही है और उन्हें सुरक्षित, वैध एवं संरचित मार्ग अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार की आवश्यकताओं, विशेषकर यूरोप के अनुरूप युवाओं को तैयार करने के लिए तेलंगाना सरकार ने राज्य में कई एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स स्थापित किए हैं, जहां उद्योग-उन्मुख और वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण पारंपरिक रोजगार भूमिकाएं बदल रही हैं, इसलिए कौशल उन्नयन और तकनीकी अनुकूलता अत्यंत आवश्यक हो गई है। मंत्री ने कहा कि भविष्य की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित युवा अंतरराष्ट्रीय अवसरों का बेहतर लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला तेलंगाना के युवाओं को यूरोपीय देशों में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार संभावनाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय के अवर सचिव आदर्श कुमार मेहरा, एलईटीएफ सचिव डी. हरिचंदना, रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक कांती वेस्ली, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी जे. स्नेहाजा, आईसीडब्लूए संयुक्त सचिव अभिजीत चक्रवर्ती सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रण

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से एमसीआरएचआरडी के बोधि पवेलियन में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के अध्यक्ष आर. रवि कुमार, जहीराबाद सांसद सुरेश शेटकार, एफटीसीसीआई निदेशक संगीता तथा एफटीसीसीआई एक्सीलेंस अवाड्र्स के चेयरमैन भास्कर रेड्डी ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान एफटीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आयोजित होने वाले एफटीसीसीआई एक्सीलेंस अवाड्र्स कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

रिश्वत लेते महिला सब-इंस्पेक्टर और कांस्टेबल गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने एक महिला सब-इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी हत्या के प्रयास के एक मामले में मदद करने के बदले रिश्वत मांग रहे थे। एसीबी सिटी रेंज-2 की टीम ने सब-इंस्पेक्टर एम. किरण नंदिता और कांस्टेबल बी. विजय कुमार को कार्रवाई के दौरान पकड़ा। आरोप है कि सब-इंस्पेक्टर ने कांस्टेबल के माध्यम से शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगी थी। इसके बदले मामले में जमानत की शर्तों में राहत दिलाने और पुलिस सहयोग देने का आश्वासन दिया गया था।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार कांस्टेबल पहले ही शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये ले चुका था। बाद में 30 हजार रुपये की रिश्वत बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन परिसर में खड़ी सब-इंस्पेक्टर की स्कूटर से बरामद की गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नामपल्ली स्थित एसीबी अदालत में पेश किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

भाजपा से अलग पार्टी बनाने का कोई इरादा नहीं: बंडी संजय

मेरे खिलाफ अफवाहों के पीछे केटीआर

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने उन खबरों का सख्ती से खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि वे भाजपा छोड़कर अलग राजनीतिक पार्टी बनाने की योजना बना रहे हैं। हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे जीवनभर भाजपा के प्रति समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा, यदि किसी समर्पित भाजपा कार्यकर्ता से उसकी अंतिम इच्छा पूछी जाए तो वह कहेगा कि उसके अंतिम संस्कार में भगवा ध्वज लिपटा हो, यही मेरी भी इच्छा है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल से कथित हटाए जाने की अटकलों को भी खारिज किया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ अफवाहें फैलाने के पीछे भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामराम राव की भूमिका है।

बंडी संजय ने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों के माध्यम से उनके खिलाफ गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल भाजपा द्वारा तेलंगाना में लंबे समय से चले आ रहे भारत राष्ट्र समिति शासन के अंत के बाद बौखलाहट में हैं और अब उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ नेता उन्हें भ्रष्टाचार और सामंती राजनीति के खिलाफ आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार करवाना चाहते हैं। इस मौके पर विधायक राकेश रेड्डी, एमएलसी अंजी रेड्डी और भाजपा प्रवक्ता एन. वी. सुभाष सहित कई नेता मौजूद रहे।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर 3 करोड़ की हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की हैदराबाद इकाई ने शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 8.705 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3.05 करोड़ रुपये बताई गई है।

डीआरआई अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों यात्रियों को एयरपोर्ट पर रोका। उनके चेक-इन सामान की जांच के दौरान 24 काले रंग के पैकेट बरामद हुए, जिनमें हरे रंग का गांजे जैसा पदार्थ छिपाकर रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार यह पदार्थ तेज गंध वाला था और जांच में गांजा पाया गया। तस्करों ने गांजे को इंसुलेटेड पानी की बोतलों, आलू के स्नैक के डिब्बों और अन्य खाद्य पैकेटों में छिपाकर रखा था।

केबीआर पार्क क्षेत्र में पर्यावरणीय क्षति पर केंद्र की सख्ती

तेलंगाना वन विभाग को कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हैदराबाद के चिरान कुंटा-केबीआर क्षेत्र में कथित पर्यावरणीय क्षति को लेकर तेलंगाना वन विभाग को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता रामाराव इममानेनी की शिकायत के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने एचआईसी परियोजना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पारिस्थितिकीय नुकसान का आरोप लगाया है।

केंद्र सरकार ने इस मामले में कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है और निर्देश दिया है कि रिपोर्ट शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराई जाए। इममानेनी ने चिरान कुंटा को निज़ाम काल से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहर बताते हुए कहा कि कसू ब्रह्मानंद रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान के आसपास की जैव विविधता की रक्षा अत्यंत आवश्यक है। यह क्षेत्र अनेक प्रकार के वन्यजीवों और वनस्पतियों का आश्रय स्थल है।

उन्होंने मांग की कि केबीआर पार्क का नाम बदलकर प्रिंस मुक्करम जाह पार्क रखा जाए, ताकि हैदराबाद की ऐतिहासिक विरासत को सम्मान दिया जा सके। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार बार-बार उठाई गई पर्यावरणीय चिंताओं की अनदेखी कर रही है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने भी पहले इस क्षेत्र पर टिप्पणियां की थीं। उन्होंने शहर के हरित क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए तुरंत ठोस कदम उठाने की मांग की है।

पीपी-पीपी कार्यक्रम के तहत जीएचएमसी में खेलों का आयोजन

छात्रों और युवाओं में दिखा गजब का उत्साह

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालना-प्रगति प्राणालिका (पीपी-पीपी) कार्यक्रम के तहत आज जीएचएमसी सर्किलों में खेलकूद और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्टाफ, स्थानीय युवाओं और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर ऊर्जा और उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग जीएचएमसी ज़ोन में खेल प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों में टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। लालापेट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मेट्टुगुड़ा सर्किल में आयोजित कार्यक्रम में उप आयुक्त और सहायक खेल निदेशक ने उपस्थित होकर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इसी प्रकार वीपीजी प्ले ग्राउंड में भी उप आयुक्त और सहायक खेल निदेशक ने विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया और उनके उत्साह की सराहना की। अधिकारियों ने प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए उन्हें आगे भी खेल और फिटनेस गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उनके इस प्रोत्साहन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा और कार्यक्रम में अतिरिक्त उत्साह देखने को मिला। इसी तरह चारमीनार ज़ोन के दरुलशिफा में आयोजित समापन समारोह में उप आयुक्त और सहायक खेल निदेशक ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। यहां आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों को स्थानीय समुदाय से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अधिकारियों ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि एक स्वस्थ और सक्रिय समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एनटीपीसी टाउनशिप में चलाया गया स्वच्छता अभियान

पेद्दापल्ली, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम स्थित दीप्ति महिला समिति (डीएमएस) ने बुधवार को एनटीपीसी टाउनशिप में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया। अभियान में समिति की सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य किया।

अभियान का उद्घाटन डीएमएस अध्यक्ष राखी सामंता ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि दैनिक जीवन की आदत बननी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और कचरे का सही तरीके से निपटान करने की अपील की। समिति की सदस्यों ने टाउनशिप के प्रमुख इलाकों में जाकर सफाई अभियान चलाया और लोगों को स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता भी फैलाई गई।

आय से अधिक संपत्ति मामले में उप-रजिस्ट्रार निलंबित

1.94 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल (आरओ) स्थित उप-रजिस्ट्रार कार्यालय (उप-रजिस्ट्रार-द्वितीय) के अधिकारी दावुलुरी आनंद के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) का मामला दर्ज किया गया है। वे वर्तमान में निलंबन पर हैं। उन पर सेवा के दौरान भ्रष्टाचार और संदिग्ध तरीकों से ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। अधिकारियों के अनुसार, यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 संशोधित) की धारा 13(1)(ख) सहपठित 13(2) के तहत दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पहले की गई छापेमारी के बाद मंगलवार को दोबारा उनके आवास और रिश्तेदारों से जुड़े परिसरों में तलाशी ली गई। तलाशी में अधिकारियों को कई अचल संपत्तियों का पता चला, जिनमें 71.56 लाख रुपये मूल्य के दो आवासीय मकान और 28.37 लाख रुपये मूल्य के छह प्लॉट शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन संपत्तियों का वास्तविक बाजार मूल्य पंजीकृत मूल्य से काफी अधिक हो सकता है।

इसके अलावा तलाशी में बड़ी मात्रा में चल संपत्ति भी बरामद हुई, जिसमें 24.50 लाख रुपये नकद, 7.05 लाख रुपये की बैंक जमा राशि, 6.07 लाख रुपये के घरेलू सामान, एक कार और दो मोटरसाइकिल (कुल मूल्य 13.25 लाख रुपये), तथा 819.5 ग्राम सोने और 2,264.5 ग्राम चांदी के आभूषण (कुल मूल्य 43.16 लाख रुपये) शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल मिलाकर लगभग 1.94 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया गया है। आगे की जांच जारी है और अतिरिक्त संपत्तियों की भी तलाश की जा रही है।

सरस्वती अंत्य पुष्कर में कांची शंकराचार्य और राज्यपाल करेंगे पहला स्नान

हैदराबाद, 20 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम में आयोजित होने वाले सरस्वती अंत्य पुष्करों की शुरुआत 21 मई से हो रही है। राज्य सरकार ने इस धार्मिक आयोजन के लिए व्यापक और विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

ये पुष्कर स्नान 1 जून तक यानी 12 दिनों तक चलेंगे। पहले दिन 21 मई को तड़के 5:43 बजे कांची पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वती तथा तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल पवित्र स्नान कर इस अंत्य पुष्कर का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। राज्य सरकार ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए 30.63 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की है। घाट क्षेत्रों में भीषण गर्मी को देखते हुए कयर मैट, शेड्स, ओआरएस पैकेट और पेयजल की व्यवस्था की गई है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद-500 004

ई-निविदा: आरबीआई, हैदराबाद में मुख्य कार्यालय परिसर और चेरलापल्ली मिंट (आरबीआई वॉल्ट) और विभिन्न आवासीय कॉलोनियों, में कीट नियंत्रण उपचार प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध

1. आरबीआई, हैदराबाद में मुख्य कार्यालय परिसर और चेरलापल्ली मिंट (आरबीआई वॉल्ट) और विभिन्न आवासीय कॉलोनियों, में कीट नियंत्रण उपचार प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹17,40,000/- (केवल सत्रह लाख चालीस हज़ार रुपये) है। पूर्व-योग्यता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया M S T C Ltd के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "टेंडर" के अंतर्गत 21 मई, 2026, 14:00 बजे से टेंडर नोटिस के साथ टेंडर दस्तावेज़ देखें।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 08 जून, 2026 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकर्ता को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
21 मई, 2026

हस्ताक्षर/-
क्षेत्रीय निदेशक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.